खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 20° C
न्यूनतम : 09° C

मुजफ्फरनगर, शनिवार 14 फरवरी 2026 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 27 अंक 29 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2082 25 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है उत्तर प्रदेश : योगी

पेज 2

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सबसे बड़ा उलटफेर किया

खेल टाइम्स

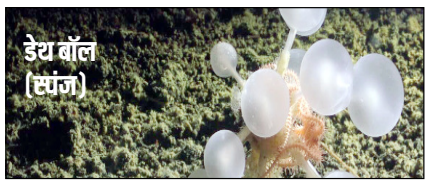

नई प्रजातियों की खोज समुद्र विज्ञान की दुनिया में एक नई उपलब्धि

सम्पादकीय

बांग्लादेश में दो दशक बाद बीएनपी की बड़ी जीत

पेज 12

संक्षिप्त समाचार

अभ्युदय योजना भर्ती में गड़बड़ी, संयुक्त निदेशक निलंबित

लखनऊ। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत कोर्स कोऑर्डिनेटर पदों की चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक सुनील कुमार बिसेन को निलंबित कर दिया गया है। प्रथम दृष्ट्या लापरवाही प्रमाणित होने पर उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। निलंबन अवधि में वे निदेशालय से संबद्ध रहेंगे तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करेंगे। चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी की एक गोपनीय शिकायत विभागीय मंत्री असीम अरुण को प्राप्त हुई थी, जिसके आधार पर जांच कराई गई। जांच के दौरान संयुक्त निदेशक की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इतना ही नहीं जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्रों का मूल अभिलेखों से समुचित सत्यापन नहीं किया गया।

महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर घिरे दयानिधि मारन

मुजफ्फरपुर। उत्तर भारत की महिलाओं को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के सांसद दयानिधि मारन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मुजफ्फरपुर की सीजेएम कोर्ट ने उनके खिलाफ नोटिस जारी करते हुए 23 फरवरी 2026 को व्यक्तिगत रूप से (सदेह) उपस्थित होने का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार, हाल में दिए एक बयान में दयानिधि मारन ने कथित तौर पर उत्तर भारत की महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा कि उत्तर भारत की महिलाएं केवल घर का काम और बच्चों को जन्म देने तक सीमित हैं, जबकि तमिलनाडु की महिलाएं अधिक शिक्षित, कामकाजी और सर्वगुण संपन्न हैं। इस बयान के बाद उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में नाराजगी देखी गई।

सरकार की 25 लाख टन गेहूं व चीनी निर्यात को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को 25 लाख टन गेहूं के निर्यात के साथ-साथ 5 लाख टन गेहूं उत्पादों और चीनी के निर्यात की अनुमति दी। यह कदम पर्याप्त स्टॉक की स्थिति को देखते हुए उठाया गया है। यह फैसला घरेलू बाजारों को स्थिर करने और किसानों को पर्याप्त लाभ दिलाने के लिए लिया गया है। खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वर्तमान उपलब्धता और कीमतों के आकलन के बाद यह निर्णय लिया गया है। अभी निजी संस्थाओं के पास 2025-26 के दौरान गेहूं का स्टॉक लगभग 75 लाख टन है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 32 लाख टन अधिक है, जो देश में पर्याप्त आपूर्ति स्थिति का संकेत देता है। मंत्रालय ने कहा कि एक अप्रैल, 2026 तक, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के केंद्रीय भंडार में कुल गेहूं की उपलब्धता लगभग 182 लाख टन होने का अनुमान है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि निर्यात अनुमतियों से घरेलू खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में स्थिर गति से होगा सुधार!

नई दिल्ली। बांग्लादेश के राष्ट्रीय चुनावों में जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान को शुक्रवार सुबह बधाई देने वाले भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पड़ोसी नेता के साथ संबंध विकसित करने के लिए व्यक्तिगत तौर पर प्रयास कर सकते हैं।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार के साथ भारत की असहजता जगजाहिर रही है। संबंध तब और निचले स्तर पर पहुंच गए थे जब यह संदेह जताया गया था कि वर्तमान शासन ने बांग्लादेश में भारतीय मिशनों के बाहर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए थे, जिनमें हमले की घटनाएं भी शामिल थीं। हालांकि, विश्लेषकों को तुरंत बहुत अधिक आत्मीयता बढ़ने की उम्मीद नहीं है, बल्कि वे एक नपे-तुले और व्यवस्थित दृष्टिकोण की आशा करते हैं।

■ पड़ोसी नेता के साथ संबंध विकसित करने को व्यक्तिगत तौर पर प्रयास कर सकते हैं पीएम मोदी

मोदी ने तारिक रहमान से की बात, जीत पर दी बधाई

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के प्रमुख तारिक रहमान से बात कर उन्हें बांग्लादेश के संसदीय चुनावों में शानदार जीत पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के लोगों की शांति और प्रगति के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए श्री रहमान को बांग्लादेश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में उनके प्रयासों के लिए समर्थन और शुभकामनाएं दीं। बाद में श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि तारिक रहमान से बातचीत कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। मैंने उन्हें बांग्लादेश के हाल के चुनावों में मिली उल्लेखनीय विजय पर बधाई दी। मैंने बांग्लादेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं और समर्थन व्यक्त किया। गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों वाले दो निकट पड़ोसी देशों के रूप में, भारत दोनों देशों के लोगों की शांति, प्रगति और समृद्धि के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता दोहराता है।

कहा: बांग्लादेश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों में भारत साथ

वहीं श्री रहमान द्वारा भारत के साथ संबंधों को सुधारने में बहुत तेजी दिखाने की भी संभावना कम है। बांग्लादेश की घरेलू राजनीति में भारत-विरोधी भावना लंबे समय से एक शक्तिशाली राजनीतिक हथियार रही है। भारत के साथ बहुत अधिक उत्सुकता दिखाने की किसी भी धारणा से उनके राजनीतिक विरोधियों को हथियार मिल सकता है, जो नई सरकार को राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता करने वाली सरकार के रूप में चित्रित करने की कोशिश करेंगे। नतीजतन, दो सबसे संवेदनशील द्विपक्षीय मुद्दों, व्यापार और नदी जल बंटवारे, पर स्थिर प्रगति होने की उम्मीद है। बांग्लादेश ने लगातार बाजार तक व्यापक पहुंच और लंबे समय से लंबित जल-बंटवारा समझौतों के समाधान की मांग की है। भारत अपनी ओर से सुरक्षा सहयोग और क्षेत्रीय रणनीतिक तालमेल के बारे में चिंतित रहता है। एक प्रमुख बांग्लादेशी बुद्धिजीवी और संपादक जफर शोभन का तर्क है कि आने वाली बीएनपी सरकार के सामने विदेश नीति के पुनर्गठन के अलावा भी कई चुनौतियां हैं। वह कहते हैं कि भारत के साथ संबंध निश्चित रूप से उनमें से एक है, लेकिन यह कई बड़ी परीक्षाओं में से केवल एक है। दूसरी बड़ी चुनौती अवामी लीग के राजनीतिक भविष्य को संभालना होगा। बीएनपी ने लंबे समय से अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पर प्रतिबंधों की मांग की है।

उत्तराखंड के 7 शहरों में पारा माइनस 10 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली। देश में फरवरी के दूसरे हफ्ते में मैदानी राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पारा 30 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर चुका है। इन राज्यों में कई जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है और सुबह-शाम सर्दी हो रही है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में पारा 31 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं मध्य प्रदेश के 15 शहरों में तापमान ने 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दक्षिण भारत के कर्नाटक में शुक्रवार को गर्मी का अलर्ट था। हिमालय के राज्यों में उत्तराखंड के 7 शहरों में पारा माइनस 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। गुरुवार को सबसे कम तापमान मुनस्यारी में माइनस 26 डिग्री रहा।

मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट गंभीर

जांच कर रही सीबीआई से दो हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट मांगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा की जांच कर रही सीबीआई से दो हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि अब मणिपुर या गुवाहाटी हाईकोर्ट इन मामलों की निगरानी करें। साथ ही, सरकार को पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बनी कमेटी की सिफारिशें जल्द लागू करने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मणिपुर में 2023 में हुई जातीय हिंसा के मामलों पर सुनवाई की। कोर्ट ने सीबीआई को आदेश दिया कि वह जातीय हिंसा से जुड़ी 11 एफआईआर की जांच पर दो हफ्ते के अंदर स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एक महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बजाय मणिपुर हाई कोर्ट या गुवाहाटी हाईकोर्ट को इन मामलों के ट्रायल और जांच की निगरानी करनी चाहिए। बेंच के अनुसार, मणिपुर हाईकोर्ट में अब नए चीफ जस्टिस -शेष पृष्ठ दो पर

कहा: मणिपुर या गुवाहाटी हाईकोर्ट इन मामलों की निगरानी करें

हिमाचल में पंचायत चुनाव की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पंचायत और नगर पालिका चुनावों पर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार कर लिया और चुनाव कराने की समय सीमा बढ़ा दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग को पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया 31 मई, 2026 तक या उससे पहले पूरी करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि आरक्षण सूची को 31 मार्च, 2026 तक अंतिम रूप देकर लागू कर दिया जाए। महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) अनूप रतन ने बताया कि शीर्ष न्यायालय ने एसएलपी स्वीकार कर ली है और राज्य में पंचायत चुनाव की समय सीमा बढ़ा दी है। इससे पहले उच्च न्यायालय ने राज्य को 28 फरवरी तक आरक्षण सूची जारी करने और 30 अप्रैल, 2026 से पहले चुनाव कराने का निर्देश दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर की थी।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों के हक में, राहुल उन्हें भड़का रहे: गोयल

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को पूरी तरह देश के किसानों के हित में बताते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर इस समझौते को लेकर किसानों को गुमराह करने और उन्हें आपस में भिड़ाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

श्री गोयल ने कहा है कि अमेरिका के साथ समझौते से देश के किसानों को फायदा होगा, खेती के सामान का ज्यादा निर्यात होगा और उनके उत्पादों मांग बढ़ेगी, जिससे कीमतें बढ़ेंगी और किसानों की खुशहाली होगी। उन्होंने किसानों को समझौते को लेकर आश्वस्त किया है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा किसानों के साथ हमदर्दी रखते हैं तथा समझौते में देश के किसानों के हित को सबसे ऊपर रखा गया है। श्री गोयल ने शुक्रवार तड़के जारी एक बयान में कहा कि राहुल गांधी जी को मिथ्याचार की आदत है। उन्हें भारत मां या हमारे किसानों और युवाओं की भलाई की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने जारी एक वीडियो में, झूठ बोलने और बेबुनियाद आरोप लगाने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

■ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बोले: अमेरिका के साथ समझौते से देश के किसानों को फायदा होगा

लोकसभा में हरदीप पुरी इस्तीफा दो के नारे लगे

नई दिल्ली। बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी। शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हरदीप पुरी इस्तीफा दो के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इधर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे।

संसद की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित, भाजपा ने कहा: सत्ता पाने को देश का बंटवारा चाहते थे राहुल

साउथ ब्लॉक ब्रिटिश हुकूमत का प्रतीक: मोदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ से कर्तव्य भवन 1 और 2 का उद्घाटन किया। साथ ही डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के बाद साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक में कई अहम फैसले हुए और नीतियां बनीं लेकिन ये इमारतें ब्रिटिश शासन की हुकूमत की प्रतीक थीं। इनका मकसद भारत को सदियों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े रखना था। इनसे निकलना जरूरी था।

■ गुलामी की मानसिकता से निकलना जरूरी, पीएमओ की नई इमारत का उद्घाटन करते हुए बोले पीएम

उन्होंने कहा कि एक समय था, जब कोलकाता शहर देश की राजधानी हुआ करता था। 1905 के बंगाल विभाजन के दौर में कोलकाता ब्रिटिश विरोधी आंदोलन का प्रबल केंद्र बन चुका था। इसलिए 1911 में अंग्रेजों ने भारत की राजधानी को दिल्ली शिफ्ट किया। उसी के बाद अंग्रेजी हुकूमतों की जरूरतों और उसकी सोच को ध्यान में रखकर नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतें बनी। मोदी ने कहा कि भवन ब्रिटेन के महाराज के सोच को गुलाम भारत की जमीन पर उतारने का माध्यम था। रायसीना हिल्स को इसलिए चुना गया ताकि ये इमारतें अन्य इमारतों से ऊंची रहे। सौभाग्य से सेवा तीर्थ की इमारतें जमीन से जुड़ी हैं, पहाड़ पर नहीं हैं। पीएम ने एक्स पर लिखा- सेवा तीर्थ कर्तव्य, करुणा और भारत सर्वोपरि के सिद्धांत का प्रतीक है।

नई दिल्ली: सेवा तीर्थ नागरिक देवो भव भवन का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री मोदी।

कंगना रनौत प्रकरण: अंतिम बहस अब छह मार्च को

आगरा। आगरा की विशेष एमपी-एमएलए अदालत में भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत से जुड़े प्रकरण में अंतिम बहस की अगली तारीख छह मार्च तय की है। शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने फाइनल बहस के लिए यह तिथि निर्धारित की। अंतिम बहस के उपरांत अदालत यह निर्णय देगी कि कंगना रनौत के खिलाफ वाद चलाया जाएगा या नहीं। अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा द्वारा 11 सितम्बर 2024 को स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में वाद दायर किया गया था।

भारतीय पासपोर्ट मजबूत, रैंकिंग में पांच पायदान की उछाल

नई दिल्ली। भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में सुधार हुआ है। लेटेस्ट हेनले पासपोर्ट इंडेक्स (फरवरी 2026) के अनुसार, अब भारत का पासपोर्ट दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट्स की सूची में 75वें स्थान पर पहुंच गया है।

साल की शुरुआत में यह 80वें स्थान पर था, यानी हाल ही में इसमें 5 स्थानों का सुधार हुआ है। इससे पहले 2025 में यह 85वें स्थान पर था, जिससे कुल मिलाकर 10 स्थानों की छलांग लगी है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स दुनिया भर के लगभग 200 देशों के पासपोर्ट को रैंक करता है। यह रैंकिंग इस बात पर आधारित होती है कि उस देश के पासपोर्ट धारक कितने देशों में बिना वीजा के या वीजा ऑन अराइवल के साथ जा सकते हैं। भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब 56 देशों में वीजा-फ्री या वीजा ऑन अराइवल की सुविधा मिलती है। यह रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के ट्रैवल आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाती है। इस इंडेक्स में पाकिस्तानी पासपोर्ट 97वें नंबर है। उसकी पोजिशन फलस्तीन (91), नार्थ कोरिया (94) और सोमालिया (96) से भी नीचे हैं। नई रैंकिंग में सुधार का मतलब है कि भारतीय नागरिकों के लिए विदेश यात्रा पहले से आसान हुई है। छुट्टियों, कारोबार और सांस्कृतिक यात्राओं के लिए अब ज्यादा सुविधाएं मिलेंगी। एशिया, कैरेबियन, अफ्रीका और ओशिनिया के कई देश भारतीयों को आसान वीजा सुविधा दे रहे हैं। भारत की रैंकिंग पिछले दस साल में लगातार ऊपर-नीचे होती रही है। साल 2006 में भारत 71वें पायदान पर था, जो उसकी अब तक की सबसे अच्छा पोजिशन थी। इसके बाद रैंकिंग गिरती गई और पिछले साल तो 85वें स्थान पर पहुंच गई थी। 2026 की शुरुआत में भारत 80वें पायदान पर आया और अब 75वें स्थान पर पहुंच गया है। मजबूत पासपोर्ट का मतलब है कि उस देश के लोग ज्यादा देशों में बिना पहले से वीजा लिए जा सकते हैं। ऐसे पासपोर्ट पर वीजा-फ्री, वीजा-ऑन-अराइवल -शेष पृष्ठ दो पर

56 देशों में वीजा फ्री एंट्री, पाकिस्तान की पोजिशन फलस्तीन और नॉर्थ-कोरिया से भी नीचे

राहुल गांधी किसान संगठनों के नेताओं से मिले

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं से मुलाकात की।

इस बैठक में भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने और किसानों व खेत मजदूरों की रोजी-रोटी बचाने की जरूरत पर बात हुई। किसान नेताओं ने इस व्यापार समझौते का विरोध किया। उनका कहना था कि समझौते से मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा।

■ बोले: किसान हितों से समझौता नहीं
■ भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ आंदोलन पर हुई बात

संक्षिप्त समाचार

बाराबंकी में मुख्तार अंसारी के शूटर और अधिवक्ता की हत्या

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को ज्ञात बदमाशों ने मुख्तार अंसारी के शूटर और अधिवक्ता सुएब उर्फ बॉबी की गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कोतवाली नगर अंतर्गत असैनी मोड पर अधिवक्ता सुएब उर्फ बॉबी लखनऊ से बाराबंकी की ओर अपनी कार से आ रहे थे। जैसे ही उनकी कार असैनी मोड़ ब्रिज के पास पहुंची, पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिग शुरू कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजय वर्गीय और अपर पुलिस अधीक्षक विकास त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पफॉरेंसिक टीम साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। बताया जा रहा है कि एडीजी जोन लखनऊ भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

काशी कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी

वाराणसी। धार्मिक नगरी काशी में शुक्रवार को जिला न्यायालय (कचहरी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) प्रमोद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। कचहरी परिसर को तत्काल खाली कराया जा रहा है तथा सभी वकीलों को घर लौटने की अपील की जा रही है। पुलिस उपायुक्त प्रमोद कुमार ने बताया कि जिला जज संजीव शुक्ला को ई मेल के माध्यम से खबर दी गई है। बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वायड के साथ कई थानों के फोर्स के साथ परिसर को खाली कराया गया।

विधानसभा में योगी बोले-उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है उत्तर प्रदेश

अब न कर्फ्यू है, न दंगा, यूपी में अब सब चंगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। यूपी विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अब न कर्फ्यू है, न दंगा है, अब यूपी में सब चंगा है।

सीएम योगी ने दावा किया कि पिछले 9 सालों में कानून-व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, अपराधियों पर बुलडोजर चला, माफिया का सफाया हुआ और यूपी अब सुरक्षित राज्य बन गया है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग दंगा-कर्फ्यू की बात करते हैं, वे पुरानी यादें ताजा कर रहे हैं। आज यूपी के हर जिले में एक साइबर थाने हैं, हर थाने में साइबर डेस्क है, आज हजारों करोड़ रुपए ठगों से वापस दिलाने में सहयोग किया है। आज सेफ सिटी की तरफ हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने पीएसी का पुर्नगठन किया है, तीन महिला पीएसी का गठन किया है, आगे हम तीन और करेंगे, पीएसी वाहिनियों से ही दंगाई डरते हैं।

■ 2017 से पहले राज्य में सत्ता के संरक्षण में गुंडे व माफिया पनप रहे थे, हमारी सरकार ने पहले ही दिन से जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई

वहीं उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र (वित्तीय वर्ष 2026-27) में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए कानून-व्यवस्था, विकास, महिला सुरक्षा और प्रदेश की बदली छवि पर विस्तार से सरकार का पक्ष रखा।

उन्होंने दोहराया कि यह कर्फ्यू से कानून तक, समस्या से समाधान तक और अव्यवस्था से सुशासन तक की यात्रा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नई परिभाषा के साथ उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने 2017 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उस समय सत्ता के संरक्षण में गुंडे और माफिया पनप रहे थे। अपराधी, अपराधी होता है। हमारी सरकार ने पहले दिन 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई थी और आज भी उसी पर कायम है। योगी ने कहा कि पहले कानून चंद हाथों की जागीर बन चुका था, कर्फ्यू और दंगे आम बात थे तथा पर्व-त्योहार आशंका के पर्याय बन गए थे। पहले पुलिस का मनोबल टूटा हुआ था, न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी। आज यूपी उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है। उन्होंने दावा किया कि 2017 के बाद से प्रदेश में कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ और आज भय नहीं, आस्था का वातावरण है।

महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। 2 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों में 20 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया गया है और वर्तमान में प्रदेश में 44 हजार से अधिक महिला पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। पुलिस की प्रशिक्षण क्षमता को भी कई गुना बढ़ाया गया है। पफॉरेंसिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पहले प्रदेश में दो-तीन फॉरेंसिक लैब थीं, जबकि अब 12 लैब कार्यरत हैं। नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार पिछले आठ वर्षों में 6 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि उन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित किया जाएगा। राशन, स्वास्थ्य और अन्य सभी सुविधाएं यथावत मिलती रहेंगी।

उप्र के बड़े करदाताओं को सरकार से बड़ी राहत

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ 20 फरवरी से प्रदेश में व्यक्तिगत सुनवाई वर्चुअल माध्यम से करेगा राज्य कर विभाग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में करदाताओं को बड़ी सहूलियत देते हुए राज्य कर विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब प्रदेश के बड़े करदाताओं की व्यक्तिगत सुनवाई वर्चुअल माध्यम से की जाएगी। यह व्यवस्था 20 फरवरी से प्रभावी होगी। इस पहल का उद्देश्य टैक्स प्रणाली को सरल बनाना, तकनीकी का अधिकतम उपयोग करना और 'ईज आफ डूइंग' को बढ़ावा देना है।

शासन स्तर पर मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में यह निर्णय लिया गया है, जिससे न्याय निर्णयन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और करदाता-हितैषी बन सके। यह व्यवस्था संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट) एवं संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट सेल-ऑयल सेक्टर) स्तर पर लागू होगी। शुक्रवार को प्रमुख सचिव, राज्य कर, कामिनी रतन चौहान ने बताया कि प्रदेश के सभी संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट) एवं संयुक्त आयुक्त (कारपोरेट सेल-ऑयल सेक्टर) स्तर पर पंजीकृत करदाताओं की व्यक्तिगत सुनवाई सामान्य परिस्थितियों में अनिवार्य रूप से वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जाएगी। यह प्रक्रिया उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं के अनुरूप होगी। उन्होंने बताया कि करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकल्प भी उपलब्ध रहेगा।

यदि कोई करदाता या उसका अधिकृत प्रतिनिधि किसी विशेष कारण से वर्चुअल के बजाय भौतिक रूप से उपस्थित होकर सुनवाई कराना चाहता है, तो उसके प्रार्थना पत्र पर विचार कर अधिकारी द्वारा अवसर प्रदान किया जाएगा। आयुक्त, राज्य कर, उत्तर प्रदेश डा. नितिन बंसल ने बताया कि कारपोरेट सर्किल का गठन बड़े करदाताओं को बेहतर और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है।

आउटसोर्स कर्मचारियों के नियमितीकरण का मुद्दा उठा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को आउटसोर्स कर्मचारियों के नियमितीकरण और किशोरों को ड्राइविंग लाइसेंस दिए जाने का मामला सदन में उठाया गया।

सरकार ने दोनों ही मामले में सदन में जवाब दिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक संग्राम यादव ने आजमगढ़ राजकीय मेडिकल कॉलेज से जुड़े 100 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाए जाने का मामला उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से कार्यरत संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित क्यों नहीं किया जा रहा है और उन्हें सेवा सुरक्षा क्यों नहीं दी जा रही। जवाब में श्रम मंत्री अनिल राजभर ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की वर्तमान नीति के तहत

■ अभी नियमितीकरण संभव नहीं: योगी सरकार

आउटसोर्स कर्मचारियों का नियमितीकरण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक पृथक निगम का गठन किया गया है, जिससे वेतन भुगतान और सेवा शर्तों में मनमानी की शिकायतों को रोका जा सके। विपक्ष के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कंपनियों के माध्यम से वेतन वितरण में पारदर्शिता की कमी है तथा ईपीएफ की कटौती के बावजूद कई मामलों में राशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं हो रही। सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया कि यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एनकाउंटर व रोजगार पर विपक्ष ने घेरा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने राज्य सरकार को कई अहम मुद्दों पर घेरते हुए भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, एनकाउंटर नीति और रोजगार जैसे विषयों पर गंभीर सवाल उठाए।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सदन में भ्रष्टाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई ठोस चर्चा नहीं हुई, जबकि आम जनता सबसे अधिक भ्रष्टाचार से ही परेशान है। उन्होंने कहा कि आईएएस अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच के मामले लोकायुक्त के पास लंबित हैं और कई अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ शिकायतें भी दर्ज हैं, लेकिन उनकी स्थिति की कोई स्पष्ट जानकारी सदन को नहीं दी गई। उनका कहना था कि यदि लोकायुक्त की सिफारिशें सदन के पटल पर लाई जातीं, तो सदस्य भी उनकी समीक्षा कर सकते थे।

■ कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर पूछे सवाल

उन्होंने लोकायुक्त के कार्यकाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि उनका कार्यकाल कब तक है। लोकायुक्त आठ वर्षों से पद पर हैं, इस विषय पर सरकार को स्पष्टता लानी चाहिए। कानून-व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हाल के मामलों में पुलिसकर्मियों का नाम आपराधिक घटनाओं में सामने आना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि डीजीपी कार्यालय प्रभावी ढंग से काम करता नहीं दिख रहा है और राज्य में कार्यवाहक व्यवस्था से काम चलाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि उच्चतम न्यायालय की मंशा के अनुरूप स्थाई डीजीपी की नियुक्ति की जाए, ताकि अधिकारी बिना किसी दबाव के काम कर सकें। एनकाउंटर की घटनाओं पर भी माता प्रसाद पांडेय ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी का भविष्य बर्बाद करने वाली गलत परंपरा शुरू नहीं होनी चाहिए। यदि आज गलत मिसाल कायम की जाएगी तो आने वाली सरकारें उससे भी आगे बढ़ सकती हैं। गैंगस्टर कानून में संशोधन की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह के कार्यकाल में यह अधिनियम लाया गया था और तब भी उन्होंने इसका विरोध किया था। उनका कहना था कि केवल गोली से अपराध खत्म नहीं होगा, बल्कि व्यवस्था में भरोसा पैदा करना जरूरी है। साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि संगठित साइबर गिरोह आम लोगों को घर बैठे निशाना बना रहे हैं।

विधानसभा में सपा सदस्य रागिनी सोनकर के सवाल को लेकर हंगामा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भर्तियों में आरक्षण के मुद्दे पर शुक्रवार को जोरदार हंगामा देखने को मिला। समाजवादी पार्टी विधायक रागिनी सोनकर ने राज्य स्तरीय भर्तियों में अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी को दिए जा रहे आरक्षण को लेकर सरकार से सवाल पूछा। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने जवाब देते हुए बताया कि अप्रैल 2017 से अब तक कुल 47 हजार पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। इनमें 18 हजार सामान्य वर्ग, 2081 (ईडब्ल्यूएस), 9580 अनुसूचित जाति, 447 अनुसूचित जनजाति और 17,295 ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी दी गई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट रागिनी सोनकर ने पूरक प्रश्न पूछते हुए आरक्षण के अनुपालन को लेकर दोबारा स्पष्टीकरण मांगा। इसी दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य भी खड़े होकर हंगामा करने लगे, जिससे सदन का माहौल गरमा गया। स्थिति को संभालते हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सत्तापक्ष के सदस्यों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ष्जब हम विपक्ष से बात कर रहे हैं, तो आप लोग हंगामा क्यों कर रहे हैं। सदन हमें चलाना है या आपको। इसके बाद अध्यक्ष ने नाराजगी में अपना हेडफोन टेबल पर रख दिया और सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 82626.76
निफ्टी 25471.10

सोना रु. 154000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 250000
प्रति किलो

शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली, सेंसेक्स 1,048 अंक टूटा

मुंबई, वार्ता

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 1,048.16 अंक (1.25 प्रतिशत) लुढ़ककर 82,626.76 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 336.10 अंक यानी 1.30 प्रतिशत टूटकर 25,471.10 अंक पर बंद हुआ।

प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन टूटे हैं। यह दोनों सूचकांकों का 2 फरवरी के बाद का निचला स्तर है।मझौली और छोटी कंपनियों पर और भी अधिक दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.69 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.79 फीसदी गिर गया। आईटी, एफएमसीजी, धातु, रियलटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य और रसायन समेत सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए।आईटी कंपनियों में सुबह तेज गिरावट थी, लेकिन

बाद में उनमें काफी सुधार हुआ। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस (करीब ढाई प्रतिशत) और भारतीय स्टेट बैंक की तेजी को छोड़कर अन्य कंपनियों गिरावट में रही। हिंदुस्तान यूनीलिवर और इटरनल के शेयर चार प्रतिशत से अधिक गिर गए। टाटा स्टील, टाइटन, टीसीएस, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर दो प्रतिशत से अधिक टूटे। बीईएल, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, इंफोसिस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंडिगो में एक से दो प्रतिशत के बीच गिरावट रही।

सोना और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। रिकॉर्ड कीमतों के बाद पहली बार भारत में सोना डिस्काउंट रेट पर बिक रहा है, लेकिन खरीददार फिर भी दूरी बनाए हुए हैं। करीब एक महीने बाद इस हफ्ते भारतीय बाजार में सोना आधिकारिक कीमत से नीचे यानी डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहा है। एक ज्वैलर ने बताया कि मेकिंग चार्ज में छूट देने के बावजूद ज्वैलरी की मांग नहीं सुधरी है। मौजूदा ऊंची कीमतों पर रिटेल खरीदार सहज महसूस नहीं कर रहे। 13 फरवरी शुक्रवार को घरेलू बाजार में सोने का भाव करीब 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास रहा। हालांकि पिछले हफ्ते कीमत फिसलकर 1,33,687 रुपए प्रति 10 ग्राम तक आ गई थी। यानी रिकॉर्ड हाई से गिरावट आई है, लेकिन कीमत अब भी आम खरीदार की पहुंच से ऊपर मानी जा रही है। रॉकेट की रफ्तार से भागने के बाद अब चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है, जिससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर चांदी फिसलकर करीब ढाई लाख रुपये प्रति किलो के स्तर तक आ गई है। इससे पहले चांदी ने 4.20 लाख रुपये प्रति किलो का ऐतिहासिक उच्च स्तर छुआ था। उस रिकॉर्ड ऊंचाई के बाद से लगातार मुनाफावसूली और वैश्विक दबाव के कारण कीमतों में गिरावट जारी है। फिलहाल यह 2.30 लाख रुपये से 2.70 लाख रुपये प्रति किलो के दायरे में कारोबार कर रही है। मुंबई के एक निजी बैंक से जुड़े बुलियन डीलर ने बताया कि ज्यादातर ज्वैलर्स और डीलर फिलहाल बैंकों से खरीदारी से बच रहे हैं।

चावल, गेहूं और खाद्य तेल मजबूत, दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ गेहूं और खाद्य तेलों में भी तेजी रही। चीनी में कमोबेश टिकाव रहा, जबकि दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 23 रुपये बढ़कर 3,859 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत सात रुपये चढ़कर 2,854 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। आटे की कीमत गत दिवस के स्तर पर रही।

दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। उड़द दाल औसतन 34 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल की कीमत 22 रुपये और चना दाल की 16 रुपये बढ़ी। मूंग दाल पांच रुपये चढ़ गई। वहीं मसूर दाल में 17 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा तीन रिंगिट की बढ़त में 4,046 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा 0.52 प्रतिशत टूटकर 57.24 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल और वनस्पति की औसत कीमत 101 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। पाम ऑयल 75 रुपये और सरसों तेल में 51 रुपये महंगी हुई। मूंगफली तेल में 14 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। सोया तेल के भाव लगभग गत दिवस से स्तर पर पड़े रहे। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। वहीं चीनी में टिकाव रहा। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7785.08 रुपये, मसूर काली 8104.70 रुपये, मूंग दाल 10132.57 रुपये, उड़द दाल 10628.72 रुपये, तुअर दाल 11085.05 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2853.84 रुपये और चावल 3859.09 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3317.20 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
- HEALTH WITH CARE -
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

मणिपुर हिंसा... आ चुके हैं, इसलिए वे स्थानीय हालात को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। कोर्ट ने केंद्र और मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि वे जस्टिस गीता मित्तल कमेटी की सिफारिशों को हर हाल में लागू करें। यह कमेटी पीड़ितों के पुनर्वास और उनके कल्याण के लिए बनाई गई थी। इस कमेटी में तीन पूर्व महिला जज शामिल हैं, जो अब तक पीड़ितों की मदद के लिए कई रिपोर्ट सौंप चुकी हैं। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। हजारों लोग बेघर हुए हैं और कई घायल हुए हैं। यह हिंसा तब भड़की थी जब मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। सुनवाई के दौरान पीड़ित की तरफ से पेश हुई वकील वृंदा ग्रोवर ने एक पीड़ित महिला का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि गैंगरेप की शिकार एक कुकी महिला की पिछले महीने सदमे और बीमारी से मौत हो गई। वकील ने आरोप लगाया कि सीबीआई ने चार्जशीट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और मुख्य आरोपी भी कोर्ट में पेश नहीं हो रहा है। उन्होंने जांच में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। इस पर सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि मणिपुर में अब हालात पहले से बेहतर और शांतिपूर्ण हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि पीड़ितों को मुफ्त कानूनी मदद मिलनी चाहिए। अगर स्थानीय स्तर पर वकील उपलब्ध नहीं हैं, तो गुवाहाटी बार से वकील भेजे जा सकते हैं। वहीं, वकील कॉलिन गोंसाल्वेस ने शिकायत की कि उन्हें कमेटी की रिपोर्ट नहीं मिल रही है, जिससे पुनर्वास का काम धीमा पड़ा है। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट में कुछ संवेदनशील जानकारी हो सकती है, इसलिए उसे सावधानी से साझा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले पर 26 फरवरी को अगली सुनवाई करेगा। कोर्ट ने जस्टिस गीता मित्तल कमेटी का कार्यकाल भी 31 जुलाई तक बढ़ा दिया है ताकि राहत कार्य जारी रह सके।

भारतीय पासपोर्ट... या ई-वीजा की सुविधा मिलती है। वीजा के लिए कम कागजी काम और कम इंतजार करना पड़ता है। विदेश घूमने, पढ़ाई करने या बिजनेस ट्रिप पर जाना आसान हो जाता है। यह दिखाता है कि दूसरे देश उस देश के नागरिकों पर भरोसा करते हैं। 2026 की रैंकिंग में सिंगापुर पहले स्थान पर है। सिंगापुर के पासपोर्ट से 192 देशों में वीजा-फ्री यात्रा की जा सकती है। दूसरे स्थान पर जापान और साउथ कोरिया हैं, जिनके नागरिक 187 देशों में बिना वीजा जा सकते हैं। तीसरे स्थान पर स्वीडन और यूएई हैं, जहां से 186 देशों में वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। चौथे स्थान पर बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड्स और नार्वे हैं, जिनके पासपोर्ट से 185 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा संभव है। पांचवें स्थान पर ऑस्ट्रिया, ग्रीस, माल्टा और पुर्तगाल हैं, जहां से 184 देशों में वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। छठे से दसवें स्थान तक न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और अमेरिका शामिल हैं। अमेरिका के पासपोर्ट से 179 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा की जा सकती है।

मेरे भाषण से संसदीय कामकाज पर टिप्पणी और प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना हटाई गई : खड़गे

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को सदन में कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा 'बिना किसी औचित्य के' कार्यवाही से हटा दिया गया, जिसमें उन्होंने संसदीय कामकाज पर टिप्पणियां और प्रधानमंत्री की चंद नीतियों की आलोचना की थी। शून्यकाल की समाप्ति के बाद खड़गे ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में उन्होंने सामाजिक न्याय से लेकर संसदीय तथ्यों पर अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा की वेबसाइट पर अपलोड किए गए भाषण की समीक्षा करने पर मैंने पाया कि मेरे भाषण का बड़ा हिस्सा बिना किसी औचित्य के हटा दिया गया है। ए वे हिस्से हैं, जिनमें मैंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में संसदीय कामकाज पर तथ्यों के साथ टिप्पणियां की हैं और प्रधानमंत्री की चंद नीतियों की आलोचना की है, जो नेता प्रतिपक्ष होने के नाते मेरा दायित्व भी है, क्योंकि मुझे लगता है कि वे नीतियां भारतीय जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। पांच दशक से अधिक के संसदीय जीवन में वह हमेशा भाषा की मर्यादा के प्रति सजग और सचेत रहे हैं। राज्यसभा के नियम एवं संचालन प्रक्रिया का नियम 261 केवल विशिष्ट और सीमित परिस्थितियों में ही लागू होता है। उन्होंने कहा कि जो टिप्पणियां हटाई गई हैं, उनमें कुछ भी असंसदीय नहीं है।

आध्यात्मिकता हमें मूलभूत मूल्य व नैतिक ढांचा प्रदान करती हैः मुर्मू

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां ब्रह्मा कुमारीज के अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा 'सशक्त भारत के लिए कर्मयोग' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रपति ने गुरुग्राम स्थित ओम शांति 'रिट्रीट सेंटर' के रजत जयंती समारोह का भी शुभारंभ किया। मुर्मू ने कहा कि संतुलित और समग्र विकास के लिए नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिकता का भौतिक प्रगति के साथ समन्वय आवश्यक है। आर्थिक प्रगति समृद्धि को बढ़ावा देती है और तकनीकी प्रगति नवाचार, दक्षता तथा प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है। ये एक समृद्ध राष्ट्र की नींव रखते हैं। किन्तु नैतिकता के बिना आर्थिक और

■ ओम शांति सेंटर के रजत जयंती समारोह का शुभारंभ किया

तकनीकी विकास समाज में असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। उदाहरण के लिए, अनैतिक आर्थिक प्रगति से धन और संसाधनों का केंद्रीकरण, पर्यावरण को क्षति तथा समाज के कमजोर वर्गों का शोषण हो सकता है। नैतिक मूल्यों के बिना प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्मिकता हमें मूलभूत मूल्य और नैतिक ढांचा प्रदान करती है, जो हमें कर्मयोग अर्थात निस्वार्थ सेवा का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करता है। आध्यात्मिकता सत्यनिष्ठा, करुणा, अहिंसा और सेवा जैसे गुणों पर भी बल देती है। ये एक शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक सिद्धांत हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजयोग की शिक्षा देता है। यह केवल एक स्थान पर बैठकर आत्मचिंतन करने तक सीमित नहीं है। कर्मयोग इसका एक मूलभूत अंग है। कर्मयोग का अर्थ है अपनी सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उच्च आध्यात्मिक सिद्धांतों का पालन करना। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ब्रह्मा कुमारीज से जुड़े लाखों लोग नियमित रूप से कर्मयोग का अभ्यास कर सार्थक जीवन जी रहे हैं।

नया मोबाइल न दिलाने से नाराज पत्नी ने की आत्महत्या

दो वर्ष के मासूम बेटे के सामने दे दी जान, परिवार में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ी सराय में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां एक विवाहिता ने कथित रूप से पति द्वारा नया मोबाइल फोन न दिलाने से आहत होकर अपने दो वर्षीय बेटे के सामने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे गांव में शोक और सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम खेड़ी सराय निवासी आशीष ने करीब तीन वर्ष पूर्व राधिका से प्रेम विवाह किया था। दंपती का एक दो वर्षीय पुत्र भी है। बताया गया कि

आशीष रोजगार की तलाश में कुछ समय से ओडिशा गया हुआ था। गुरुवार शाम को राधिका ने पति से नया मोबाइल फोन दिलाने की मांग की। आशीष ने अपनी आर्थिक मजबूरी बताते हुए उसके खाते में दो हजार रुपये भेज दिए, लेकिन राधिका दस हजार रुपये की मांग पर अड़ी रही। शुक्रवार को जब राधिका की सास प्रेमो जंगल में मजदूरी करने गई हुई थीं, उसी दौरान राधिका ने घर के अंदर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मासूम बच्चे के रोने की आवाज सुनकर पड़ोस की एक महिला घर में पहुंची और घटना की जानकारी होने पर शोर मचाया। इसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी रूपाली राव, थाना प्रभारी राजीव शर्मा तथा नायब तहसीलदार अजय कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई और मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शाहपुर मार्ग पर दुर्घटनाओं में जा रही हैं लोगों की जान

हाईवे पर भी लगातार हो रही दुर्घटनाएं, प्रशासन चिंतित

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। जनपद के हाईवे और अन्य मार्गों पर हो रही सड़क दुर्घटनाओं में शाहपुर मार्ग भी अछुता नहीं है। शाहपुर-बुढ़ाना मार्ग पर भी आए दिन भयानक हादसे हो रहे है जिसमें निर्दोष लोगों की जाने जा रही है। यह बात अलग है कि तेज रफ्तार वाहन के कारण हादसे हो रहे है, लेकिन अधिकतर दुर्घटनाएं अचानक ही हो रही है। गत दिवस भी शाहपुर क्षेत्र में एक भयानक हादसा हुआ जहां तेज गति ओर लापरवाही से आ रही डीसीएम की टक्कर से दो युवक गंभीर घायल हो गए जहां कुछ देर बाद ही एक युवक ने दम तोड दिया। इस मामले का मुकदमा पुलिस ने दर्ज कर लिया है। हादसों में लगातार हो रही मौतों में भले ही कार्यवाही हो रही है, लेकिन जिस व्यक्ति या युवक की जान गई वो दोबारा जिन्दा तो नहीं हो सकता। फिलहाल पुलिस प्रशासन को ही नहीं जिम्मेदार लोगों को भी दुर्घटनाएं रो. कने के लिए एक सफल कदम उठाना चाहिए।

बता दे कि बुढ़ाना शाहपुर मार्ग पर काफी समय से दुर्घटनाओं का मामला जारी है ओर गत दिवस भी धर्मेन्द्र पुत्र सुलतान सिंह निवासी ग्राम असोंदा जिला झझर हरियाणा ने पुलिस को एक तहरीर देते हुए बताया था कि ग्यारह फरवरी को वह अपने साथी नीरज पुत्र हरपाल के साथ अपने टैम्पू में हरिद्वार जा रहा था। जब वह कस्बा शाहपुर से होकर गुजर रहे थे तभीमौत बन कर गई तेज गति से डीसीएम ने उनके टैम्पू में जोरदार टक्कर मार दी इस भयानक टक्कर से उनका टैम्पू पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और जहां जिला अस्पताल से रैफर हुए नीरज की मौत हो गई। नीरज की मौत ओर उसके साथी की गंभीर हालत से दोनो परिवार में कोहराम मच गया था। बता दे कि कुछ दिन पूर्व भी शाहपुर मार्ग पर टैम्पू में सवार महिलाएं और बच्चों की हादसे में मौत हुई थी इसके अलावा भी तावली क्षेत्र में बाइक सवार किशोर की दुर्घटना में जान चली गई थी। अब तक शाहपुर क्षेत्र का आकडा उठाया जाए तो कई निर्दोष लोगों की जान चली गई है फिलहाल इस तरह हादसे रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ क्षेत्र के जिम्मेदार व्यक्ति या प्रतिनिधि को सफल कदम उठाना चाहिए जिससे लोगों की जान जाने से बच सके। पुलिस प्रशासन को यह भी चाहिए कि इस मार्ग पर सड़क हादसे होने के पीछे क्या कारण है? उधर हादसों की बात की जाए तो शाहपुर बुढ़ाना मार्ग पर ही नहीं बल्कि दिल्लीदेहरादून हाईवे मेरठ रोड पर भी आए दिन दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है। दिल्ली देहरादनू हाईवे का बिलासपुर कट तो दुर्घटनाओं का गढ़ बना हुआ है। यहां पर भी लगातार हादसों में दर्जन भर लोगों की जान चली गई। जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने हाइवे पर पडने वाले कटों का निरीक्षण कर उनका संज्ञान लिया। यातायात पुलिस ने दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नौ हेलमेट, नो हाईवे के जगह-जगह बोर्ड भी लगाए, लेकिन इसके बावुजूद भी दुर्घटनाएं लगातार हो रही है।

पेपर मिल में वेल्डिंग कर्मी की करंट से मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के भोपा रोड पर स्थित पेपर मिल में वैल्डिंग करते हुए करंट लगने से कर्मचारी की मौत हो गयी। जिसके बाद मिल के अधिकारियों व कर्मचारियों में अफरा तफरी मच गई। कर्मचारियों को जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे से उसके परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर आयी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

मध्यप्रदेश के पन्ना निवासी दुर्गेश भोपा रोड पर पेपर मिल में अपने कर्मचारियों के साथ वैल्डिंग का काम कर रहा था। शुक्रवार की दोपहर भी दुर्गेश फैक्ट्री में वेल्डिंग कर रहा था कि अचानक उसको तेज करंट लगा और उसकी हालत बिगड गई। घटना के बाद उसको जिला अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरो ने उसको मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद स्थानीय चौकी की पुलिस फैक्ट्री के बाद जिला अस्पताल पहुंची। और घटना की छानबीन की। जैसे ही यह खबर परिवार को लगी तो यहां कोहराम मच गया। उधर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरा और अग्रिम कार्यवाही भी शुरू कर दी है। अब पुलिस करंट लगने की वजह की छानबीन कर रही है।

मुजफ्फरनगर: तहसील सदर में पत्रावली चैक करते मण्डलायुक्त।

मुजफ्फरनगर: नगर पालिका का निरीक्षण करते कमिश्नर डॉ. रूपेश कुमार।

पत्रावलियों का समय से निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी: मंडलायुक्त

कलेक्ट्रेट, तहसील, पालिका व्यवस्था देखी

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। सहारनपुर मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार ने शुक्रवार को जनपद का दौरा कर कलेक्ट्रेट, तहसील सदर, नगर पालि. का परिषद और खंड विकास कार्यालय (बीडीओ) का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यप्रणाली में सुधार लाने और पत्रावलियों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया। यहां निरीक्षण के दौरान लंबित फाइलों के प्रकरण सामने आने के बाद कमिश्नर ने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी कार्यालय में फाइलों को लंबित न रखा जाए और जन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए।

निर्धारित समय से पूर्व पहुंचे मंडल आयुक्त को कलेक्ट्रेट परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया डीएम उमेश मिश्रा, अपरदन अधिकारी प्रशासन संजय सिंह, अपर जिला. धिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट पंकज सिंह राठौड़ सहित प्रशासनिक अफसरो ने बुके भेंट कर कमिश्नर का स्वागत किया।

सबसे पहले उन्होंने न्यायिक अनुभाग, नजारत, ईआरके कक्ष और रिकॉर्ड रूम की बारीकी से जांच की। रिकॉर्ड रूम की पुरानी और जर्जर इमारत को देखते हुए उन्होंने उसे सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं और जीपीएफ रिकॉर्ड को मानव संपदा पोर्टल पर तत्काल अपडेट करने तथा दस्तावेजों में किसी भी प्रकार की कटिंग न करने की हिदायत दी।

शिकायतकर्ताओं को फोन कर परखी अफसरों की कार्य प्रणाली

मुजफ्फरनगर। निरीक्षण के दौरान एक रोचक वाकया तब सामने आया जब कमिश्नर ने समाधान दिवस रजिस्टर से रैंडमली दो अज्ञात शिकायतकर्ताओं को फोन कर अधिकारियों के काम का फीडबैक लिया। फोन पर हुई बातचीत में एक पीड़ित ने प्रशासनिक कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया, जबकि दूसरे ने अधिकारियों पर काम टालने का आरोप लगाया। इस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए, वहीं, खंड विकास कार्यालय सदर में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में देरी पर सुधार लाने और कार्यालय की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार सिंह, अपर जिलाअधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार,अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुशील कुमार,नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश,उप जिलाधिकारी सदर प्रवीण कुमार द्विवेदी, तहसीलदार सदर राधेश्याम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका प्रज्ञा सिंह, जिला विकास अधिकारी दिग्विजय नाथ त्रिवेदी,खंड विकास अधिकारी सदर पटल सहायक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नगर पालिका की व्यवस्था पर संतुष्ट नजर आए कमिश्नर

मुजफ्फरनगर। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर उन्होंने प्रत्येक पटेल पर सामान्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिशासी अधिकारी डॉक्टर प्रज्ञा सिंह व टैक्स अधिकारी से वसूले जाने वाले टैक्स और राजस्व पर चर्चा करते हुए संतोष जताया। हालांकि गृहकर (हाउस टैक्स) और जलकर की वसूली के लक्ष्य की जानकारी लेने पर लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कम पाया मिलने पर उन्होंने इसमें वृद्धि के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने मार्च 2026 तक शत-प्रतिशत टैक्स वसूली का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए।

जन्म-मृत्यु पटल पर भी किया फोकस

मुजफ्फरनगर। वार्षिक निरीक्षण पर आए सहारनपुर मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार ने नगर पालिका निरीक्षण के दौरान जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और निर्माण अनुभाग के कार्यों को भी देखा। मंडल आयुक्त ने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र समय से जारी करने के निर्देश देते हुए पटेल से संबंधित शिकायतों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रकरण लंबित में रहे ऐसी व्यवस्था यहां होनी चाहिए। शपथपत्रों से बनने वाले जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र को जारी करने में देरी की शिकायतें भी समय से निस्तारित करने के आदेश देते हुए कमिश्नर ने जन्म मृत्यु पटल पर काम करने वाले कर्मचारियों पर कमिश्नर का खास फोकस रहा।

पुलिस कप्तान ने चौकीदारों को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने चौकीदारों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया। इस दौरान उन्होने चौकीदारों के लिए नए कदम उठाए है और चौकीदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए है। एसएसपी ने अच्छे कार्य करने वाले चौकीदारों को प्रोत्साहित करने के लिए उनको साइकिल तथा नगद पुरस्कार से सम्मानित किया तथा सभी को टॉर्च वितरित की गयी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने पुलिस लाइन स्थित हाल में जनपद के समस्त चौकीदारों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया।

इस दौरान एसएसपी ने चौकीदारों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों की समय पर सूचना पुलिस को उपलब्ध कराने आपराधिक प्रवृत्तियों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा थाना पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी सूचना तंत्र विकसित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होने चौकीदारों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि चौकीदार पुलिस एवं जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा उनकी सक्रियता से अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इस अवसर पर उन्होने अच्छे कार्य करने वाले चौकीदारों को शाबासी देने के साथ उनको साईकिल और टॉर्च देकर प्रोत्साहित किया। एसएसपी ने अच्छे कार्य करने वाले चोकीदारों को नगद पुरूस्कार भी दिया है। कार्यक्रम के दोरान एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ, सिद्धार्थ के0 मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक उदल सिंह सहित पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने उत्साह भरे माहौल में किया मतदान

आज होगा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। जिला बार संघ की नई कार्यकारिणी के लिए उत्साह भरे माहौल में मतदान हुआ। मतदान के बाद प्रत्याशियों की किस्मत मतपेटियों में बंद हो गई। शनिवार को होने वाली मतगणना में चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी। शुक्रवार सुबह साढ़े सात बजे चुनाव अधिकारी उदयवीर पोरियां, रियाज हत्तन राठी, हासानंद शर्मा, सत्येवर तोमर, ज्ञानेन्द्र वर्मा आदि की देख-रेख में फॅथम हॉल में मतदान शुरू हुआ, जो शाम पांच बजे तक चला। जिला बार संघ की नई कार्यकारिणी के लिए। अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शनिवार को मतगणना होगी।

शुक्रवार को मतदान स्थल परिसर से बाहर मौजूद प्रत्याशियों ने मतदाताओं से समर्थन देने की अंतिम अपील भी की। चुनाव मैदान में पांच ग्रुपों के किस्मत आजमाने के कारण चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हो पा रही है।शाम पांच बजे के बाद प्रत्याशियों की किस्मत मतपेटियों में बंद हो गई। शनिवार को मतगणना के साथ ही प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होगा।

मुजफ्फरनगर: जिला बार संघ के चुनाव में मतदाधिकार का प्रयोग करने पहुंचे अधिवक्ता।

मुजफ्फरनगर: मतदान स्थल के बाहर अपने प्रत्याशियों के पक्ष में अपील करते अधिवक्ता।

नवजात को फेंकने के मामले में मुकदमा दर्ज

पुलिस ने कलंकित मां को तलाशने के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाले

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मौहल्ला रामपुरी शाहबुद्दीनपुर रोड पर शमशान घाट के निकट झाडियों मे फेंकी गई नवजात को लेकर आज भी क्षेत्र के लोग गमगीन है, हालांकि सूचना के बाद मौके पर पहुंच पुलिस ने नवजात का पोस्टमार्टम करा दिया था और अब पुलिस को उस कलांकित मां की तलाश है जिसने अपने नवजात को जानवरों को खाने के लिए झाडियों में फेंका था। लोगों का कहना था कि मासूम को जिन्दा रहते यहां फेंका गया था और जानवरों के नौचने और खाने के बाद ही इस मासूम बच्ची की मौत हुई है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले को दर्ज कर कलांकित मां की तलाश शुरू कर दी है।

बता दे कि विगत दिवस रामपुरी शाहबुद्दीन मार्ग पर शमशान घाट के निकट झाडियों में नवजात बच्ची का शव मिला था। इसमें गम्भीर बात यह थी कि शव की क्षत-विक्षत दशा देखकर लोगों के दिल दहल उठे थे। इतना ही नहीं छानबीन और पंचनामे को भेजी पुलिसकर्मियों की भी क्षत-विक्षत शव से रूह कांप उठी थी। मौके पर मौजूद महिलाएं तो ऐसी कलांकित मां को कोशती नजर आई। इस बच्ची के अंतिम संस्कार तक गौ-रक्षक नीशू ने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

पुलिस को सूचना देने के बाद नीशू ने बच्ची को अपनी सुपुर्दगी में लिया और उसका अंतिम संस्कार किया। गौरक्षक नीशू ने एसपी सिटी को मिलकर इस मामले की पूर्ण जानकारी देते हुए उस मां के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की थी जिसने डायन को भी पीछे छोड दिया था और अपनी मासूम बच्ची को खुद ही मौत के मुंह में डाल दिया था। एसपी सिटी ने इस मामले की एक तहरीर ली और दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने दरोगा आशुतोष की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 91 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। तहरीर में बताया गया है कि नवजात बच्ची मृत अवस्था में कच्चे रास्ते पर पडी हुई मिली। जहां मौके पर भीड जमा थी और लोगों का कहना था कि बच्ची को कुत्ते नोंचकर खा रहे थे। और मौहल्लेवासियों ने भी जानवरों को भगाया था, हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि अंधेरे में किए गए पाप को छिपाने के लिए या फिर बेटी पैदा होने से खफा महिला व उसके सहयोगी ने उसको मौत के मुंह में डाला है।

सिखेड़ा में मनाई गई महाराजा सूरजमल की जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

मुज़फ्फरनगर। जनपद के ग्राम सिखेड़ा में भरतपुर के प्रख्यात शासक महाराजा सूरजमल की 129वीं जयंती हवन-पूजन के साथ श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन से हुआ, जिसके यजमान चौधरी राजवीर सिंह रहे। हवन के उपरांत आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने महाराजा सूरजमल के साहस, कुशल नेतृत्व और समाजहित में किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि महाराजा सूरजमल ने सदैव सामाजिक एकता और स्वाभिमान की राह दिखाई, जिसे आज भी अपनाने की आवश्यकता है।

गोष्ठी के बाद शिवसेना जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपील की कि इस वर्ष महाराजा सूरजमल की यात्रा, जो गत वर्षों की भांति निकाली जाती रही है, उसे स्थगित कर दिया जाए। उन्होंने बताया कि एनडीए के

घटक दल से जुड़े महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन के कारण शोक की स्थिति है। इस पर आयोजकों ने सहमति जताते हुए इस वर्ष प्रस्तावित रोड शो स्थगित करने की घोषणा की। बिट्टू सिखेड़ा ने कहा कि आगामी वर्ष महाराजा सूरजमल की जयंती पर क्षेत्र के प्रत्येक गांव में पूर्व की भांति भव्य यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सभी क्षेत्रवासियों का सहयोग लिया जाएगा।

कार्यक्रम में चौधरी राजवीर सिंह, चौधरी इकराम सिंह, चौधरी विनोद सिंह, उदयवीर सिंह, सुभाष पवार, चौधरी सूरज सिंह, नरेंद्र सिंह, कृष्ण पवार, बाबा एलू पवार, हिमांशु पवार, सचिन पवार, चौधरी गौतम सिंह, अजब सिंह तथा चेतन देव त्रिवकर्मा सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

बाइकों की भिड़ंत मे दो युवक घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। मोरना के नजदीक भोपा मार्ग पर दो बाइकों की भिड़ंत में बाइक सवार दो युवक घायल हो गये। पुलिस द्वारा घायलो को एम्बुलेंस की सहायता से अस्पताल भिजवाया गया।

भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना में भोपा मार्ग पर भटा तिराहे पर दो बाइको की भिड़ंत मे गांव ककरौली निवासी सोनू व गांव ककराला निवासी नितिन घायल गये।घायल सोनू के पैर मे गंभीर चोट आई है।घायल सोनू ने बताया की वह तिराहे पर भोपा की ओर से टर्न ले रहा था की पीछे दूसरे बाइक सवार ने उसकी बाइक मे टककर मार दी। मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक लालसिंह व उपनिरीक्षक सतेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल रोहित द्वारा घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से भोपा

के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुँचाया गया। पुलिस ने बाईक UP12 BB 2982 व UP 12AE 8182 को कब्जे मे लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

सीएमओ का सीएचसी खतौली पर औचक निरीक्षण

मरीजों से किया संवाद, अधिनस्थों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

शाह टाइम्स सवांददाता

खतौली। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खतौली का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीएमओ ने ओपीडी, इमरजेंसी कक्ष, वार्ड, लेबर रूम, दवा वितरण केंद्र, पैथोलॉजी तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से भी संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली और सेवा गुणवत्ता पर फीडबैक प्राप्त किया। निरीक्षण के दौरान परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या वर्मा के नेतृत्व में डॉ. चारू एवं डॉ. शिखा द्वारा कुल 56 महिला नसबंदी ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए। सभी ऑपरेशन निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संपन्न हुए। सीएमओ ने ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्थाओं, उपकरणों की उपलब्धता, स्वच्छता एवं संक्रमण नियंत्रण की

स्थिति की भी विशेष रूप से जांच की।

उन्होंने अस्पताल स्टाफ को निर्देशित किया कि स्वच्छता, दवाओं की उपलब्धता, अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण तथा मरीजों के प्रति संवे. दनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या वर्मा ने कहा कि परिवार नियोजन सेवाएं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और विभाग का प्रयास है कि पात्र लाभार्थियों को सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।वमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध कब्जे की शिकायत पर रोका निर्माण

मीरापुर। ग्राम मुझेड़ा सादात में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत के बाद राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। ग्राम निवासी तरन्नुम ने आरोप लगाया कि गांव मुझेडा सादात के कुछ लोगो ने खसरा संख्या 930 की सरकारी जमीन पर कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। साथ ही कब्रिस्तान की भूमि पर भी अतिक्रमण किए जाने की बात कही गई। शिकायत मिलते ही तहसीलदार श्रद्धा गुप्ता, नायब तहस. ीलदार अजय कुमार, कानूनगो संजीव कुमार और लेखपाल ओमबीर मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही आरोपित वहां से फरार हो गए। अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। तहसीलदार श्रद्धा गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जब तक भूमि की विधिवत पैमाइश नहीं हो जाती, तब तक किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोपित पक्ष को बुलाकर चेतावनी दी कि यदि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं आरोपितों का कहना है कि उनके पास संबंधित भूमि का बैनामा उपलब्ध है। तहसीलदार ने बताया कि सोमवार को राजस्व विभाग की टीम गठित कर मौके पर भेजी जाएगी, जो भूमि की पैमाइश कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करेगी। यदि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि होती है तो उसे कब्जामुक्त कराया जाएगा। कब्रिस्तान की जमीन की भी पैमाइश कर सीमांकन हेतु खंभे लगवाए जाएंगे।

घर में घुसकर छेड़खानी का आरोप

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के मौहल्ला सुभाषनगर सरवट फाटक के निकट रहने वाली मंतशा पुत्री आस मौहम्मद ने मुख्यमंत्री शासन प्रशासन को एक शिकायत भेजकर अपनी पीडा सुनाई है। पीड़िता का कहना है कि उसकी उम्र 17 वर्ष है और 27 जनवरी को शाम चार बजे वह घर में अकेली थी। आरोप लगाया कि प्रवेज पुत्र अनवार निवासी ग्राम रथैडी व मरजीना पुत्री कुदरत अली निवासी गढ़ी उसके घर आ पहुंचे। पीडिता का कहना है कि उनके साथ एक अज्ञात युवक भी था। मंतशा ने यह भी आरोप लगाया कि उनके साथ आई युवती गेट पर खडी हो गई और प्रवेज और अज्ञात युवक ने बुरी नियत से उसके साथ छेडखानी शुरू कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसके कपडे फाड डाले। पीडिता ने दुष्कर्म के प्रयास का भी आरोप लगाया है। शिकायत कर्ता ने तहरीर में यह भी बताया कि पास में ही रहने वाली महिला और लोगों ने उसकी जान बचाई। महिला ने दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि आरोपी पक्ष कभी भी उसको जानी माली नुकसान पहुंचा सकते हैं। शिकायतकर्ता मंतशा ने बताया कि वह गरीब परिवार से है और उसके साथ कभी भी अनहोनी हो सकती हे। पीडिता ने आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही की मांग करते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है।

मदरसे में सालाना जलसे का आयोजन

मीरांपुर। कस्बे के मदरसा इस्लामिया जन्नत निशा में सालाना जलसे का आयोजन धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर मदरसे के दो बच्चों द्वारा कुरान शरीफ मुकम्मल करने पर उनकी दास्तारबंदी की गई, जिससे कार्यक्रम का माहौल भावुक और आध्यात्मिक बन गया। दास्तारबंदी शान मोहम्मद और फैजान की कराई गई तथा उनकी तरक्की और कामयाबी के लिए विशेष दुआ की गई। जलसे में देवबंद से आए उलेमाओं ने शिरकत की। मौलाना फरीदुद्दीन, मौलाना सरताज, मौलाना मुजीबुर्रहमान, मौलाना मोहम्मद हसन और मुफ्ती जुनैद ने अपने बयानों में इस्लामी तालीम, अच्छे अखलाक और सही रास्ते पर चलने की नसीहत दी। उलेमाओं ने कहा कि बच्चों को दीनी तालीम के साथ-साथ समाज और देश के लिए जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए। उन्होंने देश के प्रति वफादारी निभाने और देश की तरक्की में सकारात्मक योगदान देने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों की हौसला अफजाई की गई। जलसे में मदरसा अध्यक्ष मेराजुद्दीन, मैनेजर सिराजुद्दीन, जमील अहमद, हाजी सत्तार, हाजी अय्यूब, मुन्ना ठाकुर, जावेद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर मौलाना फरीदुद्दीन ने देश में अमन, सुकून, भाईचारे और खुशहाली के लिए सामूहिक दुआ कराई।

सिद्धपीठ मंदिर में भागवत पुराण14 को

मीरापुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सिद्धपीठ पंचमुखी महादेव मंदिर सम्भलहेडा में श्रीमद भागवत महापुराण कथा का आयोजन 14 फरवरी से होगा। सिद्धपीठ पंचमुखी महादेव मंदिर सम्भहेडा पुजारी अंकज शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि के पर्व पर मंदिर परिसर में 14 फरवरी से 20 फरवरी तक प्रतिदिन 2 बजे से 5 बजे तक श्रीमद भागवत महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथाव्यास के रूप में वृंदावन धाम के आशीष माधव प्रवचन करेंगे। इन्होने बताया कि प्रतिदिन प्रात: 9 बजे रूद्राभिषेक तथा 11 बजे रूद्र महायज्ञ का आयोजन होगा। सांयकाल भगवान शंकर की 5:30 पर बनारसी आरती की जायेगी। उधर मीरापुर के चौक बाजार में कावडियों के सेवा के लिए लगाये गये शिविर में कावडियों का आगमन होने से वातावरण शिवमय हो गया है। उसी दिन कावडिये अपने अपने क्षेत्र के शिवालयो में जलाभिषेक करेंगे।

वेलेटाइन-डे पर क्रांति सेना का पहरा, दिए नोटिस

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। क्रांति सेना की महिला जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी ने अपनी महिला पदाधिकारियों ओर सदस्यों के वेलेंटाइन डे के विरोध में शहर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के कमल प्लाजा में व नई मंडी थाना क्षेत्र में क्विकर्मा चौक पर होटलों रेस्टोरेंट मालिकों को कल के लिए नोटिस थमाए ओर सहयोग करने का निवेदन किया। साथ ही कहा कि कल अगर कोई भी नाबालिक युवती व युवक आप के रेस्टोरेंट व होटल में वेलेंटाइन डे मनाता पकड़ा गया तो जिम्मेदार स्वयं होंगे। वहीं इस दौरान बिट्टू सिखेड़ा सहित अन्य पदा. धिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान रेस्टोरेंट व होटलों में हड़कंप मचा रहा।

नवाबी शौक में साइबर अपराध, चरथावल क्षेत्र रडार पर, खातों को खंगाल रही साइबर सेल

शाह टाइम्स संवाददाता

चरथावल। साइबर अपराध को लेकर बड़ा खुलासा होने के संकेत मिल रहे हैं। चरथावल क्षेत्र का कुटेसरा गांव मुस्लिम बाहुल्य गांव साइबर सेल के रडार पर है। खातों की डिटेल खंगाली जा रही है जिससे साइबर अपराध को लेकर एक और बड़ा खुलासा हो सकता है। आपको बता दें हाल ही में मुजफ्फरनगर साइबर क्राइम थाना द्वारा करीब 85 करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन का खुलासा करते हुए 50 हजार रुपये के इनामी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार आरोपियों में चरथावल थाना क्षेत्र के कुटेसरा निवासी नदीम पुत्र मेहरबान और गुफरान पुत्र मुस्तफा शामिल हैं। दोनों पर म्यूल बैंक खातों के जरिए ठगी की रकम निकलवाने और कमीशन पर खाते उपलब्ध कराने के गंभीर आरोप हैं। इसके अलावा सुजडू निवासी मयूर अफजल राणा पुत्र नौशाद राणा को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। **'परिवार की पृष्ठभूमि जीरो अवैध कार्यों मे लिप्त होकर अवैध लाभ अर्जित कर बनते है हीरो '**जल्दी अमीर बनने की चाह और दिखावे की जिंदगी का खुमार कुछ युवाओं को सीधे साइबर अपराध की दलदल में धकेल रहा है। घर की आर्थिक स्थिति भले ही कमजोर हो, लेकिन अवैध कमाई से 'हीरो' बनने का शौक कई परिवारों को बर्बादी की ओर ले जा रहा है।' फिलहाल अब चरथावल क्षेत्र साइबर सेल के रडार पर है। खातों की डिटेल खंगाली जा रही है, संदिग्ध ट्रांजेक्शन और डिजिटल अरेस्ट जैसे स्कैम की परतें खोली जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो इस नेटवर्क में और भी नाम सामने आ सकते हैं। सवाल बड़ा है, क्या कुछ युवा मेहनत की राह छोड़कर शॉर्टकट की अंधी दौड़ में खुद और अपने परिवार का भविष्य दांव पर लगा रहे हैं? जांच मे आगे बड़ा खुलासा हो सकता है कड़ी से कड़ी जोड़कर हो सकता है बड़ा खुलासा, क्षेत्र मे जहाँ युवाओं द्वारा इस गोरखधंधे को अपनाया गया है वही परिवार की हालत और युवाओं के अवैध खर्चों ने क्षेत्र के युवाओं को इस धंधे की लत लगाई गयी है और अवैध खर्चो की चाह ने इस अपराध को अंजाम देने की लत लगाई गयी है इस मामले मे कड़ी दर कड़ी बड़ा खुलासा होने की आशंका है। **इस बड़ा अपराध पुलिस फिर भी मोन** आखिरकार इतना बड़ा क्षेत्र मे गिरोह चल रहा था बावजूद इसके पुलिस को कुछ भी खबर न होना बड़े सवालों को जन्म दे रहा है

संबंध विच्छेद सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र गुलफाम व इसकी पत्नी गुलफ़सा अपने ससुराल वालो के कहने सुनने में है जो कि किसी गलत संगति में पड़ गए है,जिस काम को मैं इन्हें करने से मना करता हु, उसी काम को करते है, ये दोनों मिलकर मेरे और मेरी पत्नी के साथ मारपीट भी करते हैं। आज के बाद गुलफाम व इसकी पत्नी गुलफ़सा द्वारा किसी भी दीवानी या फौजदारी कृत्य या अन्य किसी भी कृत्य के लिए मेरी या मेरे परिवार के सदस्य की जिम्मेदार नहीं है, ये दोनों अपने कृत्य के स्वयं जिम्मेदार होंगे। आज के बाद हमारी चल-अचल संपत्ति से इनका कोई लेना देना नहीं है हम दोनों के साथ अपना हर तरह का रिश्ता व सम्बन्ध विच्छेद करते है। इन दोनों के साथ हमारा किसी भी तरह का रिश्ता व सम्बन्ध नहीं है ओर आगे भी नहीं होगा।

लतीफ पुत्र रसीद
निवासी-186 ग्राम बघरा
थाना तितावी जिला मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति नफीस पुत्र स्व. इकराम निवासी ग्राम पलड़ा थाना शाहपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा मुझे दिनांक-26.11.2025 समय रात्रि 09 बजे मेरी ही उपस्थिति में मुझे तीन बार तलाक, तलाक, तलाक दे दिया है और इससे पहले भी मेरा पति मुझे कई बार तलाक दे चुका है। जिसको साक्ष्य के रूप में, मैं स्वंय स्वीकार करती हूं और मेरे पास सबूत के तौर पर कुछ वीडियों और ऑडियो भी है जो मेरे तलाक-ए-हाल को बयान करती हैं इसके पश्चात् मेरा मेरे पति से किसी प्रकार का कोई भी वैवाहिक सम्बन्ध नहीं रहा है, अब मैं नफीस की तलाकशुदा पत्नी हूं।

श्रीमति शबाना पुत्री अमीरूदीन
निवासी- मौहल्ला मुन्नालाल
कस्बा व थाना मवाना
जिला मेरठ।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक प्लॉट स्थित आहता नगर पालिका नं0-2 का जुज भाग स्थित मौहल्ला खालापार मुजफ्फरनगर रकबई 40.128 वर्गमीटर जिसके पूरब मे रास्ता गली 9 फिट चौडी, पश्चिम मे रास्ता 12 फुट 1.5 ईन्च चौडा, उत्तर मे गोदाम नैय्यर व दक्षिण मे सम्पत्ति सलीम आदि है, को जावेद पुत्र अब्दुल रजाक निवासी मार्फत हाजी बाबु मकान नं0-1076/1 खालापार मीनाक्षी चौक मुजफ्फरनगर स्वयं को बजरिये बैनामा दिनांकित 27-02-2025 मालिक व काबिज होना जाहिर करता है। जबकि उक्त जावेद पुत्र अब्दुल रजाक उक्त सम्पत्ति का मालिक नही है जिसके विषय मे मूल वाद संख्या-857 सन 2025 तहसीन अहमद व अन्य बनाम जावेद पुत्र अब्दुल रजाक मेरे मुवक्किलान ने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा का माननीय न्यायालय सिविल जज (सी.डि.) मुजफ्फरनगर मे दायर किया हुआ है जो न्यायालय सिविल जज (सी. डि.) कोर्ट नं0-1 मु.नगर मे विचाराधीन है। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध मे जावेद पुत्र अब्दुल रजाक विभिन्न बैंको से लोन लेने के प्रयास मे है एवं उक्त सम्पत्ति को किसी दीगर व्यक्ति को ट्रांन्सफर करने की फिराक मे भी है। अत: इस सार्वजनिक नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर कोई बैंक उक्त सम्पत्ति पर जावेद पुत्र अब्दुल रजाक के नाम कोई ऋण जारी करता है या कोई व्यक्ति उक्त जावेद पुत्र अब्दुल रजाक से उक्त सम्पत्ति का बैनामा कराता है तब ऐसा कराया गया बैनामा कानूनन शून्य होगा और बैंक के द्वारा जारी किये गये ऋण की अदायगी की कोई जिम्मेदारी उपरोक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध मे मेरे मुवक्किलान के मालिकाना हकूक को प्रभावित नही करेगी। दिनांक 13.02.2026 **नोटिस देहंदा द्वारा**
योगेन्द्र कुमार एडवोकेट, चैम्बर नम्बर 21 सिविल बार कम्पाउंड,
मुजफ्फरनगर मो. 9837285530

दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के गांव बसी कलां में दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का शुक्रवार की देर सायं समापन हो गया। जिसका समापन दंगल के मुख्य अतिथि समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डाक्टर सत्येंद्र पाल के द्वारा हजारों लोगों की मौजूदगी में किया गया। वरिष्ठ सपा नेता डॉक्टर सत्येंद्र पाल ने आखिरी मुकाबले के दौरान कुश्ती शुरु होने से पहले दोनों पहलवानों से हाथ मिलाए और उनका परिचय लिया। डाक्टर सत्येंद्र पाल ने बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि यह कुश्ती प्रतियोगिता ना केवल मनोरंजन का माध्यम है बल्कि आपसी भाईचारे और खेल भावना को भी मजबूती देता है। कुश्ती का यह खेल शारीरिक मजबूती के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी विकसित करते हैं।

पहलवानों की मानसिक व शारीरिक फिटनेस बनाए रखने में ऐसे आयोजनों महत्वपूर्ण होते हैं। यहां अखाड़े में पहलवान बिलाल गंगेरू, आदर्श, सलमान लोनी व साहिल हरिद्वार आदि पहलवान उतरे। पहलवान अनस लोनी, आजम बघरा व राम शाहपुर कुश्ती में बराबर रहे। सपा नेता डाक्टर सत्येंद्र पाल ने दंगल कमेटी को अपनी ओर से 21 हजार रूपये का इनाम दिया। यहां अकरम खान सपा बुढाना विधानसभा अध्यक्ष, साहिब अंसारी पूर्व बुढाना विधानसभा अध्यक्ष छात्र सभा, पुष्पेंद्र बालियान, उस्मान चौधरी, सलीम चौधरी, देवेंद्र बालियान, जितेंद्र बालियान, देवेंद्र कश्यप आदि लोग भी उपस्थित रहे।

एसडी मैनेजमेंट स्टडीज़ में क्रिकेट टूर्नामेंट उत्साहपूर्वक संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। एस.डी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ में आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन भी खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह एवं खेल भावना देखने को मिली। बीसीए एवं बी.एससी. द्धसी.एस.ऋ विभागों के मध्य चल रही इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दूसरे दिन खेले गए मुक. ाबलों में दोनों टीमों ने शानदार बल्लेबाजी और सुखद्ध गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के बेहत. रीन समन्वय और अनुशासित खेल ने मैच को अत्यंत रोमांचक बना दिया। मैदान में उपस्थित प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे पूरे परिसर में खेलमय वातावरण बना टूर्नामेंट के दूसरे दिन बीसीए 'सी टीम ने टॉस जीतकर

बी.एससी. (सी.एस.) टीम को पहले बल्लेबाजी करने का अवसर दिया। बी.एससी. (सी.एस.) टीम ने निर्धारित ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 121 रन बनाए और बीसीए 'सी' - टीम के सामने 122 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीसीए ईसीश टीम बी.एससी. (सी.एस.) टीम की सशक्त गेंदबाजी और सटीक क्षेत्ररक्षण के सामने टिक नहीं सकी। अंतत: बी.एससी (सी.एस.) टीम ने 61 रनों से शानदार जीत दर्ज की। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से मैच अत्यंत रोमांचक रहा और दर्शकों ने भरपूर उत्साह के साथ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर बीबीए विभाग से, श्री राजीव पाल सिंह एवं दीपक गर्ग, मोहम्मद अंजर, संजय उपस्थित रहे। वहीं बीसीए एवं बी. एससी. (सी.एस.) विभाग से डॉ संजीव तायल, देवेश भारद्वाज, निरंकार शर्मा, हीमांशु शर्मा, मोहित गोयल, हर्षिता, अनुज गोयल, हर्षित गोयल, रजत शर्मा रोबिन मलिक, पवन बालियान, शशांक भारद्वाज भी मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

मैच के आयोजक रोहन त्यागी एवं खेल अधिकारी लवी वर्मा मैडम की देखरेख में प्रतियोगिता का संचालन अनुशासन एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न हुआ। टूर्नामेंट के दूसरे दिन के रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का उत्साह चरम पर बनाए रखा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने किया नगर का भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने शुक्रवार को नगर का भ्रमण कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया इसदौरान उनके साथ अधीनस्थ अधिकारी मोजूद थे। और उन्होन अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनपद के पुलिस मुखिया ने नगर का भ्रमण किया। उन्होने इससे पहले अधिनस्थों के साथ बैठक की और क्षेत्र का भ्रमण करते हुए यहां की सुरक्षा व्यवस्था को परखा।

एसएसपी ने भ्रमण के दौरान प्रमुख बाजारों, संवेदनशील व सार्वजनिक स्थानों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त कर ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए स्पष्ट करते हुए नगर की सुरक्षा

व्यवस्था को परख कर आवश्यक कदम उठाए। उन्होने संदिग्ध व्यक्ति और संदिग्ध वाहनों की चैकिंग के भी आदेश दिए। एसएसप ने कहा कि यातायात व्यवस्था को भी सूचारू बनाया जाए। उन्होने मुख्य मार्ग और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग और नागरिकों की समस्याओं के निस्तारण के आद. ेश भी दिए। उन्होने कहा कि कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था उनकी पहली प्राथमिकता है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ रुड़की रोड स्थित हिमालयन पब्लिक स्कूल में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने संयुक्त रूप से किया। दोनों अतिथियों ने विद्यालय के बच्चों को एल्बेंडाजोल दवा खिलाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अंतर्गत जनपद मुजफ्फरनगर के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमिनाशक दवा

एल्बेंडाजोल खिलाई जा रही है। 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड के तहत दवा खिलाई जाएगी।डॉ. सुनील तेवतिया ने अभिभावकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि एल्बेंडाजोल दवा पूरी तरह सुरक्षित है और स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार दी जा रही है। यह दवा बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने में सहायक है और उनके समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। सीएमओ ने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों में एनीमिया, कुपोषण और कमजोरी का प्रमुख कारण बनता है। ऐसे में इस अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

श्री दीवान सिंह स्कूल तितावी मुजफ्फरनगर में मनाया आशीर्वाद समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। एसडीएस पब्लिक स्कूल तितावी में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं का आशीर्वाद समारोह एवं फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया स मिस फेयरवेल कक्षा 12 कॉमर्स से कुमारी अपूर्वा एवं मिस्टर फेयरवेल कक्षा 12 साइंस से कृषपाल को चुना गया स

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं श्री गणेश स्तुति से किया गया स मुख्य अतिथि विद्यालय के निदेशक डॉ विपिन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को उनकी आगामी इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निरंतर प्रयास, कठिन परिश्रम, स्व अनुशासन के माध्यम से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है विद्यालय के अधिशासी समन्वयक श्री प्रवीण पुंडीर जी ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए एकाग्रता और निरंतर मेहनत पर जोर दिया स निरंतर प्रयास, ईमानदारी एवं मेहनत के बल पर ही कोई भी लक्ष्य विद्यार्थी प्राप्त कर सकते हैं कक्षा 12 के उपरांत ट्रेडिशनल कोर्स एवं प्रोफेशनल कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकते हैं।कक्षा बारह के छात्रों की प्रतिभा और प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कई विजेताओं का चयन किया गया। फेयरवेल पार्टी में छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव

शेयर किया एवं बताया की हमने कभी नर्सरी क्लास में इस विद्यालय में प्रवेश लिया था और आज हम कक्षा 12 के बाद इस विद्यालय को छोड़ रहे हैं स विदाई समारोह में कई छात्र भावुक भी हो गए। इस अवसर पर दीवान सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य तरसपाल पुंडीर पीटी उषा इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य उषा सिंह एवं विद्यालय के उप प्रधानाचार्य अमरपाल सिंह ने कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया स कार्यक्रम में कक्षा 12 एवं 11 के समस्त छात्र एवंछात्राएं और स्टाफ उपस्थित रहा कार्यक्रम के उपरांत कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया।

अतिक्रमण बता दुकानों को तोड़ने का मामला

उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने वारंट किया जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। कस्बा बुढ़ाना की कुरैशियों वाली पुलिया पर नगर पंचायत बुढ़ाना के द्वारा निर्मित की गयी दुकानों को विगत दिवस नगर पंचायत द्वारा ही अतिक्रमण बताकर ध्वस्त कर देने और दुकानदारों के द्वारा मांगे जाने वाले मुआवजा प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा नगर पंचायत अधिकारी के वारण्ट जारी किये गये। बीते वर्ष 1996 में नगर पंचायत बुढ़ाना द्वारा कुरैशियों वाली पुलिया पर लगभग 07 दुकानों का नगर पंचायत की ओर से निर्माण कराया गया था।

जिसको प्रिमियम लेकर तथा प्रतिमाह किराया तय करके राम गोपाल सैनी, अमित सैनी, मतलूब कुरैशी, मौहम्मद कुरैशी, इरफान उर्फ फानू कुरैशी और बाबू अहमद आदि लोगों को दुकानों को आवंटित किया गया था परन्तु वर्ष 2017 में नगर पंचायत बुढ़ाना के द्वारा उक्त दुकानों को अतिक्रमण बताया जाने लगा तथा उसी वर्ष में इन समस्त दुकानों को बुलडोजर लगाकर धवस्त कर दिया गया था और ना तो इन दुकानदारों को कोई दुकानें दी गयी और न ही कोई मुआवजा दिया गया और इन समस्त दुकानदारो की प्रिमियम की धनराशि लगभग 15 लाख रूपये नगर पंचायत कोष में जमा हैं। स्थानीय स्तर पर एवं जिला स्तर पर एहतशाम सिद्दकी एडवोकेट के नेतृत्व में आवाज उठायी गयी और पत्राचार किया गया परन्तु इस ओर नगर पंचायत बुढाना एवं प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया। नगर पंचायत बुढाना एवं स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली के विरूद्ध एक याचिका पीडित दुक. नदारों के मुआवजा लेने के लिए माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में रिट योजित की गयी जो कि लगभग डेढ़ वर्ष से नगर पंचायत बुढाना की उदासीनता के कारण लम्बित चली आ रही थी।

शुक्रवार को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा नगर पंचायत बुढाना की कार्यशैली को देखते हुए नगर पंचायत बुढाना के अधिकारी के विरूद्ध वारण्ट जारी किये गये हैं तथा वारंट की कार्यवाही के लिए सम्बन्धित मुख्य न्यायाधीश को निर्देशित किया गया है तथा अगली डेट माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आगामी 30 मार्च नीयत की गयी है।

एसडीएम ने तहसील का किया निरीक्षण

बुढ़ाना। नये एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा ने चार्ज संभालते ही शुक्रवार के दिन बुढ़ाना तहसील परिसर में स्थित सभी कार्यालयों का निरीक्षण कर अपने अधीनस्थ अधिकारी व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उन्होंने कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने पारदर्शिता, जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण और अनुशासित कार्य को भी अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने ये भी साफ किया कि जनता को अपनी समस्याओं के लिए अनावश्यक रूप से तहसील के चक्कर न काटने पड़ें। उनकी मुख्य प्राथमिकता ये भी है कि सभी शिकायतें तय समय सीमा के भीतर निस्तारित हों और किसी भी फरियादी को परेशान ना किया जाए।

जनप्रतिनिधि नहीं निकले किसी भी काम के....

खुद ग्रामीणों ने जौला को चमकाने का कार्य किया शुरु

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। ब्लाक बुढ़ाना क्षेत्र के गांव जौला में कई दिनों से हजारों ग्रामीण खुद ही पूरे गांव में जगह जगह टोलियां बनाकर साफ सफाई कर रहे हैं। जन प्रति. निधियों के खोखले दावों से आजिज होकर ग्रामीणों ने एक बड़ी सामूहिक पंचायत कर यह निर्णय इसी माह लिया था कि वे अब खुद ही गांव में साफ सफाई करके इस देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को किसी भी सूरत में पलीता लगाने नहीं देंगे और आज इस अभियान को पूरे 13 दिन हो गये हैं। जिसमें रोजाना हर मौहल्ले में हजारों ग्रामीण निकम्मे सफाई कर्मचारियों को दर किनार खुद ही ट्रेक्टर ट्रोलियों से गलियों में फैली गंदगी को दूर करने का सफल प्रयास कर रहे हैं। यह अभियान शायद इस जिले में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में सिर चढ़कर बोल रहा है और गांव स्वच्छ रहे इसके लिए गांव के मास्टर रईस खाकसार व मास्टर रामकुमार के संयुक्त नेतृत्व में शुक्रवार के दिन पूरे गांव में कई स्कूलों के हजारो बच्चों को साथ लेकर स्वच्छता जागरुकता अभियान को लेकर एक विशाल रैली भी निकाली गयी। जिसमें बच्चों ने अपने हाथों में स्वच्छता संबंधी नारे लिखी तख्तियां लेकर ग्रामीणों को साफ सफाई के लिए जागरुक किया। जिसमें गांव जौला के कई सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियो और सदस्यों ने हजारों की संख्या में जौला के पूर्व प्रधान बाबा मुन्ना के नेतृत्व में बड़े बिजलीघर से रैली का शुभारंभ किया। स्कूली बच्चों ने नारो की तख्तियां पकडकर जोरदार नारों के साथ गली मोहल्ले वालों को जागरूक किया। रैली में मास्टर यामीन, मुफ्ती आजाद, मास्टर रिजवान, कारी फरमान, डॉक्टर हुसैन, डॉक्टर रिजवान, अब्दुल जब्बार, रहीस भड़ाना, गुलरेज राणा एडवोकेट, इसराइल चेयरमैन, राशिद राणा, राव आमिर पुंडीर, बाबा ठाकुर ठाठ सिंह व जीशान अहमद सहित अन्य सैंकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

नपं अध्यक्षा को बदनाम कर रहे कुछ सफाई कर्मचारी

बुढ़ाना। नगर पंचायत बुढ़ाना के कुछ सफाई कर्मचारी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को पलीता लगाते हुए बुढ़ाना नगर पंचायत की अध्यक्षा को बदनाम करने के उद्देश्य से वार्ड नंबर 11 और वार्ड नंबर 16 में सफाई करने में किसी भी तरह की दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। बस हर दूसरे तीसरे दिन सफाई करने के नाम पर खानापूर्ति करने में लगे हैं। शुक्रवार की सुबह वार्ड नंबर 11 के नागरिक उस समय अवाक रह गये जब उनको आज पांचवें दिन भी अपनी गली साफ नहीं मिली क्योंकि यहां के सफाईकर्मी पांच दिन से सफाई करने नहीं आ रहे। जिसके चलते गलियों मे सफाई कर्मियों के ना आने से कूड़े के ढेर लग गये हैं और आते जाते लोग और मौहल्ले वासी इसको लेकर बहुत ही परेशान दिखाई पड़ रहे हैं। यही हाल वार्ड नंबर 16 की गलियों का हैं जहां पर सफाई कर्मचारी सही तरीके से नालियों की सफाई नही करते। बस खानापूर्ति कर चलते बनते हैं। जब इस बात की शिकायत बुढ़ाना नगर पंचायत की अध्यक्षा के प्रतिनिधी अभिनव वशिष्ठ से की गयी तो उन्होंने इसका तुरंत संज्ञान लेते हुए दोनों वार्डों में सफाई करवाई। चर्चा है कि अध्यक्षा उमा त्यागी तो सफाई के प्रति पूरी गंभीर हैं लेकिन कुछ सफाई कर्मचारी अध्यक्षा को बदनाम करने के उद्देश्य साफ सफाई में कोई भी दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। अध्यक्षा का कहना है कि अगर किसी वार्ड में सही तरीके से सफाई नही हो रही हे तो तुरंत उनको बताया जाए। वे इसका संज्ञान जरुर लेंगी।

शोभायात्रा के बाद श्री राम मंदिर होली चौक में भोलेनाथ, नंदी व कुबेर की प्राण प्रतिष्ठा

शाह टाइम्स सवांददाता

खतौली। श्री राम मंदिर होली चौक, खतौली में भगवान भोलेनाथ की पिंडी रूप, नंदी महाराज तथा कुबेर भगवान की नगर शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। मंदिर के पुजारी द्वारा मंत्रों के उच्चारण के बीच भगवान की मूर्तियों को विधि-विधान से विराजमान कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के प्रधान अनिल मेहता व मोहित रचित मेहता ने परिवार सहित किया। पिछले पांच दिनों से चल रही विशेष पूजा-अर्चना के समापन पर शुक्रवार को प्रभु की विधिवत स्थापना की गई। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नगर शोभायात्रा में भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान भक्तों ने भक्ति गीतों के साथ प्रभु का गुणगान किया। जगह-जगह कलश यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। श्री राम मंदिर महिला मंडल व होली चौक मोहल्ला निवासियों द्वारा प्रभु नाम कीर्तन किया गया। महिला श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति कार्यक्रम का आकर्षण रही। मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत प्रभु की मंगल आरती उतारी गई तथा श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम में श्री हरबंस लाल अरोरा, अनिल मेहता, डॉ. अरुण मेहता, सुखदेव छाबड़ा, अंकित अरोरा, राजकुमार नारंग, अशोक रहेजा, मनोज छाबड़ा, सूरज छाबड़ा, मदन छाबड़ा, दीपक रहेजा, मदनलाल रहेजा, मुकेश रहेजा, दर्शन लाल अरोरा, संजीव मेहता, विजय मेहता, राजन नारंग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सहयोग रहा। युवा कमेटी के सदस्यों में संयम नारंग, काके शर्मा, माधव रहेजा, राजीव रहेजा, केतन नारंग, जतिन नारंग, कशिश लवी शर्मा, सागर लोहिया व पार्थ छाबड़ा ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं की उपस्थिति और भक्ति भाव से कार्यक्रम भव्य एवं सफल रहा।

क्राइम इंस्पेक्टर ने तीन लोगों के चेहरे खिलाए

फ्रॉड करके निकाली गई धनराशि कराई वापस

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। कोतवाली बुढ़ाना में तैनात क्राइम इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह ने अपनी सफल मेहनत के जरिए उन तीन लोगों के चेहरे खुशी से खिला दिए जिनके खातों से विगत दिवस धोखाधड़ी से 71 हजार रुपये गायब हो गये थे। तीनों पीड़ितों ने क्राइम इंस्पेक्टर को इसके लिए धन्यवाद किया है।

पहली घटना सोएब पुत्र जमील निवासी बुढ़ाना के साथ विगत दिवस हुई थी। जिसमें साइबर क्राइम के तहत ठगों ने उसके खाते से 36 हजार रुपये की धनराशि साफ कर दी थी। दूसरी घटना मुर्शिदा बेगम निवासी मौहल्ला खाकरोबान बुढ़ाना के साथ विगत दिवस हुई थी। जिसमें उसके खाते से 05 हजार रुपये की नगदी साफ हो गयी थी। तीसरी घटना बुढ़ाना कस्बे की मास्टर कालोनी के निवासी संजीव शर्मा के साथ विगत दिनों हुई थी। जिसमें उनके खाते से 30 हजार रुपये की नगदी साफ हो गयी थी।

बुढ़ाना कोतवाली में साइबर हैल्प डेस्क पर जब इन तीनों शिकायतों का प्रार्थना पत्र आया तो क्राइम इंस्पैक्टर कर्मवीर सिंह ने अपने पुराने अनुभवों के आधार पर सफल प्रयास करते तीनों पीड़ितों के बैंक के खाली खाते फिर से भर दिए और तीनों पीड़ितों के चेहरे पर मुस्कान ला दी।

शुक्रवार के दिन तीनों पीड़ितों को बुढ़ाना कोतवाली में बुलवाकर उनकी धनराशि उनके खातों में वापस भिजवा दी। क्राइम इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह ने तीनों पीड़ितों के साथ साथ आम नागरिकों से भी जनहित में अपील करते हुए कहा कि प्रलोभन में आकर वे किसी भी अंजान लिंक पर क्लिक ना करें। अपना खाता संख्या, पिन, ओटीपी व सीवीवी नंबर आदि किसी के साथ भी साझा न करें।

साइबर फॉड धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करें अथवा फिर मुजफ्फरनगर साइबर सेल 9454401617 या निकटतम थाने पर स्थित साइबर हेल्प डेस्क से संपर्क करें। धनराशि वापस कराने वाली साइबर टीम में क्राइम इंस्पेक्टर के साथ साथ उनके सहयोग में कम्प्यूटर ऑपरेटर विपिन कुमार, ज्ञानेन्द्र कुमार और महिला कांस्टेबल दीपा भी रही।

इंटरमीडिएट की छात्राओं को दी गई विदाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। आरती मैमोरियल पब्लिक स्कूल राजपुर छाजपुर में शुक्रवार के दिन एक विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस मौके पर यहां इंटरमीडिएट की समस्त छात्राओं को केक खिलाकर बिदाई दी गई। इस मौके पर विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और सभी को हर्षित करते हुए तालियां बजवाने पर मजबूर कर दिया। छात्राओं ने यहां पर सभी को भाव विभोर कर दिया। स्कूल की प्रधानाचार्या कविता सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रबंधक अशोक राणा ने विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति जागरूक रहने तथा उन्नति करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर विद्यालय का सभी स्टाफ मौजूद रहा।

बुढ़ाना के नए एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा बने

- परीक्षा में 21वीं रैंक प्राप्त कर की थी सफलता हासिल

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। अब बुढ़ाना के नये एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा होंगे। यहां तैनात एसडीएम अपूर्वा यादव स्वास्थ्य कारणों के चलते छुट्टी पर चली गयी हैं। नये एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा 2023 बैच के युवा पीसीएस अधिकारी हैं जो कि जनपद गोरखपुर के निवासी हैं। एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा ने परीक्षा में 21वीं रैंक प्राप्त कर एक बड़ी सफलता हासिल की थी। कृष्णकांत के पिता कृषक के साथ साथ एक बिजनेसमेन भी हैं। एसडीएम अपनी सफलता का श्रेय

अपने माता पिता को देते हैं। वे पहले से ही मेधावी रहे हैं। 3 भाइयों में सबसे छोटे कृष्णकांत ने प्रारंभिक शिक्षा गोरखपुर के डीएवी इंटर कॉलेज से प्राप्त की थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज वाले कालेज से पढ़ाई की। बीते सन 2020 में गोरखपुर विश्वविद्यालय से हिंदी विषय से एमए किया और अपने बैच में टॉपर आए। इसके बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी दिल्ली में रहकर की। कृष्णकांत की माताजी बीते सन 2014 में परलोक सिधार गयी थी। एसडीएम कृष्णकांत ने बताया कि एक भाई इंजि. नियर हैं।

उन्होंने बताया कि करीब 4 वर्ष पूर्व मेरी माताजी का देहांत हो गया था। उन्होंने भी मेरी पढ़ाई को आगे जारी रखने के लिए बड़ा त्याग किया हालांकि वे आज इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनके त्याग को मैं नहीं भूल सकता।

इस सफलता में उनका भी बहुत बड़ा योगदान है। क्योंकि उनकी प्रबल इच्छा थी कि मैं पढ़ लिखकर कुछ बड़ा करुं। उनकी ये इच्छा पूरी हो गई। इससे मुझे बड़ा सुकून मिल रहा है। उन्हें मास्टर डिग्री में गोल्ड मेडल भी मिला है। अपनी परीक्षाओं की तैयारी में लगे प्रतियोगी छात्रों के लिए उनका कहना है कि अपने लक्ष्य पर हमेशा फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि वे तैयारी के दौरान 14 घंटे पढ़ाई करते थे। किसी भी टॉपिक पर अपने सीनियर्स और गुरुजनों से सदा मार्ग दर्शन लिया करते थे और इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्केट में जो भी पाठड सामग्रियां उपलब्ध हैं उनसे भी बड़ा सहयोग मिलता है।

स्वास्थ्य शिविर लगाकर की गई बीमारियों की जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। ककरौली मे ग्राम प्रधान के आवास पर स्वास्थ्य शि. विर का आयोजन किया गया जिसमें सेंकड़ो व्यक्तियों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की गयी व गंभीर बीमारियों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

ककरौली मे ग्रामीण विकास एवं मानव सेवा संस्थान (लक्षित हस्तक्षेपद्ध एवं राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण सोसाईटी द्वारा आयोजित कैम्प का शुभारम्भ प्रधान प्रतिनिधि मौलाना सालिम द्वारा फीता काटकर किया गया। परियोजना प्रबंधक ज्योत्सना कुमारी ने जानकारी देकर बताया की कैम्प का आयोजन क्षय रोग अधिकारी डॉ. लोकेशचंद गुप्ता की अध्यक्षता मे किया गया। जिसमें सेंकड़ो ग्रामीणों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की गयी।

मुख्य अथिति मौलाना सालिम ने कहा की जागरूकता के माध्यम से अनेक गंभीर बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

किसी भी बीमारी का लक्षण मिलने पर तुरंत अपने स्वास्थ्य की जांच कराएं। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने बताया की कैम्प मे 56 व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये।एच आई वी, हीमोग्लोबिन सहित डेंगू,मलेरिया आदि की निशुल्क जांच की गयी।

इस दौरान डॉ. नसीब आलम,मौ. अफाक , सागर, दीपा रानी, सुहैल, अनुराग त्यागी, सतेन्द्र कुमार, आशीष सैनी, सौराज खान, अंकुर, हुसैन, इकरार आदि मौजूद रहे।

खतौली तहसील में लगा विधिक जागरूकता शिविर

- 14 मार्च की राष्ट्रीय लोक अदालत में भागीदारी का आह्वान

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। तहसील परिसर में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विधिक जागरूकता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार के निर्देशन में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद व्यक्तियों को प्राधिकरण की ओर से नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाते हैं। किसी भी प्रकार की विधिक सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने जानकारी दी कि 22 फरवरी 2026 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सुजड़ू में मेगा विधिक सेवा शिविर आयोजित होगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों से भाग लेने की अपील की गई। साथ ही 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में बताते हुए कहा कि बैंक ऋण, यातायात चालान, विद्युत बिल, पारिवा. रिक और भूमि संबंधी विवादों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते और न्यूनतम जुर्माने के माध्यम से त्वरित ढंग से किया जाएगा। शिविर के दौरान बाल पुष्टाहार परियोजना खतौली की ओर से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पौष्टिक किट वितरित की गई। ग्राम न्यायालय खतौली के न्यायाधिक. ारी ने बताया कि तहसील स्तर पर मीडिएशन प्रक्रिया के माध्यम से पारिवारिक और जमीन से जुड़े मामलों का समाधान कराया जा रहा है।

तहसीलदार खतौली ने मुख्य अतिथि का बुके भेंट कर स्वागत किया और ऐसे जागरूकता शिविरों के निरंतर आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों से नशे जैसी कुरीतियों से दूर रहने का संकल्प लेने की अपील भी की। इस अवसर पर जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन संस्था एवं ग्रामीण समाज विकास केंद्र के प्रोजेक्ट मैनेजर गजेंद्र सिंह ने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, श्रमिक पंजीकरण तथा किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न योजनाओं की जानक. री दी। कार्यक्रम का संचालन पराल. ीगल वॉलंटियर गौरव मलिक ने किया। शिविर में परालीगल वॉलंटियर धनीराम, प्रवेश, बबीता, अरुण सागर, तहसील कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूली बस चला रहे शराबी चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना/भौरांकला। स्कूली बस में बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक बस के चालक पर बस को लापरवाही व तेजी से चलाने का आरोप चौकीदार ने लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार कस्बा सिसौली के मौहल्ला नया बाजार वार्ड नंबर 05 के निवासी चौकीदार समेदीन पुत्र गेन्दा ने थाना भौरांकला में पुलिस को एक तहरीर देते हुए बतलाया कि बीती 11 फरवरी की सुबह लगभग आठ बजे जिला शामली के बाबरी थाना क्षेत्र के गांव बन्तीखेडा में स्थित संस्कृति पब्लिक स्कूल की बस का ड्राइवर हरेन्द्र उर्फ सावन पुत्र महिपाल निवासी गांव भौराकलां जब कस्बा सिसौली से बच्चों को लेने के लिए आया तो वह बस को तेजी और लापरवाही से चला रहा था।

बस में स्कूल के काफी बच्चे बैठे हुए थे जो स्कूल में पढ़ने के लिए जा रहे थे। वे तेज बस चलने पर जोर जोर से चिल्लाकर चालक हरेंद्र को बस को रोकने के लिए कह रहे थे। जब उसने बस को रुकवाया तो चालक नशे मे लग रहा था। उसके इस कृत्य से सड़क पर पैदल चल रहे लोगों और बस मे सवार बच्चों की जान भी खतरे में पड गयी थी।

चौकीदार ने पुलिस से आरोपी चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। उधर दूसरी और भौरांकला पुलिस ने बस चालक हरेंद्र के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

श्री राम कॉलेज के बीबीए तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। श्रीराम कॉलेज के बीबीए तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा तथा सभी विद्यार्थी अच्छे अंको से उर्त्तीण हुए। बीबीए मे विराट चौहान ने सबसे अधिक 80.50 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। पलक मित्तल ने 79.20 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा राधा पुंडीर ने 77.83 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र विराट चौहान ने अपनी सफलता पर ईश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा कि सफलता का श्रेय गुरूजनों एवं माता-पिता को जाता है। तृतीय स्थान पर रही छात्रा राधा पुंडीर ने कहा कि पुस्तकालय में सभी विषयों पर अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, उन्होनें सभी विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें आगे भी अपने जीवन में इसी प्रकार की सफलतायें अर्जित करते हुये अपने कॉलेज और अपने माता पिता का नाम रोशन करते रहना चाहिये। महाविद्यालय उप-प्राचार्य

डॉ0 सौरभ मित्तल ने भी अध्यापकों को उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को मिली सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि किसी भी विभाग में विद्यार्थियों की सफलता एवं उज्जवल भविष्य प्रदर्शन के रूप में दिखाई दे रहा है। अध्यापकों पर निर्भर करता है। व्यवसाय एवं प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष डा0 विवेक कुमार त्यागी ने विभाग के सभी अध्यापकों की मेहनत से पिरोये हुये परीक्षाफल को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग में पिछले सालों से भी ज्यादा सेमिनार तथा विशेषज्ञों के आयोजन का फल आज हमारे छात्रों के बेहतर प्रदर्शन के रूप में दिखाई दे रहा है। उन्होनें विद्यार्थियों से आशा व्यक्त करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी अपने में बेहतर मैनेजर के गुण विकसित कर भविष्य में देश और समाज निर्माण में अपनी सेवाएँ प्रदान करेगें।

पुलिस चेकिंग में गोकश चाकू के साथ किया गिरफ्तार

भोपा। गांव भुवापुर से मोरना मार्ग पर पुलिस ने चेकिंग के दौरान गोकश को चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया।

प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह ने बताया कि एसएसपी के आदेश पर गौकश व अन्य अपराधियों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत शुक्रवार को उप निरीक्षक पिन्टू चौधरी की टीम ने गांव भुवापुर से मोरना जाने वाले रास्ते पर राजवाहे की पुलिया के पास से गौकश अपराधी वाजिद निवासी कस्बा व थाना शाहपुर हाल निवासी मोरना को चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध आर्मस एक्ट की धारा में मुदकमा दर्ज कर चालान कर दिया। इससे पहले भी आरोपी के विरूद्ध जानलेवा हमला व गोकशी के तीन मुकदमें दर्ज है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह: विद्यार्थियों को ट्रैफिक संकेतों की दी जानकारी

शाह टाइम्स सवांददाता

खतौली। शासन के निर्देशानुसार श्री कुन्द कुन्द जैन महाविद्यालय में 10 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 ह्सड़क सुरक्षा अभियान तथा जीरो फैटेलिटी समाधान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को बीसीए विभाग में छात्र-छात्राओं के लिए ट्रैफिक संक. ेतों पर एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से सड़क यातायात संकेतों के महत्व, उनकी पहचान और दैनिक जीवन में उनके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बीसीए एवं बीएससी (गृहविज्ञान) के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों को समझा। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने

के लिए ट्रैफिक संकेतों की सही जानकारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने से पहले प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों और संकेतों का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. दीप्ती जैन ने बताया कि ट्रैफिक संकेत न केवल वाहन चालकों बल्कि पैदल यात्रियों को भी संभावित खतरों के प्रति सचेत करते हैं। वहीं ई. विकास जैन ने जानकारी दी कि भारत में सड़क संकेतों को मुख्य रूप से तीन श्रेणियोंकृअनिवार्य, चेतावनी एवं सूचना संकेतकृमें विभाजित किया गया है, जिनकी विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। कार्यक्रम की सफलता में श्री विकास जैन, डॉ. पूजा पुण्डीर, डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. पारूल शर्मा सहित अन्य प्राध्यापकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शाह टाइम्स
स्वामी 'शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, सूजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. 71843/99
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बाइपास पर टंकी की पाइप लाइन लिकेज होने से सड़क बनी तालाब

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। कस्बे के बाइपास पर बिलाल मस्जिद के सामने पिछले एक महीने से पानी की टंकी की पाइप लाइन में लिकेज होने के कारण सड़क पर पानी भरा हुआ है। लगातार पानी जमा रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार बाइक सवार फिसलकर गिर भी चुके हैं, जिससे लोगों में रोष है।

चौसाना बिलाल मस्जिद के सामने बाइपास मार्ग क्षेत्र का प्रमुख रास्ता है, यहां से दिनभर दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरते हैं। पाइप लाइन से रिस रहा पानी सड़क पर फैलकर कीचड़ में बदल गया है। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण हालात और बिगड़ गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक महीने से समस्या बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया।

ग्रामीण अफजाल मंसूरी, इनायत, राजेश मिस्त्री, सुलेमान, गुड्डू, इनाम और हाजी महफूज का कहना है कि कई बार ग्राम पंचायत सचिव को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक लिंकेज ठीक नहीं कराया गया। उनका कहना है कि रात के समय सड़क पर भरे पानी का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे। उनका कहना है कि मामूली सी खराबी के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। ग्राम पंचायत सचिव राहुल कुमार ने बताया कि उन्हें इस लिकेज की जानकारी नहीं थी। अब मामला संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि कल ही मजदूर लगवाकर पानी की टंकी की पाइप लाइन की मरम्मत कराई जाएगी, ताकि सड़क पर जलभराव की समस्या समाप्त हो सके।

अपरायुक्त का निरीक्षण रद्द, पुलिस प्रशासन ने ली राहत की सांस

शाह टाइम्स संवाददाता

ऊन। तहसील के निरीक्षण हेतु अपरायुक्त भानु प्रताप यादव का 13 फरवरी को कार्यक्रम प्रस्तावित था निरीक्षण कार्यक्रम को लेकर तहसील प्रशासन तैयारी में जुटा था तहसील प्रशासन द्वारा बुकलेट तैयार की गई थी तथा सभी पटल पर फाइलों के रखरखाव, लंबित वादों का पटल पर अपलोड करने तथा तहसील में साफ सफाई चाक-चौबंद की गई थी बृहस्पतिवार सुबह से ही सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निरीक्षण हेतु अपरायुक्त की प्रतीक्षा कर रहे थे लेकिन ऐन वक्त पर कार्यक्रम टल गया उसके बाद तहसील प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।इस संबंध में उप जिलाधिकारी संदीप त्रिपाठी ने बताया कि अपरायुक्त का प्रस्तावित निरीक्षण कार्यक्रम व्यस्तता के चलते टल गया है।

डीएम ने किया विकास कार्यों की पत्रावलियों का अवलोकन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान ने अपने निरीक्षण में नगर पंचायत जलालाबाद कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा निकाय में कार्यरत नियमित, संविदा एवं आउट सोर्सिंग कर्मचारियों एवं उनको दिए जाने वाली सुविधाओं जैसे राज्य वित्त आयोग से कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन, पी. एफ, आदि व भवनकर/जलमूल्य विविध आदि देयों की वसूली एवं नगर में विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों की पत्रावलियों का अवलोकन किया गया जो संतोषजनक पाया गया। निरीक्षण में जिलाधिकारी द्वारा पुराने कार्यालय भवन को तोडकर नए कार्यालय भवन का निर्माण कराए जाने हेतु बनवाए गए मानचित्र का अवलोकन किया गया तथा कार्यालय की पुरानी बिल्डिग को नियमानुसार धवस्त किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।निरीक्षण में जिलाधिकारी द्वारा नगर पंचायत जलालाबाद द्वारा नगर से निकलने वाले कूडे के निस्तारण हेतु बनाए गए डम्पिंग ग्राउण्ड का निरीक्षण किया गया। जिसमें बनाए गए पिट कम्पोस्टिंग प्लान्ट के संचालन के सम्बन्ध में जानकारी की गई, जिसके अन्तर्गत कम्पोस्ट खाद बनाने में लगने वाले टाइम एवं कूडे को अलग-अलग करने हेतु लगाई गई ट्रोमल मशीन तथा एमद्गआरद्गएफद्ग सेंटर को संचालित किए जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित फर्म मैद्ग संजय कुमार कॉन्ट्रक्टर, सहारनपुर के सुपरवाइजर से पूछे जाने पर उनके द्वारा संतोषजनक जवाब न दिए जाने पर उन्हे चेतावनी भी दी गई व उक्त कार्य का भुगतान न किए जाने हेतु अधिशासी अधिकारी, नद्गपंद्ग जलालाबाद को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय नगर पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष जहीर मलिक, जयबीर शर्मा, अधिशासी अधिकारी, नद्गपंद्ग जलालाबाद व समस्त सभासदगण एवं समस्त नगर पंचायत कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

प्राथमिक विद्यालय में मिली अव्यवस्था, हिन्दी भी नहीं पढ़ पाए बच्चे

प्राथमिक विद्यालय नं. 1 ग्राम हरड़ फतेहपुर में बिना यूनिफॉर्म के कक्षा में बैठे मिले बच्चे कम्पोजिट विद्यालय में नहीं मिली बैंच, डीएम दिखाई दिए असंतुष्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान ने आज अपने निरीक्षण में वि0क्षे0 थानाभवन के अन्तर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय नंबर-1 ग्राम हरड़ फतेहपुर व प्राथमिक विद्यालय नंबर-1 कम्पोजिट का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को देखते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम प्राथमिक विद्यालय नंबर-1 ग्राम हरड़ फतेहपुर का निरीक्षण करते हुए बच्चों से बात की गई कुछ बच्चे बिना ड्रेस के नजर आए जिनको प्रॉपर ड्रेस में लाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय प्रांगण में बने किचन गार्डन का भी निरीक्षण किया और उसकी प्रॉपर निराई गुड़ाई के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में निर्वाचन संबंधी कार्यों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के अगले क्रम में जिला. धिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय नंबर-1 कम्पोजिट विद्यालय का निरीक्षण करते हुए क्लास रूम में बच्चों के बैठने के लिए बैंच की व्यवस्था कराने के निर्देश बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए। निरीक्षण दौरान जिलाधिकारी द्वारा कक्षा एक में जाकर बच्चों से हिन्दी विषय की पुस्तक पढ़वाई गई जिसको बच्चे पढ़ नहीं पाए, जिसके लिए बच्चों की गुणवत्तापरक शिक्षा पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में शौचालय आदि की साफ-सफाई आदि को लेकर भी निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लता राठौर, जिला समन्वयक मिड डे मील जितेन्द्र कुमार स्कूली स्टाफ मौजूद रहा।

एक नजर

बिजली बकाएदारों पर सख्ती, 11 कनेक्शन काटे, सवा लाख की वसूली

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। कस्बे में बिजली विभाग ने बकाया बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की। टीम ने 11 बकायदारों के कनेक्शन काटे और मौके पर ही एक लाख पच्चीस हजार रूपए की वसूली की। बिजली विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को कस्बे के विभिन्न मोहल्लों में जांच की गई। जिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय से बिल बकाया था और बार बार नोटिस देने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया था, उनके कनेक्शन तत्काल प्रभाव से विच्छेदित कर दिए गए। कार्रवाई से बकायदारों में हड़कंप मच गया और कई लोगों ने मौके पर ही बकाया जमा कराने में भलाई समझी। अभियान की अगुवाई अवर अभियंता आजम अकबर ने की। उनके साथ बृजेश कुमार, रंजीत कुमार टेक्नीशियन सहित संविदा कर्मी रामपाल सिंह, मनप्रीत सिंह, जगत सिंह, रामकुमार, चरण सिंह, किरण पाल, दीपक और मेजर मौजूद रहे। टीम ने एक एक कनेक्शन की जांच करते हुए बकाया सूची के अनुसार कार्रवाई की।

ब्रह्माकुमारीज भवन पर समागम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर ब्रहमा कुमारीज शामली द्वारा शहर के कैराना रोड स्थित ब्रहमा कुमारीज भवन पर सुंदर समागम का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्य आत्माओं व शिव तथा महाशिवरात्रि पर्व पर प्रकाश डाला गया। शुक्रवार को कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल, उद्यमी अनुज गर्ग तथा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्षा संतोष देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान बहन सुरभि ने भगवान शिव के बताए गए मार्गो पर प्रकाश डाला। इस दौरान महाशिवरात्रि पर्व के बारे में विस्तार से जानकारियां दी गई। इससे पूर्व दयानंदनगर स्थित शिव ज्योति धाम से एक कलश यात्रा निकाली गई। जो शहर के विभिन्न स्थानों से होते हुए कैराना रोड स्थित ब्रहमा कुमारीज भवन पर संपन्न हुई। इस दौरान अनेकों स्थानों पर कलश यात्रा का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर बहन सुरभि, बहन मुकेश, बहन रीता, पानीपत से बहर सुनीता, दिनेश कुमार माउंटाबू, कुलक्षेष्ठ, रामनिवास, अनिल कुमार, जितेन्द्र निर्वाल आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगों को मुख्य धारा से जोड़ने का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। आज दिनांक 13-02-2026 को महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय के पत्रांकध्समे0शि0ध्6204ध्2025-26 लखनऊ में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में ब्लाक संसाधन केन्द्र द्धबी0आर0सी0ऋ बनत, शामली पर 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 09 फरवरी 2026 से संचालित के अन्तिम दिन लता राठौर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी जिला समन्वयक समेकित जितेन्द्र कुमार द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण एवं अवलोकन किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा चल रहे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तथा प्रशिक्षण के मुख्य उदेश्यय के संबंध में बताया गया कि विशिष्ट आवश्यकता वाले द्धदिव्यांग बच्चोंऋ के प्रति विद्यालय को समावेशी एवं संवे. दनशील विद्यालय बनाए जाने हेतु परिषदीय विद्यालयों के सहायक अध्यापकों को समावेशी शिक्षा विषय पर केसकेड मोड में पांच दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना तथा स्पेशल आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप शिक्षा देने के गुण बताए गए। जिला समन्वयक द्वारा दिव्यांग बच्चों को विभाग द्वारा दिए जाने वाले उपकरण, स्टाईपेन्ट, स्कॉर्टएलाउन्स, होमबेस्ड-किट व अन्य जानकारी दी गई। साथ की विभागीय पोर्टल के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही समापन के अवसर पर यह अपेक्षा जताई गई कि प्रशिक्षण में प्रतिभा करने वाले सहायक अध्यापक अपने-अपने विद्यालय में जाकर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षण प्रशिक्षण में उन्नयन करेंगे यह प्रशिक्षण विकास क्षेत्र शामली में कार्यरत विशेष शिक्षक अखिलेश मौर्या सचिन कुमार एवं अनिल कुमार द्वारा प्रशिक्षण दिया गया जिसमें विकास क्षेत्र शामली के 50 शिक्षकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

व्यापारियों ने उठाई सचल दल प्रणाली समाप्ति की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले दर्जनों व्यापारियों ने सचल दल प्रणाली समाप्त करने की मांग को लेकर शुक्रवार को शामली के झिंझाना रोड स्थित जीएसटी विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन किया। व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग के नेतृत्व में जीएसटी व्यापार कर आयुक्त प्रदेश सरकार के नाम जीएसटी व्यापार कर उपायुक्त डॉ। लोमेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में व्यापारियों ने आरोप लगाया कि सचल दल विभाग द्वारा लक्ष्य पूरा करने के नाम पर व्यापारियों पर दबाव बनाकर भारी पेनल्टी लगाई जाती है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि जीएसटी टीम द्वारा अनावश्यक सर्वे और छापों के नाम पर प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर उत्पीड़न किया जाता है, जिस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।

इस दौरान व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष प्रदीप संगल के साथ हुए कथित उत्पीड़न तथा जिला महामंत्री राजेश सिंघल की शक्कर से भरी गाड़ियों को रोककर अनावश्यक कार्रवाई करने के प्रयास का मुद्दा भी उठाया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने चेता. वनी देते हुए कहा कि यदि व्यापारियों का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो प्रदेशभर के व्यापारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उपायुक्त डॉ। लोमेश कुमार ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी भावनाओं और ज्ञापन को आयुक्त तक पहुंचा दिया जाएगा तथा शामली जनपद में किसी भी व्यापारी का किसी स्तर पर उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदित्य कुमार भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल में सुभाष चंद्र धीमान, नरेंद्र अग्रवाल, राजेश जैन, अमित गर्ग, अभिषेक गर्ग, महेश धीमान, अनुज गोयल, सुशील चौधरी, शिवकुमार, रोहित संगल सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

वैदिक भजन, यज्ञ व प्रवचन का भव्य आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के आर्य समाज मंदिर शामली द्वारा आयोजित ऋषि बोध उत्सव के छठे दिन मंदिर परिसर में वैदिक भजन, यज्ञ एवं प्रवचन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद चेयरमैन अरविंद संगल रहे। उन्होंने बदलते सामाजिक परिवेश पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को संस्कारवान बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने समाज को वैदिक मूल्यों से जोड़ने का आ]वान किया।

प्रात:काल आर्य समाज की यज्ञशाला में वैदिक यज्ञ संपन्न कराया गया। यज्ञ के ब्रह्मा पुरोहित सुदेशपाल आर्य ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत यज्ञ कराया। यजमान दंपत्तियों में रामकुमार गुप्ता व रूक्मणी आर्या, गिरधारी लाल आर्य व हेमलता आर्या, सुधाकर आर्य व मोनिका आर्या तथा राजपाल सिंह आर्य व कौशल्या आर्या शामिल रहे। आर्य भजन सम्राट कुलदीप आर्य ने सच्चे शिव की खातिर जिसने छोड़ा टंकारा, टक्कर ली तूफानों से था केवल ओम सहारा सहित कई भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि उन्नीसवीं शताब्दी का भारत सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वा. सों से जूझ रहा था। ऐसे समय में स्वामी दयानंद सरस्वती ने सत्य की खोज को जीवन का लक्ष्य बनाया। गुजरात के टंकारा में जन्मे मूलशंकर आगे चलकर स्वामी दयानंद के रूप में विख्यात हुए और उन्होंने संन्यास ग्रहण कर सत्य, ज्ञान और पवित्रता के मार्ग को अपनाया। कार्यक्रम में संरक्षक रघुवीर सिंह आर्य, प्रधान सुभाष गोयल आर्य, मंत्री नितिन वर्मा आर्य, कोषाध्यक्ष देवेंद्र आर्य, संयोजक राजपाल सिंह आर्य उपस्थित रहे।

तीन शातिर चोर व एक कबाड़ी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जनपद में विभिन्न थाना क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर और टड्बवेल की विद्युत लाइनों की हो रही चोरी की घटनाओं का थाना कांधला पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों व एक कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा, चोरी की बाइक तथा बड़ी मात्रा में तांबे का तार व अन्य सामान बरामद किया गया है।

शुक्रवार को पुलिस लाईन में पत्रकारों को जानकारी देते हुए एसपी एनपी सिंह ने बताया कि विगत दिनों थाना गढ़ीपुख्ता, कोतवाली शामली, झिंझाना, थानाभवन, कैराना और कांधला क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर तार व टड्बवेल की विद्युत लाइन चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए टीमों का गठन किया गया था। शुक्रवार को चलाए गए अभियान के तहत थाना कांधला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकडे गए आरोपियों ने अपने नाम शौकत पुत्र यामीन निवासी आलखुद कैराना, फुरकान पुत्र नजामुदीन निवासी खुरगान, शिवम पुत्र आनंद निवासी नंदूप्रसाद शामली, राशिद पुत्र सलीम निवासी सरवरपीर मस्जिद के पास शामली बताया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिन में बाइक से जंगलों में घूमकर टड्बवेल व ट्रांसफार्मरों की रेकी करते थे और रात में बिना मोबाइल फोन ले जाए वारदात को अंजाम देते थे। केबिल कटर से तार काटकर और कटआउट व स्टार्टर तोड़कर कॉपर तार निकाल लेते थे। चोरी का माल ग्राम गंगेरू के कब्रिस्तान के पास खंडहर में इकठा कर बाद में कबाड़ी राशिद को बेच देते थे, जो उसे अपनी भट्टी में गलाकर तांबे की चूड़ियां बनाकर ऊंचे दामों में बेचता था। प्राप्त धनराशि आपस में बांट ली जाती थी। आरोपियों ने जनपद के कई गांवो लव्या दाउदपुर, बशीचुन्दयारी, कसेरवाखुर्द, झारखेड़ी, पंजीठ, हरड़ फतेहपुर, हसनपुर लुहारी सहित अन्य क्षेत्रों में चोरी की घटनाएं स्वीकार की हैं। गढ़ीपुख्ता क्षेत्र में एक टड्बवेल से इन्वर्टर, बैटरी व अन्य सामान चोरी करने की बात भी कबूल की। पकडे गए आरोपियों के पास से एक अवैध तमंचा, दो अवैध चाकू, बाइक, 127 किलो जला हुआ तांबे का तार, 24 किलो ट्रांसफार्मर तार व अन्य सामान, 33 मीटर बिजली लाइन का तार, 6।300 किलोग्राम तांबे की चूड़ी बनाने की पत्ती, 40 तांबे की चूड़ियां, एक चोरी की बैटरी, व तार काटने के उपकरण बरामद किए है।

विधायक अशरफ अली खान ने दलित युवाओं के भविष्य को लेकर सदन में उठाई आवाज

अप्रैल 2018 के मुकदमे वापस लेने की सिफारिश, भर्ती से वंचित युवाओं का मुद्दा उठाया

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। जनपद शामली के दलित युवाओं के भविष्य को लेकर थानाभवन विधायक अशरफ अली खान ने विधानसभा में जोरदार तरीके से आवाज उठाई। उन्होंने अप्रैल 2018 के भारत बंद आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग करते हुए सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। विधायक ने सदन में कहा कि अप्रैल 2018 में हुए भारत बंद आंदोलन के दौरान जनपद शामली के 105 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इनमें कई ऐसे युवा भी शामिल हैं जिनका आंदोलन से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। कुछ युवा उस समय स्कूलों और विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत थे, लेकिन उनके खिलाफ भी मुकदमे दर्ज हो गए। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 60,244 पुलिस कर्मियों की भर्ती की गई, जिसमें जनपद शामली से 30 युवाओं का चयन हुआ था, किंतु पुलिस सत्यापन (वेरिफिकेशन) में लंबित मुकदमों के कारण इन युवाओं को नियुक्ति से वंचित रहना पड़ा। विधायक ने इसे युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों के कारण उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। विधायक ने सदन के माध्यम से सरकार से मांग की कि जिन युवाओं का आपराधिक गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है, उनके विरुद्ध दर्ज मुकदमों को वापस लिया जाए, ताकि वे अपने जीवन में आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूर्ण विश्वास है कि सरकार इस विषय पर संवेदनशीलता से विचार करेगी और न्यायपूर्ण निर्णय लेगी।

शहीद को श्रद्धासुमन आज

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। 14 फरवरी, 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादियों द्वारा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बलद्धसी0आर0पी0एफ0ऋ के काफिले पर आर0डी0एक्स हमलें में बल के 40 जवान शहीद हो गए थे,उनमें से जनपद शामली के शहीद अमित कोरी भी थे।अमर शहीद अमित कोरी जी के 7वीं पुण्यतिथि पर उनके शहीद स्मारक कुड़ाना रोड शामली में भाव पूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन दिनांक 14-02-2026 दिन शनिवार को प्रात: 9रू00 बजे से श्रद्धांजलि कार्यक्रम व 10रू00 बजे प्रसाद वितरण अयोजन होगा। भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान जी उपस्थित रहेंगे।

स्पेशल 3 कार्यक्रम में सिखाया अनुशासन का पाठ

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के सिविल लाइन में शुक्रवार को स्पेल 3.0 कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए एसपी एनपी सिंह ने कहा कि जीवन में अनुशासन, भारत के संविधान के प्रति आस्था तथा देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठा युवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों के माध्यम से पुलिस और समाज के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा तथा पुलिस की छवि में भी सकारात्मक सुधार आएगा। एएसपी सुमित शुक्ला ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि 120 घंटे की यह योजना विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी और निर्भीक बनाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी अर्शी खान ने बताया कि यह योजना छात्रों और पुलिस-प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यातायात व्यवस्था, बीट प्रणाली, फील्ड विजिट और नशा मुक्ति जैसे विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विजय सिंह पथिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा कुमारी ईशा और कुमारी खुशी ने अपने अनुभव साझा किए। समापन अवसर पर प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कैराना तहसील में एडीएम का औचक निरीक्षण

तीन साल से लंबित वादों पर जताई कड़ी नाराजगी

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। तहसील कैराना में शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह ने औचक निरीक्षण कर न्यायिक और राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न न्यायालयों और कार्यालयों में लंबित मामलों की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुराने वादों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। निरीक्षण की शुरुआत एसडीएम न्यायालय से हुई। यहां एडीएम ने धारा 38, 24 एवं 116 से संबंधित विचाराधीन पत्रावलियों का अवलोकन किया। समीक्षा में पाया गया कि कुछ प्रकरण एक से तीन वर्ष तक लंबित हैं। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते

हुए कहा कि प्रतिदिन सुनवाई सुनिश्चित कर दोनों पक्षों को तलब किया जाए और समयबद्ध तरीके से निर्णय पारित किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अनावश्यक लंबित मामलों पर जवाबदेही तय की जाएगी। इसके बाद तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण किया गया। धारा 34 से संबंधित लंबित वादों की समीक्षा करते हुए एडीएम ने प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन को न्याय दिलाने में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरके कार्यालय के निरीक्षण के दौरान आर-6 रजिस्टर की जांच की गई। अभिलेख बस्ता सूची के अनुसार व्यवस्थित एवं पूर्ण पाए गए, जिस पर एडीएम ने संतोष जताया। खतौनी कक्ष में अभिलेखों की स्थिति का भी अवलोकन किया गया और अभिलेखों के सुरक्षित रखरखाव के निर्देश दिए गए। उप निबंधक कार्यालय में पंजीयन कार्यों की जानकारी ली गई। साथ ही आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की समीक्षा कर उनके निस्तारण की गुणवत्ता जांची गई। एक शिकायतकर्ता से सीधे वार्ता कर फीडबैक लिया गया, जिसमें शिकायतों का समाधान संतोषजनक पाया गया। एडीएम ने कहा कि जनशिकायतों का पारदर्शी व त्वरित निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है। वही एडीएम ने तहसील परिसर में साफ देख तहसील स्टाफ की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने तहसील में कार्य हेतु आए लोगों को बैठाने एवं पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम निधि भारद्वाज, तहसीलदार अर्जुन चौहान, नायब तहसीलदार सतीश कुमार यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित करें।

डीएम ने किया खंड विकास अधिकारी थानाभवन का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान ने अपने निरीक्षण में कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी थानाभवन का निरीक्षण करते यह सर्वप्रथम प्रांगण में बने पशु चिकित्सालय का निरीक्षण करते हुए संबंधित से पशुओं के इलाज संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद निरीक्षण करते हुए मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में आवास संबंधी जानकारी प्राप्त की गई जिसमें बताया गया कि 2024 -25 में प्रधानमंत्री आवास योजना में 23 में से 22 आवास व मुख्यमंत्री आवास योजना में मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 32 आवास पूर्ण बताए गए। जिलाधिकारी द्वारा प्रांगण में बने नवीन खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द, आदि स्टाफ मौजूद रहा। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय नगर पंचायत थानाभवन का निरीक्षण किया गया।नगर पंचायत थानाभवन कार्यालय का निरीक्षण किया गया। जिसमें उनके द्वारा निकाय में कार्यरत नियमित, सविदा एवं आउट सोर्सिंग कर्मचारियों एवं उनको दिए जाने वाली सुविधाओं जैसे राज्य वित्त आयोग से कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन, पीएफ, आदि व भवनकर जलमूल्य विविध आदि देयों की वसूली व जन्म-मृत्यु व आईजी आर एस की गुणवत्ता की जांच की गई एवं एसआइआर के अन्तर्गत बीएलओ द्वारा कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई, जो संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण में जिलाधिकारी द्वारा नगर क्षेत्र में बूढाबाबु तालाब का भी निरीक्षण किया गया तथा बूढाबाबू तालाब व पार्क की भव्वता की प्रशंसा की गई। नगर पंचायत कार्यालय में निरीक्षण के समय अध्यक्षा नगर पंचायत, मति मुसय्यदा, अधिशासी अधिकारी, जीतेन्द्र राणा, लेखा लिपिक, संजय कुमार व नगर पंचायत थानाभवन के सभी सभासद उपस्थित रहे।

शादी को लेकर अनुदान योजनान्तर्गत के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। निदेशक, पिछडा वर्ग कल्याण उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 में शादी अनुदान योजनान्तर्गत पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित अन्य पिछड़े वर्ग अल्पसंख्यक समुदाय को छोडकर के गरीब व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र दोनों में रु. 1 लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए, अपनी पुत्री की शादी अनुदान हेतु ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। जिसमें शासनादेश के अनुसार प्रथम आवत-प्रथम पावत के सिद्धान्त के अनुरूप पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला अथवा दिव्यांगजन आवेदकों को वरीयता क्रम में रखते हुए शादी अनुदान राशि 20000/-प्रत्येक लाभार्थी की दर से वितरण करने की कार्यवाही की जाएगी व एक परिवार से अधिकतम 2 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा।

यह जानकारी देते हुए सुधीर कुमार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी शामली ने अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 31 मार्च 2026 तक होने वाली शादी के लिए पुत्री की शादी अनुदान हेतु शादी की दिनांक से 90 दिन पहले अथवा 90 दिन बाद तक आवेदन ऑनलाइन कराकर सम्बन्धित उपजिलाधिकारी खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय जमा कराएं। अन्य पिछड़े वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्री की शादी अनुदान योजनान्तर्गत विभागीय वेबसाइट www.shadianudan.upsdc.gov.in पर दिए गए लिंक के माध्यम से जनसेवा केन्द्र, लोकवाणी केन्द्र, साईबर कैफे, निजी इंटरनेट से निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन आवदेन कर सकते है। उक्त योजनाओं की विस्तृत दिशा-निर्देश उक्त वेबासाइट पर प्रदर्शित है।

पुलिस लाइन में SPEL 3.0 का समापन, छात्राओं को बांटे प्रमाण-पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। पुलिस लाइन शामली में शुक्रवार को SPEL कार्यक्रम का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को अनुशासन, संविधान के प्रति आस्था और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। समारोह को संबो. धित करते हुए पुलिस अधीक्षक एन. पी. सिंह ने कहा कि जीवन में अनुशासन, भारत के संविधान के प्रति विश्वास और देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठा प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम पुलिस और समाज के बीच सु.ढ़ सेतु का कार्य करते हैं, जिससे पुलिस की सकारात्मक छवि और

अधिक मजबूत होती है।

अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने बताया कि 120 घंटे की यह प्रशिक्षण योजना विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और निर्भीकता का विकास करती है। इससे छात्र-छात्राएं जिम्मेदार एवं सजग नागरिक बनने के लिए प्रेरित होते हैं।

कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी अर्शी खान ने कहा कि चैम्स कार्यक्रम शासन की मंशा के अनुरूप छात्रों और पुलिस-प्रशासन के बीच सकारात्मक संवाद स्थापित करने की महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को यातायात व्यवस्था, बीट प्रणाली, फील्ड विजिट और नशा मुक्ति अभियान जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस दौरान विजय सिंह पथिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यक्रम को उपयोगी बताया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र वित. रित किए गए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एक नजर

चेकिंग के दौरान युवक गिरफ्तार, अवैध चाकू भी बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान थाना कैराना पुलिस ने एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुक. दमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी। सिंह के आदेश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत

कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को पुलिस टीम जंगल ग्राम खुरगान के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने साजिद उर्फ बटार पुत्र इकबाल उर्फ बाल्ला निवासी ग्राम इस्सोपुर खुरगान, थाना कैराना को संदिग्ध अवस्था में पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर थाना कैराना में सुसंगत धाराओं में मुक. दमा दर्ज किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक जितेंद्र त्यागी, हेड कांस्टेबल राहुल और कांस्टेबल विपिन पोसवाल शामिल रहे।

लव्वादाउदपुर व बसी चुन्धियारी में ट्यूबवैलों से केबल चोरी, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। थाना क्षेत्र के ग्राम लव्वादाउदपुर व बसी चुन्धियारी में पांच दिन पूर्व अज्ञात चोरों ने कई ट्यूबवैलों से केबल व अन्य सामान चोरी कर लिया। लव्वादाउदपुर निवासी शुभम पुत्र प्रदीप कुमार ने बताया कि उसकी टड्बवेल से 50 मीटर केबल चोरी हुई। वहीं राजू पुत्र मुकेश की टड्बवेल से 12 मीटर केबल, पेस्टीसाइड व खाद, सन्नी पुत्र सुभाष की टड्बवेल से स्टार्टर व केबल, बिल्ला पुत्र कृपाल की टड्बवेल से 15 मीटर तथा दीपक पुत्र सरदारा की टड्बवेल से 20 मीटर केबल चोरी कर ली गई। इसके अलावा बसी चुन्धियारी के जंगल में भी कई किसानों के खेतों से केबल चोरी होने की सूचना है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

महिला को फोटो वायरल करने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी एक महिला ने पड़ोसी युवक पर रास्ता रोककर परेशान करने और फोटो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। नगर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसकी पड़ोस में रहने वाले इरफान से जान-पहचान थी। कुछ समय तक दोनों के बीच बातचीत होती रही, लेकिन बाद में किसी बात को लेकर मनमुटाव हो गया। महिला का कहना है कि उसने युवक से साफ तौर पर बात बंद करने को कह दिया था। आरोप है कि इसके बाद भी इरफान उसका रास्ता रोककर जबरन बात करने का दबाव बनाता है। विरोध करने पर वह महिला के फोटो वायरल करने की धमकी देता है। धमकी से महिला मानसिक रूप से परेशान और भयभीत है। प्रभारी निरीक्षक समय पाल अत्री ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया हैं। प्रकरण की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि यदि फोटो वायरल करने या आईटी से संबंधित साक्ष्य सामने आते हैं तो संबंधित धाराओं में भी कार्रवाई की जाएगी।

जमीयत उलेमा-ए-हिन्द की बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। मुहल्ला शेखांमेदान मेन रोड स्थित खारे वाली मस्जिद में बुधवार को देर शाम जमीयत उलेमा-ए-हिंद की एक बैठक शहर अध्यक्ष हाफिज अय्यूब की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के जनरल सेक्रेटरी कारी इरशाद ने आगामी रमजान माह को लेकर शहर की सभी मस्जिदों में इफ्तार व सहरी के ऐलान के लिए लाउडस्पीकर का कम से कम उपयोग करने तथा एक निर्धारित टाइम-टेबल के अनुसार ही घोषणा कराने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव को सभी मस्जिदों के इमामों व मुतवल्लियों की सहमति से पारित किया गया तथा पालन न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। शहर उपाध्यक्ष मौलाना तैय्यब कासिमी, प्रबंधक जेएसटी पब्लिक स्कूल ने बैठक का संचालन करते हुए कहा कि जमीयत की टाइम-टेबल

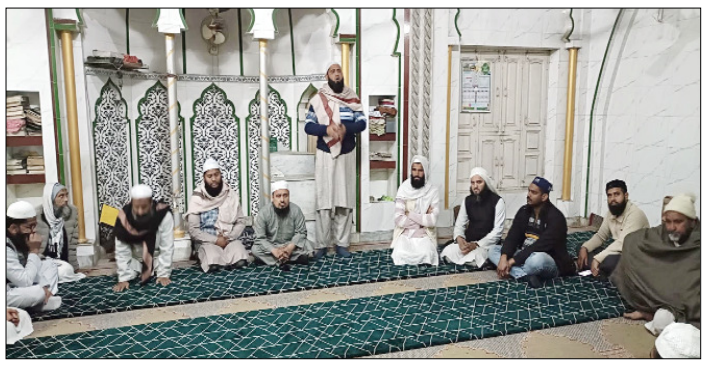

जंत्री के अनुसार ही इफ्तार व सहरी का ऐलान किया जाए और गैर-जरूरी लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से बचा जाए। बैठक में सभी पदाधिकारियों को हर माह अपनी गतिविधियों का ब्यौरा देने के निर्देश दिए गए, तथा गरीब व जरूरतमंदों की मदद पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में मुफ्ती अरशद, कारी अब्दुल खालिक, कारी मुनशाद, हाफिज शारिम, मास्टर हाशिम, राशिद कुरैशी, कासिम भाई, मौलाना याकूब, मौलाना शुऐब शरीफ व ताहिर सहित अन्य सभी मस्जिदों के इमाम उपस्थित रहे।

सपा के बड़े नेता चाह रहे कमजोर जिलाध्यक्ष

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। सपा को किसी दूसरी पार्टी से इतना खतरा नहीं है, जितना खतरा पार्टी के अवसरवादी व मौका परस्त बड़े नेताओं से है। जो न तो पार्टी के हमदर्द है और न ही यह चाहते है कि प्रदेश में सपा की सरकार बनें। इनका तो सिर्फ एक ही उद्देश्य है कि हम विधायक बन जाए और राजनीति की दुकान चलती रहे।

सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा अपनी मर्जी से किसी मजबूत नेता को जिलाध्यक्ष बनाए जाने की मंशा का पता चलने पर सपा के बड़े नेता सक्रिय हो गए है। इनके द्वारा लखनऊ में लॉबिंग की जा रही है। यह कई तरह के हथकंडे अपना रहे है। यह चाहते है कि ऐसा कमजोर जिलाध्यक्ष बनना चाहिए, जिससे पार्टी में इनकी मनमानी चलती रहे और वह थोक के भाव में पार्टी के नियमों के विपरीत जा कर अपने समर्थकों को पदाधिकारी बनवा सके। इन्हें पता है कि अगर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी मर्जी से किसी मजबूत व निष्पक्ष नेता को जिला अध्यक्ष बना दिया, तो उनकी दुकान नहीं चल पाएगी। यह किसी भी हालत में ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं। इनका पूरा प्रयास है कि कठपुतली जिलाध्यक्ष बन जाए। सूत्रों का कहना है कि इन बड़े नेताओं ने लखनऊ में गुप्त बैठक कर एक नेता का नाम आगे बढ़ाया है। साथ ही कई तरीकों से राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तक उसका नाम पहुंचा दिया है। उसे जिलाध्यक्ष बनवाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे है। सूत्रों का कहना है कि यह अपने मकसद में कामयाब भी हो सकते हैं। क्योंकि राष्ट्रीय अध्यक्ष तक आम कार्यकर्ताओं की भावनाएं नहीं पहुंच पा रही हैं। इनकी मंशा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें टिकट मिल जाए।

मकान बंटवारे को लेकर देवर-भाभी में विवाद

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव सुन्ना में मकान बंटवारे को लेकर देवर और भाभी के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान दोनों के बीच मारपीट हुई, जिससे आहत होकर महिला ने अपने कमरे में ताला लगाकर खुद को आग के हवाले करने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर महिला को सुरक्षित बाहर निकाला और आरोपी देवर को हिरासत में लेकर चालान कर दिया।हरियाणा निवासी महिला ममता ने करीब तीन वर्ष पूर्व गांव सुन्ना निवासी योगेंद्र से प्रेम विवाह किया था। कुछ दिन पूर्व बीमारी के चलते योगेंद्र की मौत हो गई थी। इसके बाद से ममता अपने देवर मुकेश से मकान में अपने हिस्से की मांग कर रही थी। गुरुवार देर रात इसी बात को लेकर ममता और मुकेश के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। विवाद से परेशान होकर ममता ने अपने कमरे में बंद होकर आत्मदाह का प्रयास किया। परिजनों और ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर महिला को बाहर निकाला।पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी देवर मुकेश को हिरासत में ले लिया। शुक्रवार को उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया गया।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मकान बंटवारे को लेकर देवर-भाभी के बीच विवाद हुआ था। महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर चालान किया गया है।

बिजली बिल वसूली के दौरान टीम पर हमला, मारपीट व धमकी का आरोप

कांधला। विकासखंड क्षेत्र के गांव डून्डूखेड़ा में बिजली बिलू राहत योजना के तहत बकाया वसूली करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम पर हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। इस संबंध में विद्युत विभाग की ओर से थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। विकासखंड क्षेत्र के गांव डून्डूखेड़ा बिजली घर पर तैनात अवर अभियंता सत्य प्रकाश शुक्रवार को अपनी टीम के सदस्य सोनू, आशीष, आनंद, मामन और शुभम सैनी के साथ उच्च अधिकारियों के निर्देश पर गांव में बिजली बिल चेकिंग अभियान चला रहे थे। इसी दौरान शिव मंदिर के पास

पंडित मोहल्ले में मुकेश पुत्र ओमदत्त पर 10,243 रूपए का बकाया पाए जाने पर टीम कनेक्शन काटने पहुंची। आरोप है कि कनेक्शन काटने की कार्रवाई के दौरान सोमपाल, राहुल, सुभाष सहित अन्य लोगों ने टीम के साथ गाली-गलौज की और धारदार हथियारों से हमला करने का प्रयास किया।

साथ ही आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए जान से मारने की धमकी भी दी।घटना के बाद अवर अभियंता सत्य प्रकाश ने थाने पहुंचकर सभी आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले मे जांच शुरू कर दी है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है और जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसफार्मर व ट्यूबवैल तार चोरी करने वाले गैंग का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

कांधला। पुलिस ने जनपद में ट्रांसफार्मर व ट्यूबवैल की विद्युत लाइन चोरी की घटनाओं का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर चोरों व चोरी का सामान खरीदने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से अवैध हथियार, चोरी की मोटरसाइकिल, जला हुआ तांबे का तार, ट्रांसफार्मर तार, बैटरी तथा चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं। विगत दिनों जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों गढ़ीपुख्ता, कोतवाली शामली, झिंझाना, थानाभवन, कैराना व कांधला में लगातार ट्रांसफार्मर व टड्बवैल की विद्युत लाइन चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के द्वारा विशेष टीमें गठित की गई थीं। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देश पर कांधला पुलिस ने अभियान चलाकर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों ने अपने नाम शौकत व फुरकान, निवासी कैराना और शिवम व राशिद निवासी कोतवाली नगर शामली बताए है।पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि

वह दिन में जंगलों में घूमकर टड्बवैल व ट्रांसफार्मरों की रेकी करते थे और रात में बिना मोबाइल फोन लिए वारदात को अंजाम देते थे। केबल कटर से तार काटकर तांबे को निकाल लेते थे, जिसे ग्राम गंगेरू के पास खंडहर में जमा किया जाता था। बाद में कबाड़ी राशिद इसे गलाकर चूड़ियां बनाकर बेचता था और सभी आरोपी आपस में रकम बांट लेते थे।अभियुक्तों ने जनपद के कई गांवों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात भी स्वीकार की है। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने कांधला थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार व उनकी पुलिस टीम की प्रशंसा की। पुलिस ने पकड़े गए चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए जेल भेज दिया है।

आर्य विद्या सभा ऊन के खाते से 11 लाख रुपये निकासी का फर्जीवाड़ा

झिंझाना। कस्बा ऊन स्थित डीएवी इंटर कॉलेज की संचालक संस्था आर्य विद्या सभा के बैंक खाते से करीब 10 से 11 लाख रूपए की कथित अनियमित निकासी का मामला सामने आया है। इस संबंध में कस्बा ऊन निवासी सुबोध कुमार मित्तल ने एसीजेएम न्यायालय कैराना में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। न्यायालय के निर्देश पर थाना झिंझाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्य विद्या सभा, जो डीएवी इंटर कॉलेज ऊन का संचालन करती है, वर्ष 1983 में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 के तहत सहायक रजिस्ट्रार फर्म, सोसाइटीज एंड चिट्स, सहारनपुर मंडल में पंजीकृत है। संस्था की नियमावली में बैंक खाते के संचालन का अधिकार प्रबंधकारिणी समिति के मंत्री को दिया गया है। संस्था का बचत खाता इंडियन बैंक, शाखा ऊन (पूर्व में इलाहाबाद बैंक) में संचालित है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जनवरी 2023 से कॉलेज प्रबंधक के रूप में कार्यरत शान्तनु मित्तल ने कथित रूप से बैंक अधिकारियों को गुमराह कर संस्था के खाते से विभिन्न तिथियों में लगभग 10.11 लाख रूपए निकलवाए। उनका कहना है कि यह निकासी संस्था की नियमावली के विपरीत की गई, जिससे सभा को आर्थिक नुकसान हुआ। वादी ने यह भी आरोप लगाया है कि मामले की जानकारी होने के बावजूद आर्य विद्या सभा के तत्कालीन मंत्री राजेश कुमार मित्तल द्वारा कोई ठोस आपत्ति या कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। इससे उनकी भूमिका भी सवालों के घेरे में बताई जा रही है। सुबोध कुमार मित्तल के अनुसार 18 मार्च 2024 से बैंक प्रबंधन को लिखित शिकायतें दी जाती रहीं, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। बाद में संबंधित बैंक प्रबंधक का तबादला भी हो गया। बताया गया है कि वादी ने पहले थाना झिंझाना में शिकायत दी थी तथा 2 फरवरी 2026 को पुलिस अधीक्षक शामली को भी प्रार्थना पत्र भेजा, परंतु कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण ली। अब न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर बैंक अभिलेखों और संबंधित दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेसियों ने निकाली मनरेगा बचाओ संग्राम पदयात्रा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेसियों द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम पदयात्रा निकालने के साथ ही मांगे पूरी न होने पर आगामी 17 फरवरी को विधानसभा का घेराव किए जाने की चेतावनी दी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदीप राणो के नेतृत्व में कांग्रेसी नेता राहत खलील के आवास से प्रारंभ होकर मनरेगा बचाओ संग्राम पदयात्रा नगर के विभिन्न मोहल्लों में पहुंची और यात्रा में शामिल कांग्रेसियों ने लोगों को मनरेगा योजना बताने के लिए जागरूक किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष संदीप राणा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार मनरेगा योजना का नाम बदलकर इसका अस्तित्व समाप्त कर देना चाहती है। कहा कि इसके विरोध में आज से शुरू मनरेगा संग्राम पदयात्रा लगातार जारी रहेगी। उन्होंने सरकार से योजना का नाम

बदलने के बजाए मनरेगा में कार्य करने वाले मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की।

कांग्रेसी नेता राहत खलील ने मनरेगा के तहत मजदूरों को कार्य उनके क्षेत्र में ही दिया जाए। कहा कि यदि हमारी मांगे नहीं मानी गई तो आगामी 17 तारीख को विधानसभा का घेराव किया जायेगा।

इस दौरान सपना सोम, शाजिया नाज, राजपाल कर्णवाल, नानू कश्यप, धर्म सिंह, शाह आलम, यूसुफ खलील, नितिन शर्मा, मुकेश राज कश्यप, अब्दुल्लाह कुरैशी, औसाफ मेम्बर, अनस बचीटी, अकरम सिद्दीकी, नबील मसूदी समेत काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

पीड़ित ने की सीएम से उसके हिस्से की जमीन दिलाने की मांग

देवबन्द। मोहल्ला सराय मालियान निवासी अनुज सैनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में बताया कि चक संख्या 1039 बैरुन हदूद में हिस्सेदार है। लेकिन भूमाफियाओं ने उसकी जमीन पर अवैध रुप से कब्जा कर रखा है। पीडित के मुताबिक जब भी वह अपनी जमीन पर जाता है आरोपी उसके हिस्से की भूमि नहीं छोड़ते बल्कि अधिकारियों के पास शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीडित ने सीएम को बताया कि वह न्याय प्राप्त करने के लिए चकबंदी आधिकारी, सहायक चकबंदी और राजस्व निरीक्षक सहित स्थानीय प्रशासन से कई बार गुहार लगा चुका है लेकिन उसे सहायता नहीं मिल रही है। पीडित ने सीएम से उसके हिस्से की जमीन दिलाने की गुहार लगाई है।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने प्रतिभाग कर दिखाई अपनी प्रतिभा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। दून वैली पब्लिक स्कूल में प्ले से कक्षा 2 तक के बच्चों के लिए वार्षिक क्रीड़ा उद्यानम् का आयोजन हुआ। इसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अंब्रेला ड्रिल, काइट ड्रिल, स्पोर्ट्स ड्रिल व फ्लावर ड्रिल आदि में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दून वैली पब्लिक स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों ने मशाल जलाकर किया। बच्चों ने रंग बिरंगे परिधानों मे विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। अभिभावकों व ग्रेंड-पेरेंट्स के लिए भी मनोरंजक खेलों का आयोजन हुआ। स्कूल चेयरमैन राज किशोर गुप्ता ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को एक जिम्मेदार, अनुशासित और संवेदनशील नागरिक बनाना है। प्रधानाचार्य सीमा शर्मा ने कहा कि

खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गति. विधियां बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डायरेक्टर अनुराग सिंघल ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन जन्नक, मायरा, सांची, रिवान, पाळव, इब्राहिम, वरदान, ओजस त्यागी, यशस्वी ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अभितेष सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रियंका चौधरी, वरिष्ठ चिकित्सक डीके जैन, रोहित चौधरी, सुमन सिंघल, तनुज कपिल, हरदीप सिंह आदि शामिल रहे।

यूनानी डे के रूप में मनाया हकीम अजमल खां का जन्मदिन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। जामिया तिब्बिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में मसीह उल मुल्क हकीम अजमल खां का जन्मदिन यूनानी डे के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में यूनानी के उत्थान में हकीम अजमल खां के योगदान पर रोशनी डाली गई। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित भी किया गया। साथ ही नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

सहारनपुर रोड स्थित जामिया तिब्बिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए नेशनल कमीशन ऑफ

इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन आयुष मंत्रालय भारत सरकार के यूनानी सिद्धा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रोफेसर डा. आसिम अली खान ने कहा कि यूनानी के उत्थान के लिए मसीह उल मुल्क हकीम अजमल खां का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान में इस पद्धति के प्रचार प्रसार के लिए सरकार विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। कहा कि यूनानी पद्धति हमारे देश के मिजाज के मुताबिक है।

इस पद्धति का जन्म भले ही यूनान में हुआ है, लेकिन यह भारत में ही फली फूली और परवान चढ़ी है। जामिया तिब्बिया के सचिव डा. अनवर सईद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग से आयुष मंत्रालय बनाकर यूनानी को प्रोत्साहन देने का कार्य किया है। प्रशासक डा. अख्तर सईद ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने यूनानी के उत्थान के लिए जितने कार्य किए हैं उतने आज तक किसी अन्य सरकार ने नहीं किए।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. मो. हसिन, ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कॉन्फ्रेंस दिल्ली के डा. इशरत कफील व डा. काशिफ जकाई भी विचार व्यक्त किए।

सरकार को जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, वे हर समय चुनावी मोड में रहते हैं: मदनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रुप में सभी सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों, कॉलेजों और अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों में इसके सभी अंशों की धुन बजाने और पढ़ने को अनिवार्य घोषित किए जाने का जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और दूसरे गुट के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने विरोध जताया है।

जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने जारी अपने बयान में केंद्र सरकार की ओर से जारी अधिसूचना को अत्यंत दुखद तथा नागरिकों पर जबरन थोपा गया निर्णय बताते हुए कहा कि यह न केवल एक पक्षपातपूर्ण फैसला है बल्कि नागरिकों की उस धार्मिक स्वतंत्रता पर गहरी चोट करने का प्रयास है जो देश के संविधान ने उन्हें प्रदान की है। उन्होंने कहा कि अब यह दुखद सच्चाई पूरी तरह सामने आ गई है कि इन लोगों को देश की प्रगति और जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, वे हर समय चुनावी मोड में रहते हैं।

मौलाना मदनी ने कहा कि उनका हर काम और हर फैसला इस बात पर निर्भर करता है कि उससे चुनाव में कितना लाभ मिल सकता है। मौलाना मदनी ने कहा कि वंदे मातरम का विवाद बहुत पुराना है। इससे पहले दिसंबर 2025 में जब इसे लेकर संसद में चर्चा हुई थी तब भी हमने अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। हमें किसी के वंदे मातरम् गाने या किसी समारोह में इसकी धुन बजाने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हम मुसलमान इस गीत को इसलिए नहीं गा सकते क्योंकि हम केवल एक अल्लाह की इबादत करते हैं और अपनी इस इबादत में किसी और को शामिल नहीं कर सकते। जमीयत उलमा-ए-हिंद (मौलाना महमूद मदनी गुट) के महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीम. ुद्दीन कासमी ने भी इसे चिंताजनक बताते हुए स्पष्ट किया है कि यह कदम भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के अंतर्गत मिली धार्मिक स्वतंत्रता को समाप्त करने वाला है।

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने, उसका प्रचार करने और अपनी मान्यताओं के अनुसार जीवन यापन करने का आवश्यक अधिकार दिया गया है। मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने कहा कि वंदे मातरम के मूलपाठ में विशेष रुप से चौथे और पांचवें छंद में, मूर्ति वंदना और कुछ हिंदू देवी-देवताओं का उल्लेख है। इस्लामी आस्था तौहीद (एकेश्वरवाद) के मद्देनजर मुसलमान अल्लाह के अलावा किसी और की पूजा या इबादत नहीं कर सकता न ही वह उसकी इबादत व्यक्त कर सकता है। उन्होंने भारत सरकार से सांविधानिक जरुरतों, न्यायिक मिसालों और देश के अलग अलग सामाजिक ढ़ांचे को ध्यान ममें रखते हुए जारी सर्कुलर की तत्काल समीक्षा किए जाने की मांग की है।

अवैध निर्माण ध्वस्त कराया

कब्जाधारी बता रहे दादालाही भूमि

शाह टाइम्स संवाददाता

शेरकोट। ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य करने की जानकारी पर उप जिलाधिकारी के निर्देश पर पालिका प्रशासन ने अवैध निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया। वहीं कब्जाधारी लोगों ने उक्त भूमि को दादालाही बताते हुए विरोध जताया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मौहल्ला नौधना निवासी मलखान सिंह आदि भूमि पर निर्माण कार्य कर रहे थे। राजस्व विभाग के अनुसार

उक्त भूमि खसरा नम्बर 33 पर शाह आलमपुर मीरा में ग्राम समाज की दर्ज है। आरोप है कि लगभग 500 गज भूमि पर दलित समाज के कुछ लोग अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य कर रहे थे, जिसमें लगभग 200 गज भूमि में बुनियाद भरी जा चुकी थी। जबकि 300 गज भूमि पर बुनियाद खोदी जा रही थी। शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग द्वारा उक्त भूमि की जांच की गई, जो कि खसरा नम्बर 33 ग्राम समाज की निकली। एसडीएम धामपुर के आदेश पर पालिका प्रशासन व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण कार्य को ध्वस्त कर भूमि कब्जा मुक्त कराई गई। इस सम्बंध में अधिशासी अधिकारी कृष्ण मुरारी ने बताया कि गृहकर की रसीद किस आधार पर और किसके द्वारा काटी गई है, इसकी व्यापक जांच की जा रही है तथा दोषी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि उक्त खसरा नम्बर की शेष भूमि की पैमाइश करा कर उसे भी अवैध कब्जा से शीघ्र ही मुक्त कराया जाए।

चाइनीज मांझे के चपेट में आए पत्रकार इरतजा सलमानी

शाह टाइम्स संवाददाता

हल्दौर। नगर निवासी इरतजा सलमानी पत्रकार शाम चार बजे नूरपुर से हल्दौर अपने घर अपनी बाइक पर सवार होकर आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक ग्राम अम्हेडा जूनियर हाईस्कूल के समीप आयी तो अचानक चाईनीज मांझे की चपेट में आने से उनके चेहरे पर मांझे के निशान आ गए और उन्होंने करीब पांच सौ मीटर आगे जाकर देखा तो उनका चश्मा भी मांझे में उलझकर वहीं गिर गया। जब वह चश्मा ढूंढने वापस आए तो नगर के मौहल्ला आला वाले सभासद रवि कुमार मिल गए। उन्होंने उनका चश्मा ढूंढकर दिया जो मांझे में लिपटा हुआ सड़क

किनारे मिला, जिसके बाद मांझे से आयी चेहरे पर धारी में जलन होने पर एक निजी चिकित्सक से दवाई लगवाई। जनपद एवं गैर जनपदों में इस चाइनीज मांझे से कई लोगों की जान भी जा चुकी है।

रणनीति के साथ करें तैयारी, जीव विज्ञान बनेगा हाई स्कोरिंग विषय

साफ चित्र, सटीक प्रस्तुति व टाइम मैनेजमेंट से पाएं शानदार परिणाम

शाह टाइम्स संवाददाता

झालू। इंटरमीडिएट परीक्षा की आहट के साथ ही जीव विज्ञान को लेकर विद्यार्थियों की चिंता बढ़ने लगती है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह विषय डर का नहीं, बल्कि सही समझ और अभ्यास का है। यदि योजनाबद्ध तरीके से तैयारी की जाए तो जीव विज्ञान बेहतरीन अंक दिलाने वाला विषय बन सकता है।

पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, झालू की जीव विज्ञान प्रवक्ता रजनी श्रीवास्तव ने छात्राओं को परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जीव विज्ञान को केवल याद करने के बजाय समझकर पढ़ना चाहिए। प्रयोगशाला में नियमित अभ्यास और प्रयोगात्मक अध्ययन से विषय की अवधारणाएं स्पष्ट होती हैं और इसका सीधा लाभ परीक्षा में मिलता है।

पाठ्यक्रम का विश्लेषण है जरूरी

प्रवक्ता के अनुसार विद्यार्थियों को सबसे पहले पाठ्यक्रम की विभिन्न इकाइयों-जनन, आनुवांशिकी एवं विकास, मानव कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण का अंक विभाजन समझना

चाहिए। प्रत्येक इकाई को संतुलित रूप से तैयार करने से किसी भी प्रकार के प्रश्न का उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिया जा सकता है।

प्रस्तुति से बनता है प्रभाव

जीव विज्ञान में उत्तर की गुणवत्ता के साथ उसकी प्रस्तुति भी अहम होती है। साफ-सुथरे चित्र, स्पष्ट लेबलिंग और व्यवस्थित लेखन उत्तर को प्रभावशाली बनाते हैं। विशेष रूप से जनन इकाई से जुड़े चित्रों का नियमित अभ्यास विद्यार्थियों के लिए लाभकारी साबित होता है।

समय प्रबंधन से घटेगा दबाव

रजनी श्रीवास्तव ने सलाह दी कि परीक्षा के दौरान पहले सरल प्रश्न हल करें और बाद में जटिल प्रश्नों पर ध्यान दें। लंबे उत्तर लिखने से पहले मुख्य बिंदु तय कर लेना चाहिए। शब्द सीमा, प्रश्न संख्या और अनुभाग का सही अंकन परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन की कुंजी है। उन्होंने विश्वास जताया कि नियमित अध्ययन, प्रयोगात्मक अभ्यास और संतुलित समय प्रबंधन अपनाने वाले विद्यार्थी निश्चित रूप से जीव विज्ञान में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सकते हैं। उनके अनुसार जीव विज्ञान केवल परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि प्रकृति और जीवन की गहरी समझ प्रदान करने वाला विज्ञान है।

प्रेरणादायी व्यक्तित्व, समर्पित शिक्षिका

पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, झालू की जीव विज्ञान प्रवक्ता रजनी श्रीवास्तव शांत, अनुशासनप्रिय और प्रेरक शिक्षिका के रूप में जानी जाती हैं। वे छात्राओं में आत्मविश्वास जगाने, वैज्ञानिक सोच को विकसित करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मजबूत शैक्षणिक आधार तैयार करने में निरंतर प्रयासरत रहती हैं।उनका मानना है कि जीव विज्ञान केवल परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि जीवन और प्रकृति को समझने की सशक्त कुंजी है।

लूट और फायरिंग की घटना अफवाह

नांगल सोती। क्षेत्र के दो होमगार्ड बीती रात्रि करीब आठ बजे भागूवाला की कोटावाली नदी पर ड्यूटी के लिए जा रहे थे।

मंडावली मुख्य मार्ग से सराय आलम के बीच नहर पटरी मार्ग पर तीन नकाबपोश बदमाशों ने उनकी बाइक को रोक लिया। होमगार्ड ने शोर मचाया तो बदमाशों ने भागते समय हवाई फायरिंग की। उधर इसी जगह बदमाशों ने नांगल सोती निवासी सुधांशु जोशी से भी सात सौ रुपए नगदी लूट ली। सुधांशु किसी की बाइक के लिए तेल लेकर जा रहे था। सूचना पर सीओ नितेश प्रताप सिंह व थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौर ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच की।

उधर थानाध्यक्ष ने बदमाशों द्वारा लूटपाट व फायरिंग की घटना से इंकार करते हुए बताया कि सुधांशु द्वारा पीआरवी पर झूठी लूट की सूचना दी गई थी।

उधर सीओ नितेश प्रताप सिंह ने बताया कि होमगार्डों द्वारा उन्हें बताया गया है कि उनके साथ कोई घटना घटित नहीं हुई है। कांवड़ यात्रा को देखते हुए गुलदार प्रभावित क्षेत्र होने के कारण पुलिस द्वारा जगह-जगह पटाखे छोड़े जा रहे हैं। उधर पूरी रात लूट की घटना की चर्चा आम होती रही। पुलिस पूरी घटना को अफवाह बता रही है।

आशा संगनियों को एचआईवी की जानकारी

संक्रमण के कारण, लक्षण और बचाव पर विस्तृत चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

धामापुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशानुसार आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 'संपूर्ण सुरक्षा केंद्र' अभियान के अंतर्गत एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की आशा संगिनियों को एचआईवी और क्षय रोग के प्रति जागरूक करने एवं समाज में सही जानकारी फैलाने हेतु प्रशिक्षित किया गया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकित कुमार ने बताया कि एचआईवी अब कोई जानलेवा हौवा नहीं है। यदि समय पर इसकी जांच और नियमित एआरटी दवा का सेवन किया जाए, तो मरीज एक सामान्य और लंबा जीवन जी सकता है। उन्होंने आशा संगिनियों को ग्रामीण

क्षेत्रों में जांच के प्रति हिचक को दूर करने के लिए प्रेरित किया।

सीनियर लैबोरेटरी ट्यूबरकुलोसिस सुपरवाइजर विकास डबर ने टीबी और एचआईवी के बीच संबंध पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एचआईवी ग्रसित व्यक्तियों में टीबी का खतरा अधिक होता है, इसलिए दोनों की समय पर जांच अनिवार्य है। साथ ही उन्होंने सरकारी स्तर पर उपलब्ध मुफ्त जांच सुविधाओं की जानकारी दी।

एचआईवी काउंसलर प्रियंका ने परामर्श के महत्व को समझाते हुए बताया कि संपूर्ण सुरक्षा केंद्र पर होने वाली सभी जांचें एवं सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं। उन्होंने एचआईवी के संक्रमण के कारणों एवं उससे बचाव के उपायों पर भी विस्तार से जानकारी दी।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य आशा संगिनियों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक जागरूकता पहुंचाना है, ताकि एचआईवी पीड़ितों के प्रति भेदभाव समाप्त हो। लोग स्वेच्छा से जांच के लिए आगे आएं। टीबी एवं एचआईवी मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित कर्मियों ने जागरूकता अभियान को सफल बनाने की शपथ ली। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आशाओं में पूजा रानी, संगीता, पूनम रानी, मीणा, शालिनी रानी, यशोदा शर्मा, सविता सैनी, अलका, अनीता रानी, शकील, फरहानाज आदि शामिल रही।

कांग्रेस की मनरेगा बचाओ संग्राम यात्रा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। जिला कांग्रेस कमेटी ने केंद्र सरकार के मनरेगा योजना पर हमलों के विरोध और ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए मनरेगा बचाओ अभियान के तहत पदयात्रा का आयोजन किया।

प्राप्त समाचार के अनुसार पदयात्रा ग्राम शादीपुर, इलाचीपुर, बरूकी, बेगावाला, पेंडी व रशीदपुर गढ़ी से होकर जनपद मुख्यालय में संपन्न हुई। जिसमें हजारों की संख्या में ग्रामीण मजदूर, किसान और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पदयात्रा का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती हैनरीता राजीव सिंह और जिला यात्रा समन्वयक परवेज आरिफ उर्फ टिटू ने किया। पदयात्रा के दौरान ग्रामीणों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। ग्रामीण सड़कों पर उतर

आए और नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए मनरेगा योजना की महत्ता और इस पर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे कथित हमलों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। ग्रामीण मजदूरों ने बताया कि मनरेगा उनके परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है और इसे कमजोर करने के प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नष्ट कर देंगे। जिलाध्यक्ष श्रीमती हैनरीता राजीव सिंह ने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की रीढ़ है। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना को कमजोर करने के प्रयास बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। कांग्रेस पार्टी मजदूरों के हक के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक परवेज आरिफ उर्फ टिटू ने भी यात्रा में भाग लेते हुए सरकार से मांग की कि मनरेगा योजना को मजबूत बनाया जाए, बजट बढ़ाया जाए और मजदूरों को समय पर मजदूरी दी जाए।

शिव भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन

नूरपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों ने शिव भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया। भंडारे का आयोजन शिव भक्तों ने फीता काट कर किया। उनके ठहरने के लिए टेंट का तम्बू बनाकर व्यवस्था की गई। शिव भक्त महादेव के नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लाक अध्यक्ष अमरपाल सिंह, मास्टर देवेंद्र सिंह, अनिक चौधरी, मोनू चौधरी, अशोक धनकड़ प्रधान, सचिन प्रधान, सूर्य प्रताप सिंह, पदम सिंह, कपिल मलिक, श्रषभ मलिक, गोलू मलिक आदि ने सहयोग किया।

कन्या इंटर कालेज में विदाई समारोह

धामपुर। कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 12 की छात्राओं के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शिक्षिका सविता रानी एवं नीरज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके अनुशासन, परिश्रम और विद्यालय के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास, ईमानदारी और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को हराया

जिम्बाब्वे ने किया बड़ा उलटफेर

● दो विकेट पर 169 रन का स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 19.3 ओवर में 146 रन पर ढेर किया

कोलम्बो, वार्ता। ब्लेसिंग मुजारबानी (17 रन पर चार विकेट) और ब्रेड इवांस (23 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को शुक्रवार को 23 रन से हराकर टी 20 विश्व कप का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। जिम्बाब्वे ने दो विकेट पर 169 रन का स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 19.3 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दिया। उन्होंने 2007 टी-20 विश्व कप में ताकतवर ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया था और अब 2026 में उन्हें एक बार फिर हराया है। ब्लेसिंग मुजारबानी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कोलंबो का आर प्रेमदासा स्टेडियम जिम्बाब्वे के खुश चेहरों से भरा हुआ था, जबकि ऑस्ट्रेलियाई सपोर्टर्स समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी टीम यह गेम कैसे हार गई। उन्हें बैटिंग करने के लिए कहा गया, उन्होंने 2 विकेट पर 169 रन बनाए और यह स्कोर उन्हें 23 रन से जीतने के लिए काफी था। ब्लेसिंग मुजारबानी और ब्रैड इवांस ने नई बॉल से शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया के टॉप-ऑर्डर को चकनाचूर कर दिया। इंगलिस डीप में कैच आउट हुए, ग्रीन और टिम डेविस डक आउट हुए और ट्रैविस हेड बोल्ड हुए, जिससे टीम का स्कोर 29 रन पर 4 विकेट रह गया। ग्लेन मैक्सवेल (31) और मैट रेनशॉ (65) ने 5वें विकेट के लिए 77 रन जोड़कर अपनी टीम को गेम में वापस ला दिया। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा क्रैम्प्स के कारण आउट हो गए और ऐसा लगा कि यह पल हाथ से निकल गया। लेकिन रयान बर्ल एक ओवर करने आए और उन्होंने मैक्सवेल को आउट किया, स्टोइनिस - जो दिन में पहले चोटिल हो गए थे - सस्ते में आउट हो गए और लोअर-ऑर्डर बिखर गया, जबकि जरूरी रन रेट बढ़ गया था। रेनशॉ लड़ते रहे, लेकिन इवांस और मुजारबानी ने वापसी करके मैच को फिनिशिंग टच दिया। जिम्बाब्वे क्रिकेट के इतिहास में यह एक मशहूर दिन था, उन्होंने हालात को बेहतर ढंग से समझा, उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और दो पॉइंट्स लेकर चले गए। इससे पहले जिम्बाब्वे की पारी में ब्रायन बेनेट ने सर्वाधिक नाबाद 64 रन बनाए।

आईसीसी ने आयरलैंड, जिम्बाब्वे टी-20 विश्व कप टीम में रिप्लेसमेंट को मंजूरी दी

● आयरलैंड ने पॉल स्टर्लिंग की जगह सैम ऑपिंग को शामिल किया जबकि जिम्बाब्वे टीम में ब्रेंडन टेलर की जगह बेन करन को शामिल किया

चेन्नई, वार्ता। आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की इवेंट टेक्निकल कमिटी ने शुक्रवार को आयरलैंड और जिम्बाब्वे टीम में रिप्लेसमेंट को मंजूरी दे दी। आयरलैंड टीम में पॉल स्टर्लिंग की जगह सैम टॉपिंग को शामिल किया गया, जबकि जिम्बाब्वे टीम में ब्रेंडन टेलर की जगह बेन करन को शामिल किया गया। 9 फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच के दौरान दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद टेलर के बाहर होने पर करन को रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था। किसी खिलाड़ी की जगह लेने के लिए इवेंट टेक्निकल कमिटी की मंजूरी जरूरी है, तभी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल किया जा सकता है। विश्व कप की इवेंट टेक्निकल कमिटी में वसीम खान (चेयर, आईसीसी जनरल मैनेजर - क्रिकेट), गौरव सक्सेना (आईसीसी जनरल मैनेजर - इवेंट्स और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, आईबीसी रिप्रेजेंटेटिव), हेमांग अमीन (टूर्नामेंट डायरेक्टर, होस्ट रिप्रेजेंटेटिव) और शॉन पोलक (इंडिपेंडेंट नॉमिनी) शामिल हैं।

टॉपिंग टी-20 वर्ल्ड कप के लिए आयरलैंड टीम में स्टर्लिंग की जगह लेंगे

चेन्नई, वार्ता। आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की इवेंट टेक्निकल कमिटी ने शुक्रवार को आयरलैंड टीम में पॉल स्टर्लिंग की जगह सैम टॉपिंग को शामिल करने की मंजूरी दे दी। 11 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आयरलैंड के मैच के दौरान फील्डिंग करते समय घुटने के लिगामेंट में चोट लगने के कारण स्टर्लिंग के बाहर होने के बाद टॉपिंग को रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था। किसी खिलाड़ी की जगह लेने के लिए इवेंट टेक्निकल कमिटी की मंजूरी जरूरी है, तभी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल किया जा सकता है।

संक्षिप्त खेल समाचार

आई-लीग का नाम बदलकर इंडियन फुटबॉल लीग किया

नई दिल्ली, वार्ता। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने गुरुवार को घोषणा की कि 2025-26 सीजन से आई-लीग को इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) के तौर पर रीब्रांड किया गया है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक घोषणा में कहा कि एआईएफएफ एजीक्यूटिव कमेटी ने 12 फरवरी, 2026 को हुई अपनी मीटिंग में, 2025-26 सीजन से आई-लीग को इंडियन फुटबॉल लीग के तौर पर रीब्रांड करने को मंजूरी दे दी है। बयान में आगे कहा गया कि कमेटी ने इंडियन सुपर लीग और इंडियन फुटबॉल लीग की गवर्निंग काउंसिल के चार्टर को और मंजूरी दी। यह कदम जनवरी में हुई चर्चा के बाद उठाया गया है।

मेरी व धालीवाल की योजना 10वें ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी: हर्ष ठाकर

नई दिल्ली, वार्ता। कनाडा के मध्यम क्रम के बल्लेबाज हर्ष ठाकर ने शुक्रवार को कहा कि मेरी और नवनीत धालीवाल की योजना 10 ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी और कोच का भी यहीं मैसेज था। कनाडा के बल्लेबाज ठाकर ने पहली पारी के बाद कहा कि मुझे लगता है कि हमारा स्कोर बराबर है, यहां 150 बुरा नहीं है। जब आप बैक ऑफ लेंथ गेंदबाजी करते हैं, तो गेंद थोड़ी रुकती है और थोड़ी टू-पेस खेलती है। मेरी और धालीवाल की योजना 10वें ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी और कोच का यही मैसेज था। जाहिर है, एक टी-20 मैच में, आपको पॉजिटिव रहना होता है। मैंने अपनी पहली कुछ गेंदों पर थोड़ा समय लिया, लेकिन एक बार जब मैं जम गया, तो मैं और अधिक आक्रामक तरीके से खेल पाया। उन्होंने कहा कि जब आप पर दबाव में होते है तो आपको शांत बनाए रखना होता हैं।

हनी बैसोया ने जीता डीपी विश्व प्लेयर्स चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली, वार्ता। हनी बैसोया ने नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में खेले गए 1.5 करोड़ रुपये की डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026 में आखिरी दिन शुक्रवार को पांच-अंडर 65 के स्कोर के साथ तीन शॉट की जीत दर्ज करते हुए हफ्ता शानदार तरीके से खत्म किया। हनी बैसोया (63-65-64-65), जो रात भर पांच शॉट से आगे चल रहे थे, ने चौथे राउंड में एक बोगी के मुक.ाबले छह बर्डी बनाकर बढ़त हासिल की और हफ्ते का कुल स्कोर 23-अंडर 257 कर लिया और इस तरह टाइटल के लिए उनका पांच साल का इंतजार खत्म हो गया। यह 29 साल के हनी की आठवीं प्रोफेशनल जीत थी। बैसोया ने 22,50,000 रुपये का विनिग चेक जीता, और 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान से पहले स्थान पर पहुंच गए। क्षितिज नवीद कौल (62-71-65-62), जो रात भर तीसरे स्थान पर थे और लीड से छह शॉट पीछे थे, ने इस हफ्ते दूसरी बार 62 का स्कोर किया, जो पिछले दिन का सबसे कम स्कोर था, जिससे वे एक स्थान ऊपर उठे और टूर्नामेंट का अंत 20-अंडर 260 के साथ रनर-अप के तौर पर किया। वीर अहलावत (65-67-66-65) ने अपने चौथे राउंड में 65 के स्कोर के बाद 17-अंडर 263 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। हनी ने जीत के बाद कहा, ष्इतने लंबे समय के बाद विनर सर्कल में वापस आकर मैं बहुत खुश हूं। आज कोर्स पर मेरा दिन बहुत अच्छा रहा। भले ही, मैंने ओवरनाइट पांच शॉट की लीड ली थी, मुझे पता था कि मुझे फाइनल राउंड में बहुत अच्छा खेलना होगा, क्योंकि वीर और क्षितिज, जो मेरा पीछा कर रहे थे, अपने दिन बहुत कम स्कोर करने में सक्षम हैं और उन्हें कभी भी कम नहीं आंका जा सकता।

पाक के खिलाफ खेल सकते हैं अभिषेकः वरुण

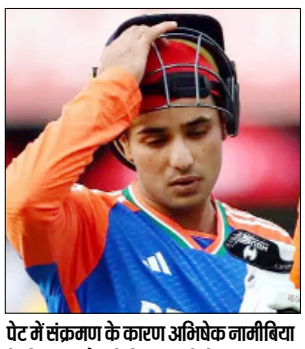

पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक नामीबिया के खिलाफ मैच में हिस्सा नहीं ले पाए

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का मानना है कि रविवार को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले भारत के महत्वपूर्ण मैच में अभिषेक शर्मा वापसी कर सकते हैं। पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक नामीबिया के खिलाफ मैच में हिस्सा नहीं ले पाए थे। इससे पहले दिल्ली पहुंचने पर जांच के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती भी होना पड़ा था। हालांकि बाद में वह डिस्चार्ज भी हो गए और नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले मैदान में भी थे। वहीं विश्व कप में उनका डेब्यू कुछ खास नहीं था था और वह अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में शून्य पर आउट हो गए थे। वरुण ने कहा कि मुझे लगता है वह अगला मैच खेलेंगे।

मैं पक्का नहीं कह सकता, लेकिन जितनी मेरी उनसे बात हुई है, वह ठीक लग रहे हैं। उन्होंने आज थोड़ा अभ्यास किया। उन्होंने कहा कि वह वापसी की राह पर हैं। यह भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव के टॉस के समय दिए गए बयान से ज्यादा सकारात्मक संकेत था। उन्होंने कहा था। उन्हें एक-दो मैच लग सकते हैं, मुझे नहीं पता। मैच के बाद अर्शदीप सिंह के एक सोशल मीडिया वीडियो में भी अभिषेक दिखे, जिसमें उन्हें कहते सुना गया कि वह ठीक हैं, लेकिन उनका वजन थोड़ा कम हो गया है।

अभिषेक की गैरमौजूदगी में संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की और आठ गेंदों पर 22 रन बनाते हुए तीन छक्के जड़े। हालांकि, दूसरे ओपनर इशान किशन ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिससे संकेत मिलता है कि फिलहाल सैमसन बैक-अप ओपनर ही हैं। किशन ने शानदार अर्धशतक जड़ते हुए अपनी जगह मजबूती से पक्की कर ली है।

नामीबिया के खिलाफ भारत के ऑलराउंड प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए सूर्यकुमार यादव

● कहाः शिवम-हार्दिक पांड्या के बीच पार्टनरशिप काबिल-ए-तारीफ

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को टी-20 वर्ल्ड कप ग्रुप ए मुकाबले में नामीबिया पर 93 रन की जीत के बाद अपनी टीम के लचीलेपन और गेंदबाजी की गहराई की तारीफ की। सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि सभी के लिए काफी अच्छा खेल था। मुझे लगता है कि यह बल्लेबाजी के लिए आसान विकेट नहीं था, लेकिन जिस तरह से ईशान और संजू ने शुरुआत की, ऐसा लग रहा था कि यह एक आसान विकेट है।

उन्होंने आगे कहा कि फिर शिवम और हार्दिक के बीच पार्टनरशिप, जिस तरह से उन्होंने दो या तीन जल्दी विकेट खोने के बाद बल्लेबाजी की, मुझे लगता है कि यह बहुत तारीफ के काबिल था। गेंद थोड़ी रुक रही थी, लेकिन मैं नामीबिया के गेंदबाजों से कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहता। उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, जोश के साथ मैदान में उतरे और अपने प्लान को पूरा किया। भारत ने इशान के 24 गेंदों में 61 रन और हार्दिक पांड्या के 28 गेंदों में 52 रन की मदद से नौ विकेट पर 209 रन बनाए, जबकि नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने चार विकेट लिए। नामीबिया ने पावरप्ले में अच्छा जवाब दिया और एक विकेट पर 57 रन बना लिए। हालांकि, भारत के स्पिनरों और सीमरों ने मिलकर कंट्रोल वापस पा लिया।

वरुण चक्रवर्ती (दो ओवर में 3/7), अक्षर पटेल (तीन ओवर में 2/20) और हार्दिक (चार ओवर में 2/21) ने नामीबिया को 18-2 ओवर में 116 रन पर आउट कर दिया। सूर्यकुमार ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को अपने पूरे चार ओवर फेंकते देखना एक बड़ा प्लस पॉइंट था। उनका टीम में वापस आना अच्छा है। वह अगले मैच के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने स्पिन कॉम्बिनेशन की भी तारीफ की। जिस तरह से वरुण अक्षर के साथ पार्टनरशिप में बॉलिंग करते हैं, मुझे लगता है कि यह कॉम्बिनेशन खेलना मुश्किल है। टीम के अब तक के कैंपेन पर बात करते हुए, कप्तान ने कहा कि ठीक वही जो आप आगे बढ़ने के लिए देख रहे हैं। हर गेम जरूरी है। हमने थोड़ी खराब शुरुआत की, लेकिन मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं। दो मैचों में दो जीत के साथ, भारत ग्रुप ए में टॉप पर है, नेट रन रेट पर पाकिस्तान से आगे।

डी मिनौर ने फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

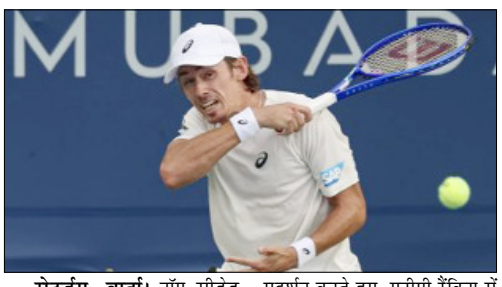

रोटर्डम, वार्ता। टॉप-सीडेड ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर ने गुरुवार को इनडोर हार्ड-कोर्ट इवेंट में 2015 के चैंपियन स्टेन वावरिका को 6-4, 6-2 से हराकर लगातार पांचवें साल क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई और तीन बार के चैंपियन रोजर फेडरर के उस स्टेज पर लगातार पहुंचने के रिकॉर्ड की बराबरी की। एटीपी 500 के पिछले दो एडिशन के फाइनलिस्ट, डी मिनौर ने इस साल के फील्ड में किसी से भी ज्यादा जीत (15) हासिल की हैं। स्विस वाइल्ड कार्ड वावरिका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए, एटीपी रैंकिंग में नंबर 8 खिलाड़ी ने अपनी लगातार बॉलस्ट्राइकिंग से 40 साल के खिलाड़ी को गलतियां करने पर मजबूर किया, जिससे दोनों की हेड2हेड सीरीज में स्कोर 2-0 हो गया। डी मिनौर ने 2023 की शुरुआत से अब तक एटीपी 500 इवेंट्स में 50 जीत दर्ज की हैं, जिसमें अकापुल्को (2023, 2024) और वाशिंगटन (2025) में उस लेवल पर ट्रॉफी जीती हैं। रोटर्डम में अपना टाइटल जीतने का मौका खत्म करने के मकसद से, वह अगला मैच बोटिक वैन डे जैंडशुल्प से खेलेंगे। डचमैन वैन डे जैंडशुल्प ने 2022 के फाइनलिस्ट सितसिपास को 6-4, 7-6(4) से हराकर पहली बार रोटर्डम में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई। वह एटीपी 500 में आखिरी आठ में पहुंचने वाले चौथे एक्टिव डचमैन हैं।

दूसरे सीड और वर्ल्ड नंबर 6 फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे अपने साथी टॉप 10 स्टार डी मिनौर के साथ रोटर्डम में आखिरी आठ में शामिल हुए, उन्होंने हमाद मेडजेडोविच के खिलाफ एक मुश्किल दूसरे राउंड को पार किया। ऑगर-अलियासिमे, जिन्होंने रविवार को मोंटपेलियर में एक इनडोर एटीपी 250 ट्रॉफी जीती थी, ने 6-4, 6-4 से जीत हासिल की व अपनी जीत का सिलसिला छह मैचों तक बढ़ाया।

शेल्टन क्वार्टरफाइनल में, डिफेंडिंग चैंपियन शापोवालोव भी आगे बढ़े

डलास, वार्ता। बेन शेल्टन ने गुरुवार को नेक्सो डलास ओपन में फ्रेंच लेफ्टी एड्रियन मानेरिनो के कड़े मुकाबले का सामना किया और जीत हासिल कर अपने 25वें टूर-लेवल क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। एटीपी रैंकिंग में नंबर 9 के खिलाड़ी शेल्टन ने शानदार शॉटमेकिंग से भरे एक उतार-चढ़ाव वाले मुकाबले में मानेरिनो को 7-6(2), 6-7(4), 6-3 से हराया। पिछले हफ्ते मोंटपेलियर में फाइनलिस्ट मानेरिनो ने शेल्टन की फायरपावर को अच्छे से झेला, जिसका सबसे अच्छा प्रदर्शन पहले सेट के टाई-ब्रेक के शुरुआती पॉइंट पर 29-शॉट की रैली के दौरान हुआ, लेकिन दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने दो घंटे और 40 मिनट के बाद आगे बढ़ने के लिए जरूरी मौकों पर अपना लेवल बढ़ाया। शेल्टन का अगला मुकाबला सर्बिया के मिओमिर केकमानोविच से होगा, जिन्होंने दिन के आखिरी मैच में पांचवीं सीड टॉमी पॉल को हराया था। केकमनोविच ने पॉल के खिलाफ 5-7, 6-4, 6-4 से जीत के साथ सीरीज में 4-2 की बढ़त बना ली।

न्यूजीलैंड-द. अफ्रीका मैच में होगी दिग्गजों की टक्कर

ग्रुप डी के इस मुकाबले में दोनों टीमें बिना हारे पहुंची है, दोनों ने दो-दो मैच जीते हैं

अहमदाबाद, वार्ता। रिकॉर्ड दांव पर लगे हैं, लेकिन न हारने वाली बड़ी टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर होगी, और बैटिंग के स्वर्ग में ओस के नीचे लक्ष्य का पीछा करने का ड्रामा होगा।

शनिवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फैंस को यही इंतजार रहेगा, जब न्यूजीलैंड विश्व कप के ग्रुप डी के एक बड़े मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। दोनों टीमें बिना हारे पहुंची हैं, दोनों ने दो-दो मैच जीते हैं, जिससे टॉप स्पॉट की रेस में यह एक अहम मुकाबला बन गया है। न्यूजीलैंड इस मैच में जबरदस्त फॉर्म में है, फिन एलन और टिम सीफर्ट के बीच ऐतिहासिक ओपनिंग पार्टनरशिप की बदौलत। यूएई के खिलाफ, दोनों ने नाबाद 175 रन की पार्टनरशिप की, जो टी-20 क्रिकेट इतिहास में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप है, और टीम ने सिर्फ 15-2 ओवर में 174 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। एलन, जो बिग बैश लीग 2025-26 के रन चार्ट में 11 मैचों में 466 रन बनाकर टॉप पर थे, ने 168 के स्ट्राइक रेट से 50 गेंदों में 84 रन बनाकर अपनी खतरनाक फॉर्म जारी रखी है, जबकि सीफर्ट ने 211-9 की स्ट्राइक रेट से 42 गेंदों में 89 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिशेल की लीडरशिप में मिडिल ऑर्डर में गहराई और अग्रेसन है, जो मोमेंटम बनाए रखने और गेम को अधिकार के साथ खत्म करने में सक्षम है।

न्यूजीलैंड का बॉलिंग अटैक एक बैलेंस्ड यूनिट है, जिसमें मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन और जैकब डफी पेस की अगुआई करते हैं, जबकि स्पिनर मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र बीच के ओवरों में ब्रेकथ्रू दिलाते हैं। कीवी टीम टॉप पर विस्फोटक बैटिंग के साथ भरोसेमंद बॉलिंग को जोड़ती है, जो उन्हें इस टूर्नामेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ड्रामे से अनजान नहीं है। अफगानिस्तान के खिलाफ एक रोमांचक मुक.ाबले में, प्रोटियाज ने दबाव में जबरदस्त धैर्य दिखाते हुए डबल सुपर ओवर में भी जीत हासिल की। क्विंटन डी कॉक ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीन मैचों में 149 रन बनाकर टॉप पर लीड किया है, जबकि रयान रिकेल्टन अफगानिस्तान के खिलाफ 28 गें. दों पर 61 रन बनाकर अग्रेसिव और फॉर्म में रहे हैं। एडेन मार्करम और डेविड मिलर बीच में स्टेबिलिटी देते हैं, लेकिन प्रोटियाज का मिडिल ऑर्डर अभी भी कमजोर नजर आता है।

बॉलिंग की कमान लुंगी एनगिडी के हाथ में है, जिन्होंने दो मैचों में सात विकेट लिए हैं, उनका साथ मार्को यानसन और कगिसो रबाडा दे रहे हैं। स्पिन ऑप्शन केशव महाराज और जॉर्ज लिंडे का पिच पर कम असर पड़ा है, जिससे टर्न बहुत कम मिलता है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बैटिंग के लिए स्वर्ग है, जो फ्लैट है, जिसमें सही बाउंस और तेज आउटफील्ड है। 200 से ज्यादा के हाई स्कोर आम हैं, खासकर लाइट्स में, जबकि शाम को ओस चेज करने वाली टीम के लिए फायदेमंद होती है, जिससे टॉस एक जरूरी फैक्टर बन जाता है। साफ आसमान, 22 सेल्सियस और 33सेल्सियस के बीच टेम्परेचर और हल्की हवाओं के साथ, हाई-ऑक्टेन मुकाबले के लिए कंडीशन आइडियल हैं। इस मैच में धमाकेदार ओपनर, मजबूत मिडिल ऑर्डर और स्ट्राइक बॉलर लाइट्स में भिड़ेंगे। रिकॉर्ड टूट सकते हैं, टेंशन बढ़ सकती है, और एक टीम टूर्नामेंट में शुरू में ही साइकोलॉजिकल बढ़त हासिल कर लेगी। स्ट्रोक बनाने के लिए बनी पिच पर और ओस के साथ जो टीम बाद में बैटिंग करती है, न्यूजीलैंड की फायरपावर उन्हें दो अजेय हैवीवेट टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबले में थोड़ी बढ़त दिलाती है।

72 द लीग के लिए 170 प्रोफेशनल गोल्फर नीलाम होंगे

नई दिल्ली, वार्ता। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के टॉप 170 प्रोफेशनल गोल्फर भारत में प्रोफेशनल गोल्फ में अपनी तरह के पहले ऑक्शन में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, पीजीटीआई की 72 द लीग ने आज यह घोषणा की। 11 अलग-अलग देशों के जाने-माने प्रोफेशनल सोमवार, 16 फरवरी को राजधानी में नीलाम होंगे, जिसमें 72 द लीग के पहले एडिशन के लिए जबरदस्त एक्शन होने की उम्मीद है। लीग में गोल्फर्स के लिए कुल 60 जगहें होंगी, क्योंकि छह फ्रेंचाइजी अपनी-अपनी टीमों के लिए 10-10 गोल्फर्स चुनेंगी, जिससे कुल 6 करोड़ रुपये की नीलामी होगी। भारत की पहली एक्सक्लूसिव नेशनल प्रोफेशनल गोल्फ लीग - 72 द लीग - 21 फरवरी 2026 को शुरू होगी। इस लीग को पीजीटीआई ने गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्सके साथ पार्टनरशिप में लॉन्च किया है, जिसका फाइनल 6 मार्च 2026 को होगा।

रियान पराग राजस्थान रॉयल्स के कप्तान बने

जयपुर, वार्ता। रियान पराग को आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स का कप्तान बनाया गया है, जो संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में जाने के बाद फ्रेंचाइजी के लिए एक नए युग की शुरुआत है। पराग, जिन्होंने 2019 में आईपीएल में डेब्यू किया था, ने अपने सभी सात सीजन रॉयल्स के साथ बिताए हैं। पिछले साल जब सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तो उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी, जिसमें दो जीत और छह हार मिली थीं, जिससे टीम नौवें स्थान पर रही थी। हालांकि यह समय मुश्किल साबित हुआ, पराग ने बल्ले से प्रभावित किया, उन मैचों में 38-57 का औसत बनाया, जिसमें ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करियर की सबसे अच्छी 95 रन की पारी भी शामिल है। कुल मिलाकर, पराग ने 84 आईपीएल मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 141-84 के स्ट्राइक रेट से 1566 रन बनाए हैं। उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2024 में आया, जब उन्होंने 149-21 के स्ट्राइक रेट से 573 रन बनाए। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने और भी तेज 166-52 की औसत से रन बनाए थे, लेकिन उनका कुल स्कोर घटकर 393 रह गया, जिसमें सिर्फ एक हाफ-सेंचुरी शामिल थी। 2025 सीजन के बाद राहुल द्रविड़ के भी हेड कोच के तौर पर जाने के साथ, रॉयल्स आईपीएल 2026 में एक नई लीडरशिप जोड़ी के साथ उतरेगी, क्योंकि कुमार संगकारा पराग के साथ कमान संभालेंगे, जो फ्रेंचाइजी के लिए एक नया अध्याय होने का वादा करता है।

परंपरागत तरीके से मनाएं त्यौहार:मनीष

डीएम ने एसएसपी अभिनंदन सिंह के साथ रमजान, ईद व महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को लेकर की बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने रमजान, ईद एवं महाशिव. रात्रि पर्व को आपसी सौहार्द के साथ मनाकर जनपद की गंगा जमुनी तहजीब को बनाये रखने का आहवान किया।

जिलाधिकारी कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में रमजान माह एवं ईद के पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियोंए संभ्रांत नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपसी सौहार्द को बनाये रखते हुये मिलजुलकर एकदूसरे का सहयोग करते हुए पर्व को मनायें। यह क्षेत्र हमेशा से आपसी भाईचारा व गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल रहा है। सभी धर्म अमन और शांति का संदेश देते हैं। अगर कहीं पर कोई समस्या या विवाद है तो जिला प्रशासन को अवगत कराएं। समय रहते ही समस्या का उचित निस्तारण किया जाएगा। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे दूसरे की धार्मिक भावनाएं आहत हों। अनावश्यक रूप से कोई नई परंपरा न डालें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी

अधिकारी अपनी अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्बाध विद्युत एवं जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ साफ.सफाई की बेहतर व्यवस्था की जाए। मस्जिदों के आस.पास की साफ.सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए।

जिलाधिकारी ने धार्मिक गुरूओं के माध्यम से आस-पास स्थित मस्जिद में नमाज अदा करने अपील की तथा उन्होने कहा कि परम्परागत तरीके से मनाये जाये त्यौहार इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय के आवाज के दृष्टिगत दिये गये निर्देशों के अक्षरश: पालन करने को कहा। उन्होने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत भी अभ्यर्थियों को कोई असुविधा न हो इसका ध्यान रखा जाये। उन्होने धार्मिक गुरूओं से अपील की कि मस्जिद की क्षमता के अनुसार ही नमाज अदा हो जिससे नमाजियों को अनावश्यक रूप से कोई दिक्कत न आये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने कहा कि शांति को भंग करने वालो को चिन्हित कर उनकी जानकारी पुलिस को दी जाये ताकि इन पर कार्यवाही की जा सके। उन्होने सोशल मीडिया को लेकर कहा कि बिना सोचे समझे संदेश को फारवर्ड न करें। उन्होंने प्रमुख मन्दिरों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी उपस्थित रहें। आबकारी विभाग को निश्चित समय तक दुकानों को खोलने एवं बन्द करने, ओवर रेटिंग न हो तथा त्यौहारों के दृष्टिगत ज्वाइंट टीम बनाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये।

मनीष बंसल ने होलिका दहन की तैयारियों को लेकर समितियों से बात करने तथा स्थलों को निरीक्षण करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि इस तथ्य का भी ध्यान रखा जाये कि होलिका दहन स्थल ट्रासंफार्मर के आस-पास न हो।

इस अवसर पर एस पी देहात सागर जैन, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संतोष बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व) सलिल कुमार पटेल, अपर नगर आयुक्त, नगर मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह, सभी उप जिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा जामा मस्जिद प्रबंधक मौलवी फरीद मजाहिरी, पूर्व मंत्री सरफराज खान, महेंद्र तनेजा, ब्रित चावला, राजेश जैन, दलजीत कोचर, आमिर खान आदि मौजूद रहे।

निर्यातक औसाफ गुड्डू का खाताखेडी में भव्य स्वागत

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। खाताखेड़ी वुड कार्विंग फर्नीचर एसोसिएशन द्वारा प्रमुख निर्यातक एवं समाजसेवी ओसाफ गुड्डू हस्तशिल्प संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) की प्रबंध समिति में नामित होने पर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान ने कहा कि ओसाफ गुड्डू की यह नियुक्ति लकड़ी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। पार्षद अहमद मलिक ने उनके समाजसेवी व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमेशा से ही दस्तकारों और गरीब तबके की मदद के लिए तैयार रहते हैं। साकिब मिर्जा, ईशान अहमद अंसारी ने भी ओसाफ गुड्डू को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एक अनुभवी निर्यातक का इस पद पर होना स्थानीय व्यापारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार और टैक्स संबंधी जटिलताओं को सुलझाने में मददगार साबित होगा। खाताखेड़ी वुड कार्विंग फर्नीचर एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी सईद अहमद और सचिव परवेज मलिक, साबिर अली खान ने संयुक्त रूप से कहा कि ओसाफ गुड्डू का चयन लकड़ी कारीगरों के सुनहरे भविष्य का संकेत है।

समारोह में सह-सचिव हैदर रऊफ, हाजी सरवर, उपाध्यक्ष नजर मोहम्मद, कोषाध्यक्ष नबील आलम, हाजी अहमद, हाजी रिजवान, हाजी मोबीन, फुरकान मलिक, तारिक खान, मसी खान, साकिब, हाजी नासिर, महफूज अली, जुनैद मलिक और हाजी नईम आदि मौजूद रहे।

मेधावी सम्मानित

गंगोह। उडान इन्नोवेटिव एकेडमी में अवार्ड सेरेमनी आयोजित कर 70 मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक रंगा. रंग कार्यक्रम प्रस्तुत कियें। सम्मानित होने वालों में अर्थव सैनी, अनुवंश चौधरी, भव्य शुक्ला, मरियम, वेदांत, वंशु, माही, प्रज्ञा एकांश आदि को अतिथिगण अनिरुद्ध शर्मा, राकेश गर्ग, दीपांशु गोयल, चौ. नक्षत्रपाल, जगदीश चुग, अमर चौधरी, पदम सैनी, विशाल खटाना, शुभम चौधरी, प्रवीण मित्तल व अरविन्द कपूर, पुनीत कुमार ने शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। सहारनपुर मार्ग पर अज्ञात ऑटो द्वारा बाइक में टक्कर मारे जाने से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घंटों बाद भी पुलिस मौके पर न पहुंच पाने के बाद राहगीरों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया।

कस्बा चिलकाना के मोहल्ला जाकिर हुसैन निवासी हाजी तासीन पुत्र यामीन मरहूम अपनी बाइक पर सवार होकर सहारनपुर से चिलकाना की ओर आ रहा था। जैसे ही वह गांव दमकडी गौहर के निकट पहुंचा तभी सामने से आ रहे एक अज्ञात ऑटो ने उसकी बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार हाजी तासीन गंभीर रूप से घायल हो कर वहीं पर गिर गया।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ऑटो ने बाइक में टक्कर मारने के बाद एक ई रिक्शा को भी टक्कर मारी, जिससे ई-रिक्शा पलट गया तथा उसका चालक भी घायल हो गया तथा टक्कर मारने के बाद ऑटो चालक अपने ऑटो सहित मौके से फरार हो गया।घटना के लगभग

घटना के घंटों बाद भी घटना स्थल पर नहीं पहुंची पुलिस

एक घंटा बाद तक भी घायल हाजी तासीन वहीं पर पड़ा तड़पता रहा। जब घंटों बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची तो राहगीरों द्वारा घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उसकी हालत को गम्भीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सैंटर के लिए रैफर कर दिया।

आरोपी ने पुलिस के सामने पीड़ित को दी धमकी

सहारनपुर। प्रदेश में योगी सरकार का पुलिस को लेकर डंका बज रहा है, लेकिन सहारनपुर की कुतुबशेर पुलिस इसके उलट पीडित को न्याय दिलाने की बजाय आरोपी की धमकी का कोई असर नहीं ले रही है। जिस कारण पीडित निराश होकर मुख्यमंत्री कार्यालय में गुहार लगा रहा है।

मुजफ्फरनगर जिले के मौहल्ला खालापार निवासी शादाब खान से थाना कुतुबशेर के शुगर मिल क्षेत्र निवासी मुकुंद स्वरूप ने एक प्लाट अपना दर्शाकर दो लाख रुपये आरटीएस द्वारा बैनामे के रूप में लिये थे। बताया गया है कि मुकुंद स्वरूप ने इस प्लाट को अपना बताया था और कहा था कि वह इसका वारिश है। जब शादाब ने प्लाट का बैनामा कराने के लिये मुकुंद स्वरूप से कहा तो पता चला कि

थाना कुतुबशेर पुलिस दे रही आरोपी का साथ, पीड़ित पहुंचेगा सीएम दरबार

उस प्लाट पर न्यायालय में वाद विचाराधीन है जिसकी कोई जानकारी शादाब को नहीं थी। शादाब ने इस बाबत मुकुंद से बात की और अपना बयाना वापस करने को कहा। मुकुंद स्वरूप ने पैसा लौटाने से मना किया। जिसके बाद शादाब थाना कुतुबशेर में अपना बयाना वापस कराने के लिये प्रार्थना पत्र दिया। क्षेत्र की चौकी भैरव मंदिर में प्रार्थना पत्र पहुं. चने के बाद जब पुलिस के सामने आरोपी मुकुंद स्वरूप को बुलाया गया तो उसने कहा कि उसकी प्रोपर्टी विवादित है और अब वह लिये गये बैयाने को वापस भी नहीं करेगा। पीडित शादाब ने चौकी पर उपस्थित दरोगा से कहा कि उसे न्याय दिलाकर उसका बैयाना वापस दिलाया जाये। जिस पर पुलिस भी खामोश रही और आरोपी पुलिस के सामने ही धमकी देकर गया है कि वह अब पैसा वापस नहीं देगा और अब उसे परेशान किया तो अंजाम भुगतने के लिये तैयार रहना। पीडित शादाब ने कहा कि प्रद. श की योगी सरकार में सभी को न्याय मिल रहा है, लेकिन सहारनपुर की कुतुबशेर पुलिस उसके साथ न्याय न कर सौतेला व्यवहार कर रही है और अब वह न्याय के लिये मुख्यमंत्री से गुहार लगायेगा।

मेगा शिविर को सफल बनाने के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार के निर्देशन में न्यायालय सभाकक्ष में 22 फरवरी को आयोजित होने वाले मेगा शिविर के प्रचार-प्रसार के लिए न्यायिक अधिकारियों ने सम्बंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिला जज अभय कृष्ण तिवारी, मौ. अहमद खान, विकास गुप्ता, प्रकाश तिवारी, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष तिवारी, पूर्णकालिक सचिव पप्पू कुमार सिंह तथा सिविल जज (सीडी) अमित कुमार वर्मा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए संयुकत रूप से कहा कि सभी पीएलवी ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में जाकर मेगा शि. विर का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि पीएलवी का

मुख्य दायित्व पात्र व्यक्तियों की पहचान करना और उन्हें शिविर में पंजीकरण के लिए प्रेरित करना है ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग लाभान्वित हो सकें। बैठक के दौरान सभी पीएलवी को मेगा शिविर के प्रचार के लिए बैनर, पोस्टर और पंपलेट वितरित किए गए। बैठक में मुख्यालय सहारनपुर सहित तहसील सदर, रामपुर मनिहारान, देवबंद, बेहट एवं नकुड़ के पीएलवी (पैरालीगल वॉलेंटियर) मौजूद रहे।

ग्लोकल यूनानी मेडिकल कॉलेज में मनाया यूनानी दिवस

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। ग्लोकल विश्वविद्यालय के ग्लोकल यूनानी मेडिकल कॉलेज में यूनानी दिवस बड़े ही उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अतिरिक्त प्रतिकुलाधिपति सैयद निजामुद्दीन एवं कुलसचिव प्रोफेसर शिवानी तिवारी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिरिक्त प्रतिकुलाधिपति सैयद निजामुद्दीन ने कहा कि हमें यूनानी तिब्ब में शोध पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने यूनानी संकाय के शिक्षकों से आगे आकर इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति को आधुनिक शोध के माध्यम से और सशक्त बनाने का आह्वान किया। कुलसचिव प्रोफेसर शिवानी तिवारी ने कहा कि चिकित्सक भगवान का रूप होता है, इसलिए एक चिकित्सक का दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है, इसलिए स्मार्टनेस,

तकनीकी दक्षता और आधुनिक ज्ञान को अपने कार्य में शामिल करना अत्यंत आवश्यक है।

ग्लोकल यूनानी मेडिकल कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद कलीम ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रिंसिपल प्रो. मोहम्मद शरीफ ने विश्वविद्यालय के सभी गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। हकीम अजमल खान के जीवन एवं योगदान पर प्रोफेसर अतीकुर्रहमान द्वारा एक प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

यूनानी दिवस के उपलक्ष्य में "यूनिफेस्ट 2026" के नाम से एक सप्ताह पूर्व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शानजल तुर्की बीयूएमएस प्रथम प्रोफ.2024 की छात्रा ने स्पॉटिंग अडविया मुफरीदत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को मोमेंटो एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सना जकी रहीं। संचालन छात्रा दानिया एवं फायिजा ने किया।

इस अवसर पर डॉ. रेहान, डॉ. जावेद, डॉ. शमा, डॉ. अरशद खान, डॉ. अरशद, डॉ. गजाला, डॉ. इमलाक, डॉ. मसीहुल्लाह, डॉ. इनायतुल्लाह, डॉ. मोहम्मद अतीक, डॉ. अनम, डॉ. सुबिया, डॉ. ऐनी, डॉ. कादिर, अनवर, फिरोज, फरीद, शादाब, मिस महिमा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में वाइस प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद कलीम ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कप्तान के दरबार पहुंचा अश्लील डांस वीडियो का आरोपी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। थाना फतेहपुर क्षेत्र के गांव दतौली मुगल में कथित अश्लील डांस के वायरल वीडियो को लेकर दर्ज मुकदमे में अब नया मोड़ आ गया है। मामले में नामजद आरोपी नौशाद पुंडीर शुक्रवार को पुलिस लाइन पहुंचे और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

गौरतलब है कि गांव में आयोजित एक कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में नौशाद पुंडीर और एक अन्य आरोपी को जेल भेजा जा चुका है। वीडियो को 'बार बालाओं के डांस' से जोड़कर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

शिकायत पत्र में नौशाद ने बताया कि छह फरवरी की रात वह गांव निवासी मुस्तकीम पुत्र शकील के यहां आयोजित अकीका कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उनके मुताबिक कार्यक्रम पूरी तरह पारिवारिक और सामाजिक था। वह रात करीब 11:30 बजे पहुंचे, जहां पहले से डीजे चल रहा था। इसी दौरान किन्नर समाज के कुछ लोग शगुन मांगने के लिए कार्यक्रम में आए और डीजे की धुन पर नृत्य करने लगे।

नौशाद का आरोप है कि इसी दौरान का वीडियो नौ फरवरी का बताकर कुछ राजनीतिक द्वेष रखने वाले लोगों ने जानबूझकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उनका कहना है कि वीडियो को भ्रामक तरीके से 'बार बालाओं का डांस' बताकर प्रचारित किया गया, जिससे उनकी और उनके परिवार की सामा. जिक छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने इसे चुनावी रंजिश का हिस्सा बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद पुलिस ने उनके और उनके भतीजे गुलफान के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई की, जिससे उन्हें सामाजिक रूप से अपमानित होना पड़ा।

नौशाद ने मांग की है कि मामले की जांच किसी राजपत्रित अधिकारी या स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए और वीडियो को गलत ढंग से प्रचारित करने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो।

हादसे में तीन बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

अंबेहटा। इस्लाम नगर रोड पर शुक्रवार देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में बाइकों पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नकुड़ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, अंबेहटा पुलिस टीम और 112 डायल एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए नकुड और रामपुर मनिहारान अस्पताल भेज दिया गया।

हादसे के दौरान लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने बताया कि घायलों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। बाइकों के नंबर प्लेट से उनकी डिटेल्स निकाली जा रही हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं, जिससे टक्कर की तीव्रता ज्यादा हुई।

विशेष प्रशिक्षण शिविर का समापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जनपद के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को सामाजिक विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों में शैक्षिक गुणवत्ता संवर्धन के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

जिला विद्यालय निरीक्षक डा. अरविंद पाठक की अध्यक्षता में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित प्रशिक्षण तीन बैचों में आयोजित किया गया। सामा. जिक विज्ञान विषय में मास्टर ट्रेनर्स के रूप में राजकुमार शर्मा, जोगिंदर दास, नीरज वालिया एवं आशीष कुमार द्वारा विषयवस्तु आधारित, सहभागितापूर्ण एवं गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण सत्र संचालित किए गए।

अंग्रेजी विषय में श्रीमती करुणा कालड़ा, श्रीमती प्रीति एवं श्रीमती तोषी द्वारा भाषा दक्षता, उच्चारण, संप्रेषण कौशल एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धति पर प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए अपने अनुभव साझा किए गए। अंग्रेजी विषय में सुमित कुमार शर्मा एवं श्रीमती कुसुम लता ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं व्यवहारिक बताया। सामाजिक विज्ञान विषय में सुश्री प्रियंका शर्मा एवं अंकुश जैन ने प्रशिक्षण को ज्ञानवर्धक एवं कक्षा शिक्षण के लिए अत्यंत सहायक बताया।

समापन सत्र में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अरविंद पाठक द्वारा मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। जिला समन्वयक, समग्र शिक्षा मयंक मिश्रा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विगत चार वर्षों से निरंतर संचालित किया जा रहा है।

नगर पंचायत व ब्लॉक में निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

साढौली कदीम। अपर मंडलायुक्त रमेश यादव ने नगर पंचायत बेहट तथा ब्लॉक साढ़ौली कदीम का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

शुक्रवार को अपर मंडलायुक्त रमेश यादव ब्लॉक साढ़ौली कदीम कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने अभिलेखों को बारीकी से चौक किया। उन्होंने कर्मचारियों की सर्विस बुक और शिकायत पंजिका का निरीक्षण किया। इसके बाद विकासखंड साढ़ौली कदीम की ग्राम पंचायत हरिपुर में पहुंचे और वहां आयोजित ग्राम चौपाल का निरीक्षण किया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी योगेंद्र कुमार, सहायक विकास अधिकारी पंचायत राज राज

विभाग प्रदीप पुंडीर, सहायक विकास अधिकारी कृषि विभाग अश्वनी कुमार, सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण ललित कुमार, सहायक विकास अधिकारी आईएसबी अश्विनी कुमार शर्मा, मुख्य अकाउंटेंट राजीव शर्मा,सूरज बाबू आदि मौजूद रहे। इसके बाद उन्होंने बेहट नगर पंचायत पहुंच अभिलेखों को बारीकी से परखा और अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सहारनपुर ने कब्जाया चल वैजयन्ती का खिताब

अंतर जनपदीय पुलिस कुश्ती कलस्टर के समापन पर डीआईजी व एसएसपी ने पुरस्कृत किए खिलाड़ी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मेरठ जोन की 29वीं अंतर जनपदीय पुलिस कुश्ती क्लस्टर (कुश्ती, बॉक्सिंग, बॉडी बिल्डिंग, आर्म रेसलिंग) पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता-2026 का आज भव्य समापन हुआ।

समापन समारोह में पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने आयोजन सचिव एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन की उपस्थिति में विजेता खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में 11 फरवरी से चल रही प्रतियोगिता के आज अंतिम दिन मुख्य अतिथि डीआईजी अभिषेक सिंह ने टीमों का मान-प्रणाम स्वीकार करते हुए खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा किइस प्रकार की प्रतियोगिताएं पुलिस बल में शारीरिक दक्षता, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को

मजबूत करती हैं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सागर जैन, पुलिस अधीक्षक यातायात एवं लाइन्स शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी लाइन्स मनोज कुमार यादव, सहायक पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षु सिमरन, क्षेत्राधिकारी रवीकांत पाराशर, शशिप्रकाश शर्मा, शैलेन्द्र प्रताप गौतम, प्रिया यादव, रूचि गुप्ता, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रताप सिंह, प्रतिसार निरीक्षक बीरेन्द्र बहादुर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में चल वैजयन्ती का खिताब जनपद सहारनपुर ने जीता। कुश्ती ग्रीकोरोमन स्पर्धा पुरुष वर्ग में जनपद मेरठ, कुश्ती फ्री स्टाइल पुरुष वर्ग में जनपद बागपत तथा कुश्ती फ्री स्टाइल महिला वर्ग में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने बाजी मारी। बॉक्सिंग पुरुष वर्ग में जनपद सहारनपुर और महिला वर्ग में जनपद मेरठ विज. ता रहे। आर्म रेसलिंग पुरुष एवं महिला वर्ग तथा बॉडी बिल्डिंग पुरुष वर्ग में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में निर्णायक मंडल एवं आयोजन समिति का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सन्दीप शर्मा ने किया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 14 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

चर्चाओं में ट्रेड डील

शुक्रवार को संसद सत्र की कार्रवाई 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई है। 13 दिनों तक चली लोकसभा व राज्यसभा की कार्रवाई अधिक समय तक बाधित ही रही और बजट सत्र का 13वां दिन भी अन्य दिनों से इतर नहीं रहा और लोकसभा व राज्यसभा की कार्रवाई पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्रवाई जहां करीब दस मिनट तक चल पाई तो वहीं राज्यसभा की कार्रवाई दो घंटे तक चल पाई। वैसे भी अब लोग यह देखने के लिए आदि हो चले हैं। अब संसद में चर्चाएं कम, शोर-शराबा अधिक होता है और इस प्रवृत्ति में कोई कमी आती दिखाई नहीं दे रही है। यह भी समझना मुश्किल है कि आखिर हमारे माननीय चर्चाओं से क्यों बचते हैं। सरकार अपने कार्यों का बखान करती नहीं थकती और विपक्षी दलों को चूका हुआ बताती है। वहीं विपक्षी दल सत्ता पक्ष पर जनहित कार्यों से मुंह मोड़ने का आरोप लगाते रहते हैं। जब ये दोनों बातें अगर सही हैं तो फिर चर्चाओं से क्या भागना। माना कि चर्चा संसद में कार्रवाई सुचारू रूप से चले, इसकी जिम्मेदारी दोनों पक्षों की होती है, लेकिन सरकार को यह मानना ही पड़ेगा कि यह जिम्मेदारी उसके हिस्से में ज्यादा आती है। अमेरिका के साथ जो ट्रेड डील हुई है, निश्चित रूप से वह बेहद महत्वपूर्ण समझौता है और सरकार उसकी तारीफ भी कर रही है और बता रही है कि इस समझौते से देश में रोजगार के द्वार खुलेंगे, विशेषकर किसानों को बहुत फायदा होगा, जबकि विपक्ष ऐसा नहीं मानता। सबसे बड़ी बात यह है कि किसान भी ऐसा नहीं मानते। इस ट्रेड डील को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच संसद व संसद से बाहर भी तकरार जारी है। शुक्रवार को भी दो बयान सामने आए हैं। इसमें एक बयान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का है, जो अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते को किसानों के हित में बता रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर किसानों को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। गोयल के अनुसार अमेरिका से समझौता देश के किसानों को फायदा देगा। खेती के सामान का ज्यादा निर्यात होगा और उत्पादों की मांग बढ़ेगी, जिससे किसानों में ज्यादा खुशहाली आएगी। तो वहीं लोकसभा के परिसर में किसान संगठनों के अनेक नेताओं ने राहुल गांधी से बात की। बताया जा रहा है कि बातचीत में भारत अमेरिका अंतिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने पर चर्चा हुई। किसान नेताओं का कहना था कि मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी रोटी पर इससे प्रभाव पड़ेगा। बड़ी बात यह है कि अभी तक सरकार की तरफ से भी यह स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया कि वास्तव में यह डील किस तरह हुई है। केवल प्रशंसा ही सामने आ रही है। जाहिर है इससे भ्रम की स्थिति बनेगी, जोकि बन भी रही है और लगता है कि यह ट्रेड डील भारतीय राजनीति में काफी उथल पुथल मचाएगी।

चंद हाथों की जागीर बन चुका था कानून

आज नई परिभाषा के साथ उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है, 2017 से पहले सत्ता के संरक्षण में गुंडे और माफिया पनप रहे थे, अपराधी, अपराधी होता है, हमारी सरकार ने पहले दिन जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई थी और आज भी उसी पर कायम है, पहले कानून चंद हाथों की जागीर बन चुका था, कर्फ्यू और दंगे आम बात थे तथा पर्व-त्योहार आशंका के पर्याय बन गए थे, पहले पुलिस का मनोबल टूटा हुआ था, न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी, आज यूपी उपद्रव नहीं, उत्सव प्रदेश है, 2017 के बाद से प्रदेश में कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ और आज भय नहीं, आस्था का वातावरण है, महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है, 2 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों में 20 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया गया है।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री , उप्र

नई प्रजातियों की खोज समुद्र विज्ञान की दुनिया में एक नई उपलब्धि

एम. इमरान

हाल के वर्षों में समुद्र विज्ञान की दुनिया में एक अद्भुत उपलब्धि सामने आई है, जब प्रशांत महासागर की गहराइयों का अन्वेषण कर रहे शोधकर्ताओं ने लगभग 800 नई प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया। यह खोज केवल वैज्ञानिक उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि पृथ्वी पर जीवन की विविधता और उसकी जटिलता को समझने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है और इसका अधिकांश हिस्सा महासागरों से बना है। इनमें भी प्रशांत महासागर, जो विश्व का सबसे बड़ा और सबसे गहरा महासागर है, अपनी रहस्यमई गहराइयों के कारण लंबे समय से वैज्ञानिकों को आकर्षित करता रहा है। अब जब आधुनिक तकनीक, गहरे समुद्र में उतरने वाले स्वचालित यंत्र और उन्नत कैमरों की सहायता से इन गहराइयों तक पहुंचना संभव हुआ है, तब समुद्री जीवन के अनदेखे संसार की परतें खुलनी शुरू हुई हैं।

प्रशांत महासागर की गहराइयों में स्थित समुद्री तल, जिसे सीबेड कहा जाता है, अत्यंत कठोर और चुनौतीपूर्ण वातावरण प्रस्तुत करता है। यहां सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंचता, तापमान अत्यंत कम होता है और जल का दबाव इतना अधिक होता है कि सामान्य जीवों का वहां जीवित रह पाना लगभग असंभव प्रतीत होता है। फिर भी जीवन ने इन विषम परिस्थितियों में भी अपने लिए स्थान बना लिया है। शोधकर्ताओं ने जिन 800 नई प्रजातियों को दर्ज किया है, उनमें विभिन्न प्रकार के स्पंज, कोरल, केंचुए जैसे जीव, अजीब आकार की मछलियां, सूक्ष्म जीव, समुद्री तारे, झींगा और कई प्रकार के अकशेरुकी जीव शामिल हैं। इन जीवों की बनावट, रंग और व्यवहार इतने अनोखे हैं कि वे मानो किसी दूसरे ग्रह से आए हुए प्रतीत होते हैं।

यह खोज मुख्य रूप से गहरे समुद्र में खनिज संसाधनों की संभावित खोज के दौरान किए गए सर्वेक्षणों के माध्यम से सामने आई। जब वैज्ञानिकों ने समुद्री तल का मानचित्रण करना प्रारंभ किया, तब उन्हें वहां जीवन की अप्रत्याशित विविधता देखने को मिली। इन अभियानों में स्वचालित पनडुब्बियों, रोबोटिक आर्म से युक्त रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स और उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरों का उपयोग किया गया। इन उपकरणों ने हजारों मीटर की गहराई में जाकर तस्वीरें और नमूने एकत्र किए। बाद में प्रयोगशालाओं में इन नमूनों का विश्लेषण कर यह पाया गया कि इनमें से सैकड़ों जीव विज्ञान के लिए पूर्णत: नए हैं।

नई प्रजातियों की खोज का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हमने पृथ्वी पर जीवन के नए रूप देखे हैं, बल्कि इस तथ्य में भी है कि ए प्रजातियां समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गहरे समुद्र के जीव कार्बन चक्र, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और समुद्री खाद्य श्रंखला में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यदि इन क्षेत्रों में बिना पर्याप्त अध्ययन के खनन या अन्य औद्योगिक गतिविधियां आरंभ की जाती हैं, तो इससे इन नाजुक पारिस्थितिक तंत्रों को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। इसीलिए वैज्ञानिक समुदाय अब यह आग्रह कर रहा है कि गहरे समुद्र में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि से पहले व्यापक पर्यावरणीय आकलन किया जाए।

इन खोजों ने यह भी सिद्ध किया है कि पृथ्वी पर जैव विविधता का एक विशाल हिस्सा अभी भी हमारे ज्ञान से परे है। वैज्ञानिक अनुमान लगाते हैं कि समुद्र की गहराइयों में लाखों प्रजातियां ऐसी हो सकती हैं, जिनका अभी तक कोई रिकॉर्ड नहीं है। प्रशांत महासागर के समुद्री तल पर पाए गए जीवों की अनुकूलन क्षमता अद्भुत है। कुछ जीवों के शरीर पारदर्शी हैं, ताकि वे अंधेरे में छिपे रह सकें। कुछ के शरीर पर ऐसे रासायनिक यौगिक होते हैं, जो उन्हें अत्यधिक दबाव और कम तापमान में जीवित रहने में सहायता करते हैं। कई जीव जैव-दीप्ति का उपयोग करते हैं, जिससे वे स्वयं प्रकाश उत्पन्न कर सकते हैं। यह प्रकाश उन्हें शिकार आकर्षित करने, साथी को पहचानने या शत्रुओं से बचने में मदद करता है।

समुद्री तल पर पाए गए नए कोरल और स्पंज की प्रजातियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। कोरल संरचनाएं समुद्री जीवन के लिए आश्रय स्थल का कार्य करती हैं। हालांकि अधिकांश लोग कोरल को उथले जल में पनपते हुए देखते हैं, परंतु गहरे समुद्र में भी ठंडे पानी के कोरल पाए जाते हैं, जो हजारों वर्षों तक जीवित रह सकते हैं। ए कोरल संरचनाएं अत्यंत धीमी गति से बढ़ती हैं, इसलिए यदि इन्हें कोई क्षति पहुंचती है तो उनका पुनर्निर्माण बहुत लंबा समय लेता है। नई प्रजातियों की खोज ने यह स्पष्ट किया है कि गहरे समुद्र का पारिस्थितिकी तंत्र उतना ही समृद्ध और जटिल है जितना कि स्थल पर स्थित वर्षावन। इस खोज का एक महत्वपूर्ण पहलू औषधीय अनुसंधान से भी जुड़ा है। समुद्री जीवों में पाए जाने वाले रासायनिक यौगिक कई बार औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। पहले भी समुद्री स्पंज और अन्य जीवों से कैंसर रोधी तथा संक्रमण-रोधी दवाओं के लिए प्रेरणा मिली है। अब जब सैकड़ों नई प्रजातियां सामने आई हैं, तो संभावना है कि इनमें से कुछ भविष्य की दवाओं के विकास में सहायक सिद्ध हों। इस प्रकार समुद्री जैव विविधता का संरक्षण मानव स्वास्थ्य के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिकों ने यह भी रेखांकित किया है कि समुद्र की गहराइयों का अध्ययन जलवायु परिवर्तन को समझने में सहायक हो सकता है। समुद्री तल पर जमा अवसाद और वहां रहने वाले सूक्ष्म जीव पृथ्वी के जलवायु इतिहास का रिकॉर्ड संजोए रखते हैं। इनके अध्ययन से यह जाना जा सकता है कि अतीत में पृथ्वी का तापमान कैसे बदलता रहा और समुद्री जीवन ने उन परिवर्तनों के साथ कैसे अनुकूलन किया। यह ज्ञान भविष्य में संभावित जलवायु परिवर्तनों की भविष्यवाणी करने में सहायक हो सकता है। प्रशांत महासागर के समुद्री तल की यह खोज हमें यह भी याद दिलाती है कि मानव ज्ञान अभी भी सीमित है। अंतरिक्ष की खोज जितनी रोमांचक है, उतनी ही रहस्यमई हमारे अपने ग्रह की गहराइयां भी हैं। समुद्र की अंधेरी, ठंडी और उच्च-दबाव वाली दुनिया में जीवन की इतनी विविधता का मिलना इस बात का प्रमाण है कि प्रकृति कितनी सृजनशील और अनुकूलनशील है। यह खोज वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और आम जनता सभी के लिए एक संदेश है कि हमें महासागरों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए। आज जब विश्वभर में समुद्री संसाधनों के दोहन की होड़ लगी हुई है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करें। यदि गहरे समुद्र में खनन की अनुमति दी जाती है, तो उससे पहले वहां के जैव विविधता का विस्तृत अध्ययन और संरक्षण रणनीतियों का निर्माण अनिवार्य होना चाहिए। लगभग 800 नई प्रजातियों का दस्तावेजीकरण इस दिशा में पहला कदम है, परंतु यह यात्रा अभी लंबी है। आने वाले वर्षों में और भी अनगिनत खोजें सामने आ सकती हैं, जो हमें जीवन के मूलभूत प्रश्नों के उत्तर खोजने में सहायता करेंगी। अंतत: प्रशांत महासागर की गहराइयों में हुई यह खोज मानव जिज्ञासा और वैज्ञानिक समर्पण का परिणाम है। यह हमें सिखाती है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, जीवन अपना रास्ता खोज लेता है। यह खोज न केवल विज्ञान की जीत है, बल्कि प्रकृति की अदम्य शक्ति और विविधता का उत्सव भी है। महासागरों के संरक्षण और सतत उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में यह उपलब्धि एक मील का पत्थर सिद्ध हो सकती है, और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी बनेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इनसेक्ट्स के लिए घातक हर वक्त रोशनी

कीटों का प्रकाश की ओर आकर्षण अब तक एक रहस्य है किंतु हमें समझना होगा कि कीट-पतंगे मिट्टी को उपजाऊ बनाने में, परागण में व खाद्य उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मल एवं लाशों का सफाया करने में भी कीटों का बड़ा योगदान है। हम कई मामलों में इनकी 9 लाख प्रजातियों पर निर्भर हैं। इसलिए इन्हें बचाने के लिए हमें कृत्रिम प्रकाश का उपयोग कम करके अन्य विकल्प खोजने होंगे।

जंतु जगत के संघ आर्थोपोडा के वर्ग इंसेक्टा में विचित्र प्रकार के कीट शामिल हैं और उनके क्रियाकलाप भी विचित्र होते हैं। इसलिए इन कीटों का अध्ययन, शोध और इनके रहस्यमय जीवन की जानकारियां पाना अत्यधिक रूचिकर व मजेदार होता है। सामान्यत: जंतु और पौधे प्रकाश के प्रति प्रतिक्रिया देते हैं। पौधों में प्रकाशानुवर्तन और गुरुत्वानुवर्तन के गुण विद्यमान हैं। कीटों में भी प्रकाशानुवर्तन होता है। प्रकाशानुवर्तन में कीट प्रकाश स्रोत की ओर गमन करते हैं। यह प्रवृत्ति धनात्मक प्रकाशानुवर्तन कहलाती है। कीटों का प्रकाश के प्रति आकर्षण भिन्न-भिन्न होता है। कॉकरोच Periplaneta americana रोशनी से दूर अंधेरे की तरफ भागते हैं। इस प्रवृत्ति को ऋणात्मक प्रकाशानुवर्तन कहते हैं। कई कीट-पतंगे प्रकाश स्रोत से आकर्षित होकर इनके करीब आते हैं। उदाहरण के लिए, बारिश के मौसम में जलते हुए बल्ब के चारों तरफ हमें ढेरों कीट-पतंगों के झुंड देखने को मिलते हैं। कीट-पतंगे रोशनी के स्रोत के इर्द-गिर्द भिनभिनाते रहते हैं और अंत में प्रकाश स्रोत से टकराकर उसकी गर्मी से मर जाते हैं।

वैज्ञानिकों ने इनकी इस प्रवृत्ति पर कई शोध किए हैं और तर्क, अवधारणाएं व सिद्धांत दिए हैं किंतु पूरी तरह से सटीक रूप से आज भी इसका जवाब विवादास्पद है। बायोलोजिकल कंजर्वेशन में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 30 में से 10 कीट बल्ब को चांद समझकर रात भर बल्ब के चक्कर लगाते हैं व सुबह तक मर जाते हैं। एक प्रसिद्ध परिकल्पना के अनुसार जब पूर्व में कृत्रिम प्रकाश स्रोत नहीं थे, तब कीट पतंगे चांद का अनुगमन किया करते होंगे ताकि वे अपनी दिशा का निर्धारण कर सकें। चूंकि चांद से इनकी दूरी बहुत अधिक है इसलिए इनके द्वारा गति करने पर बनाया गया कोण हमेशा ही एक समान बना रहेगा, लेकिन अब कृत्रिम प्रकाश स्रोत के होने से उन्हें यह आभास होने लगा कि चांद धरती पर आ गया है। इस परिकल्पना के मुताबिक वे अपने और कृत्रिम प्रकाश स्रोत (जिसे वे चांद समझ रहे हैं) के बीच समान कोण बनाए रखना चाहते हैं, किंतु प्रकाश स्रोत करीब होने से ऐसा संभव नहीं हो पाता और वे उसी से टकराकर मर जाते हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि केवल नर कीट ही प्रकाश की ओर आकर्षित होते हैं जबकि मादा नहीं। ज्ञात हुआ है कि नर कीट-पतंगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए मादा कीट-पतंगे विशेष प्रकार की गंध छोड़ते हैं। यह गंध वैसी ही होती है जैसी गंध जलते हुए प्रकाश स्रोत से निकलती है। इस कारण से नर कीट को आभास होता है कि वहां कोई मादा है और वह उसकी खोज में प्रकाश के करीब पहुंच जाते हैं एवं प्रकाश स्रोत से टकराकर मर जाते हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार 60 प्रतिशत कीटों को कृत्रिम प्रकाश में दिखना भी बंद हो जाता है। ऐसा भी माना जाता है कि कीट-पतंगे रोशनी के संपर्क में आने के बाद जब उससे दूर होते हैं तब इन्हें करीब आधे घंटे तक कुछ भी दिखाई नहीं देता है। इस वजह से अंधेपन से बचने के लिए वे प्रकाश स्रोत के चारों ओर मंडराते रहते हैं। जब अचानक से ये स्रोत के बहुत करीब पहुंचकर उससे टकराते हैं तब उसकी गर्मी से इनकी मौत हो जाती है। परीक्षणों द्वारा यह भी पता चला है कि कुछ मादा पतंगे अपने शरीर से अवरक्त प्रकाश (इंफ्रारेड) उत्पन्न करती हैं जिससे नर पतंगे आकर्षित होते हैं। ठीक उसी तरह का अवरक्त प्रकाश आग या जलती हुई चीजों से उत्पन्न होता है जिससे नर पतंगे आकर्षित होते हैं। यही कारण है की कीट-पतंगे प्रकाश स्रोत के आसपास मंडराते रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक जर्मनी में गाड़ियों की हेडलाइट से सालाना करीब 120 करोड़ से ज्यादा कीट मारे जाते हैं। रात में कीट सफेद व पीले रंग के कपड़ों में चिपकने लगते हैं क्योंकि इन्हें पराबैंगनी प्रकाश और कम तरंग दैर्ध्य के रंग अत्यधिक आकर्षित करते हैं। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यह प्रकाश के प्रति अत्यधिक संवेदी होते हैं। स्पष्ट है कि अब तक कीटों के प्रकाश के प्रति आकर्षण के बारे में वैज्ञानिकों द्वारा कोई ठोस व एकमेव सिद्धांत नहीं दिया गया है।

...साभार

वर्ल्ड रेडियो डे : एक दौर था जब रेडियो का हर कोई दीवाना था

राधा नामदेव

राधा नामदेव के नाम से मुझे रेडियो से पहचान मिली है और मैं एक व्यवसाई महिला हूं और रेडियो मेरा जीवन साथी 1985 से मैं 8 साल की उम्र से रेडियो सुनती आ रही हूं या यूं कहें मेरी जिंदगी में एक अहम भूमिका रेडियो ने निभाई है। विश्व रेडियो दिवस के विषय में बहुत लिखने का मन है, रेडियो दिवस की अधिकारिक घोषणा 2011 में की गई थी और 2012में 13 फरवरी को पहली बार विश्व रेडियो दिवस मनाया गया, तब से हम रेडियो प्रेमी हर साल 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाते आ रहे हैं, रेडियो दिवस हमारे लिए किसी त्यौहार से कम नहीं है।

रेडियो का हमारे जीवन में बहुत बड़ा योगदान है हम सभी रेडियो प्रेमी एक परिवार की तरह रहते हैं। रेडियो 90के दशकों में जितना दुर्लभ था। आज के टाइम में उतना ही आसान है। वो वक्त था जब हम रेडियो सिर्फ घर में ही सुन सकते थे आज के टाइम में हम रेडियो हर वक्त अपनी जेब में रखते हैं और कोई प्रोग्राम नहीं छूटता। बड़ा ही सरल है आज के टाइम में रेडियो सुनना महत्वपूर्ण जानकारियां, समाचार गीत संगीत का एक ऐसा भंडार जो आज भी लोगों के दिलों पर राज करता है। एक बार फिर से विश्व रेडियो दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सितारों ने रूपहले पर्दे पर दी रेडियो को आवाज

मुंबई। बॉलीवुड के कई सितारों ने रूपहले पर्दे पर रेडियो को आवाज़ दी है। हर साल 13 फरवरी को वर्ल्ड रेडियो डे मनाया जाता है। रेडियो आज भी ऐसा माध्यम है जो दूरियों को मिटाता है, लोगों को जोड़ता है और भावनाओं को आवाज़ देता है। पॉडकास्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म से बहुत पहले, रेडियो ही बातचीत, संगीत और खबरों का सबसे भरोसेमंद ज़रिया था। बॉलीवुड ने रेडियो को हमेशा सिर्फ़ एक पेशे के रूप में नही, बल्कि लोगों को जोड़ने वाले एक भावनात्मक सहारे के रूप में दिखाया है। सिर्फ़ यही नही, हिंदी फिल्मों ने रेडियो के इस असर को कई यादगार किरदारों के ज़रिए भी दिखाया है। सलाम नमस्ते 2005 में प्रीति जिंटा ने रेडियो जॉकी अम्बर एम्बी मल्होत्रा का किरदार निभाया था। यह किरदार आत्मनिर्भर, बेबाक और मॉडर्न था। उस समय जब एफएम रेडियो युवाओं में लोकप्रिय हो रहा था, एम्बी ने दिखाया कि आरजे सिर्फ़ गाने नहीं बजाते, बल्कि श्रोताओं के दोस्त भी होते हैं। लगे रहो मुन्नाभाई 2006 में विद्या बालन यानी जान्हवी एक रेडियो शो होस्ट थी, जो अपने शो के ज़रिए गांधीजी के विचार आम लोगों तक पहुंचाती हैं। इस फिल्म ने दिखाया था कि रेडियो कैसे समाज में सकारात्मक सोच और बदलाव ला सकता है। लगे रहो मुन्नाभाई में संजय दत्त का किरदार रेडियो जॉकी नहीं था, लेकिन रेडियो की भूमिका कहानी में बहुत अहम थी। रेडियो के ज़रिए गांधीगिरी लोगों तक पहुंची और यह साबित हुआ कि यह माध्यम किसी की भी सोच को प्रभावित करने की जबरदस्त ताक़त रखता है। गुजारिश 2010 ऋतिक रोशन ने ईथन मैस्करेनहास का किरदार निभाया था, जो हादसे के बाद रेडियो जॉकी बन जाता है। उनका लेट-नाइट शो भावनाओं और शायरी से भरा होता है। यह किरदार दिखाता है कि रेडियो आवाज़ के ज़रिए दिलों से कैसे जुड़ता है। तुम्हारी सुलु 2017 में विद्या बालन एक साधारण गृहिणी सुलु के रूप में नज़र आती हैं, जो लेट-नाइट रेडियो जॉकी बन जाती है। उनका किरदार रेडियो की सादगी और अपनापन दिखाता है, जहां श्रोता खुलकर अपनी बातें साझा करते हैं।

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान प्रदर्शन करते कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा व अन्य विपक्षी सांसद।

दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय में गोलीबारी, दो की मौत, एक घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय के परिसर में हुई गोलीबारी की एक घटना में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। 'फॉक्स न्यूज' ने शुक्रवार को यह जानक. ारी साझा की। यह घटना गुरुवार शाम 'ह्यूजाइन सूट्स' छात्र आवासीय परिसर में हुई। घटना के बाद विश्वविद्यालय ने परिसर में 'लॉकडाउन' लागू कर दिया है। दक्षिण कैरोलिना कानून अनुपालन विभाग इस मामले की जांच कर रहा है।

भारतीय वायुसेना ने थाईलैंड वायु सेना के साथ अभ्यास में साझा किए रणकौशल के गुर

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र में थाईलैंड की वायु सेना रॉयल थाई वायुसेना के साथ तीन दिन तक एक अभ्यास में हिस्सा लिया जिससे दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग सुदृढ़ हुआ और पारस्परिक समझ में वृद्धि हुई। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 9 से 12 फरवरी तक हुए इस युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास में द्विपक्षीय सहभागिता पर जोर दिया गया। अभ्यास में भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान और रॉयल थाई वायुसेना के साब ग्रिपेन जेट ने अपने रण कौशल का प्रदर्शन किया। समुद्री क्षेत्र के उपर वायु सेना के विमानों की विस्तारित दूरी की उड़ानों के लिए आईएल-78 आकाश में ईंधन भरने वाले टैंकरों द्वारा सहायता प्रदान की गई।

इमरान की एक आंख की 85 प्रतिशत रोशनी खत्म

कोर्ट के ऑर्डर पर हुई जांच, पूर्व पाक पीएम इमरान बोले: प्राइवेट इलाज की इजाजत नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक आंख की करीब 85 प्रतिशत रोशनी चली गई है। यह खुलासा पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त वकील सलमान सफदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इमरान खान जेल प्रशासन से कई महीनों आंखों में धुंधलापन होने की शिकायत कर रहे थे।

अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी, लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई। जांच के दौरान पिम्स अस्पताल के एक आई एक्सपर्ट को बुलाया गया। डाक्टरों ने पाया कि उनकी आंख में खून का थक्का जम गया था, जिससे गंभीर नुकसान हुआ। इलाज और इंजेक्शन देने के बाद भी उनकी दाईं आंख में अब सिर्फ लगभग 15 प्रतिशत रोशनी बची है। वहीं इमरान का कहना है उन्हें निजी डाक्टर से इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई है। इमरान खान को अगस्त 2023 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वे तब

■ अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई

से जेल में बंद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से इमरान खान को अडियाला जेल में लगातार अलग-थलग रखा गया है। उनके वकील ने मुलाकात के बाद बताया कि वो काफी परेशान और मानसिक रूप से दबाव में नजर आए। 73 साल के इमरान खान ने यह भी कहा कि उन्हें अपने निजी डाक्टरों से इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई। उनका रेगुलर ब्लड टेस्ट भी नहीं हुआ। यहां तक कि दो साल में उन्हें दांतों के डाक्टर के पास भी नहीं ले जाया गया, जबकि उन्होंने कई बार इसकी मांग की थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उनके परिवार और वकीलों से मिलने पर भी पाबंदियां लगाई गईं। अदालत के आदेश के बावजूद उनकी बहनों को नियमित रूप से मिलने नहीं दिया गया। हालांकि हाल ही में जेल प्रशासन बदलने के बाद अब उन्हें अपनी पत्नी से हफ्ते में एक बार 30 मिनट मिलने की इजाजत मिली है। उनके बेटों कासिम और सुल. `मान से 2025 में सिर्फ दो बार फोन पर बात करने दी गई। पिछले पांच महीनों से उन्हें अपने मुख्य वकील और कानूनी टीम से भी मिलने नहीं दिया गया। रिपोर्ट के अंत में चेतावनी दी गई है कि अगर तुरंत बेहतर मेडिकल जांच, साथ ही परिवार और वकीलों से मिलने की सुविधा बहाल नहीं की गई, तो उनकी सेहत को और गंभीर खतरा हो सकता है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने पिछले महीने बताया था कि इमरान खान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन आक्लूजन (सीआरवीओ) नाम की बीमारी पाई गई है। पार्टी ने कहा था कि मेडिकल एक्सपर्ट्स की राय में सही इलाज नहीं मिलने पर इमरान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है।

बांग्लादेश में दो दशक बाद बीएनपी की बड़ी जीत

बीएनपी + गठबंधन ने 299 में से 212 सीटें हासिल कर बहुमत के लिए 150 के आंकड़े को पार किया

ढाका। बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने बड़ी जीत दर्ज की है। प्रथोम ओलो के मुताबिक बीएनपी+गठबंधन ने 299 सीटों में से 212 सीटें हासिल कर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया। अब तक 297 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक 77 सीटें मिली हैं। देश में करीब 20 साल बाद बीएनपी की सरकार बनेगी। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी। इस जीत के साथ बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है।

तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। तारिक रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि मेरे भाई तारिक, उनकी टीम और बाकी सभी को बधाई। बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 1991 से 2024 तक देश की राजनीति में पूर्व पीएम शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा। ये दोनों ही प्रधानमंत्री बनती रहीं। बांग्लादेश चुनाव में कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी बुरी तरह हारी है। उसके गठबंधन को सिर्फ 70 सीटें मिलीं हैं। शेख हसीना की सरकार

■ जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक की गणना में 77 सीटें मिली हैं

■ हिंदू वोट बीएनपी को मिले बीएनपी ने मोदी को धन्यवाद कहा रिश्ते मजबूत करने की उम्मीद जताई

गिराने वाले स्टूडेंट्स की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी यानी एनसीपी को भी बांग्लादेशियों ने नकार दिया। पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के वोट खासकर हिंदू वोटर बीएनपी में शिफ्ट हो गए। बीएनपी को अवामी लीग के गढ़ रहे गोपालगंज के अलावा खुलना, सिलहट, चटगांव, ठाकुरगंज में जीत मिली है।

जमात का अतीत आड़े आ गया, लोगों को याद रहा कि उसने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम का विरोध किया था। जमात इस दाग को नहीं धो पाई। स्टूडेंट्स की नेशनल सिटीजन पार्टी को आपसी फूट और जमात से गठबंधन करना भारी पड़ा। उन्हें लोगों ने पूरी तरह खारिज कर दिया। बांग्लादेश में वोटिंग के दौरान कई जगहों पर झड़पें भी हुईं। खुलना में एक वोटिंग सेंटर के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक बीएनपी नेता मोहिबुज्जमान कोच्चि की मौत हो गई। दूसरी तरफ मुंशीगंज-3 और गोपालगंज सदर इलाके में वोटिंग सेंटर के बाहर देसी बम फेंके गए। गोपालगंज सदर इलाके में धमाके से 3 लोग घायल हो गए थे। बीएनपी ने पीएम मोदी के बधाई पोस्ट का जवाब दिया। बीएनपी के चुनाव प्रबंधन कमिटी के चेयरमैन नजरुल इस्लाम खान ने कहा कि हम भी मोदी जी का धन्यवाद देते हैं। हमारा मानना है कि तारिक रहमान के नेतृत्व में दोनों देशों के रिश्ते और लोगों के बीच का बंधन और मजबूत होगा। चीन ने बांग्लादेश में हुए सफल और शांतिपूर्ण आम चुनाव की तारीफ की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव ठीक तरह से हुए और बीएनपी को बहुमत मिला है। उन्होंने कहा कि चीन, बांग्लादेश के घरेलू राजनीतिक फैसलों का समर्थन करता है और ढाका के साथ मिलकर चीन-बांग्लादेश रणनीतिक सहयोग साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तैयार है। इससे पहले मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने चीन के साथ रिश्ते मजबूत करने और ज्यादा निवेश लाने की कोशिश की थी। अब बीएनपी की सरकार से भी उम्मीद है कि वह चीन के साथ अच्छे संबंध बनाए रखेगी, क्योंकि चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। देश के इतिहास में चौथे जनमत संग्रह में 60.26 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल 48074429 वोट हां के पक्ष में पड़े, जबकि 22565627 वोट नहीं के पक्ष में पड़े। गुरुवार को 13वें संसदीय चुनाव के साथ आयोजित जनमत संग्रह में कुल 70640056 लोगों ने मतदान किया। यह परिणाम जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर में शामिल संवैधानिक सुधार के 48 बिंदुओं को लागू करने के लिए जनता की सहमति को दर्शाता है।

बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करने का उत्सुक: शहबाज

इस्लामाबाद। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को प्रचंड बहुमत मिला है। 300 सीटों में 200 से ज्यादा सीटें जीतकर बीएनपी सत्ता में आ रही है। ऐसे में तारिक रहमान प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। इस बीच भारत के बाद अब पाकिस्तान ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। पाकिस्तान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने शुक्रवार को बीएनपी और पार्टी नेता तारिक रहमान को संसदीय चुनावों में भारी बहुमत हासिल करने पर बधाई दी। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने एक बयान में बांग्लादेश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के लिए इस्लामाबाद के समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान व्यापार, रक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय मंचों में सहयोग को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ढाका में नया राजनीतिक वातावरण पूरे क्षेत्र में अधिक संतुलित, स्वतंत्र और पारस्परिक रूप से सम्मानजनक जुड़ाव में योगदान देगा। इसी के साथ बांग्लादेश की निरंतर स्थिरता, प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी बीएनपी को 'शानदार जीत' दिलाने पर तारिक रहमान को बधाई भी दी।

ढाका-3 से अल्पसंख्यक हिंदू नेता गायेश्वर राय जीते

ढाका। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से आने वाले गायेश्वर चंद्र राय ने ढाका-3 संसदीय सीट पर प्रभावशाली जीत दर्ज की है।

राय ने 99163 वोट हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को परा. जित किया। शाहिनुर इस्लाम जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार थे। यह जीत 1971 में स्वतंत्रता के बाद ढाका से चुने गए पहले हिंदू सांसद के रूप में दर्ज की गई है। राय की जीत ऐसे समय में आई है जब देश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ कथित हमलों और उत्पीड़न की खबरें सामने आती रही हैं। दिसंबर में कट्टरपंथी युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बनी थी। भारत ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। ऐसे माहौल में एक हिंदू नेता का राजधानी क्षेत्र से जीतना राजनीतिक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

■ राय ने 99163 वोट हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को पराजित किया

बदलाव की संभावना का प्रतिनिधित्व करते तारिक रहमान

नई दिल्ली। लंदन में 17 साल के स्व-निर्वासन से लौटने के लगभग दो महीने बाद सभी उम्मीदों को धता बताते हुए तारिक रहमान ने बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को एक निर्णायक जीत दिलाई है। इस शानदार जीत में बीएनपी ने दो-तिहाई से अधिक सीटों पर कब्जा किया और अवामी लीग पर लगे विवादास्पद प्रतिबंध के बाद बने शून्य को भर दिया। इस जीत ने शासन का कोई पिछला अनुभव न रखने वाले व्यक्ति को 17 करोड़ लोगों के राष्ट्र के प्रमुख के पद पर पहुंचा दिया है। विरासत की राजनीति के अभ्यस्त इस देश में, रहमान का उत्थान अपरिहार्य और असंभव दोनों ही महसूस हुआ। वह जियाउर रहमान के सबसे बड़े बेटे हैं, वही पूर्व सैन्य अधिकारी जिन्होंने 1971 में बंगलादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

भारत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पिछड़ने वाला देश नहीं: डा. जितेंद्र

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को नई गति देने के उद्देश्य से एक लाख करोड़ रुपये की अनुसंधान, विकास और नवाच. ार पहल के तहत दो हजार करोड़ रुपये के बीआईआरएसी-आरडीआई फंड की पहली राष्ट्रीय घोषणा की। डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां इसकी घोषणा करते हुए कहा कि भारत अब जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पिछड़ने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ चुका है। यह पहल विज्ञान-आधारित विकास की दिशा में भारत के दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला से उद्योग तक के अंतर को पाटने के लिए यह फंड एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

सोवियत युग के आलोचक राय मेदवेदेव का निधन

मास्को। सोवियत युग के प्रमुख आलोचक और लेखक राय मेदवेदेव का शुक्रवार को 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया, इसकी जानकारी रूस के राज्य मीडिया ने दी। मेदवेदेव स्टालिन और बाद के सोवियत नेताओं की नीतियों के आलोचक के रूप में जाने जाते थे।

मेदवेदेव ने सोवियत युनियन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएसयू) द्वारा अपनाई गई मार्क्सवादी नीतियों की आलोचना की। उनके किताब 'लेट हिस्ट्री जज' के पश्चिम में प्रकाशित होने के बाद उन्हें 1969 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। उनके पिता अलेक्जेंडर, जो रेड आर्मी में कमिसर थे, स्टालिन की शुद्धिकरण नीतियों के दौरान गिरफ्तार हुए और जीयूएलएजी श्रम शिविर में मृत्यु हो गई। मेडवेदेव का नाम उनके पिता ने भारतीय कम्युनिस्ट नेता एम एन राय के नाम पर रखा था। 1960 के दशक में सोवियत बुद्धिजीवियों में उदित हुए सुधारवादी समाजवाद के विचारों को उनके कार्यों में देखा जा सकता है। 1970 में, उन्होंने एंड्रेई सखारोव और अन्य के साथ मिलकर सोवियत नेतृत्व को खुला पत्र लिखा। मेदवेदेव ने अपने जुड़वां भाई झोरेस के साथ मिलकर लिखी किताब 'ए क्वेश्चन आफ मैडनेस' में झोरेस के कालुगा मनोवैज्ञानिक अस्पताल में अनैच्छिक बंदीकरण का वर्णन किया। 1989 में, मिखाइल गोर्बाचेव की पेरिस्ट्रोइका और ग्लासनास्ट सुधारों के दौरान मेदवेदेव ने कम्युनिस्ट पार्टी में फिर से प्रवेश किया।

मोरक्को सरकार ने बाढ़ प्रभावित चार प्रांतों को आपदा क्षेत्र किया घोषित

काहिरा। मोरक्को सरकार ने बाढ़ के कारण देश के उत्तर-पश्चिम में स्थित चार प्रांतों, लाराचे, अल केनित्रा, सिदी कासेम और स्लीमेन को आपदा क्षेत्र घोषित किया है। मोरक्को मीडिया ने सरकार के हवाले से यह जानकारी दी है। हेस्प्रेस अखबार ने गुरुवार को कहा कि मोरक्को सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों के लिए तीन अरब मोरक्कन दिरहम (32.79 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का सहायता कार्यक्रम भी शुरू किया है। मोरक्को के अधिकारियों के अनुसार प्रभावित प्रांतों से लगभग 1.88 लाख निवासियों को निक. ाला गया है। रिपोर्ट के अनुसार बारिश और बाढ़ से 110000 हेक्टेयर से अधिक का क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

चीनी प्रभुत्व को रोकने को मजबूत भारत जरूरी: कपूर

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों पर अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री ने संसदीय सुनवाई के दौरान टिप्पणी की

वाशिंगटन। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों पर अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री एस. पॉल कपूर ने घोषणा की है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी प्रभुत्व को रोकने के लिए एक मजबूत और स्वतंत्र भारत जरूरी है।

मंत्री ने संसदीय सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। संसदीय सुनवाई में दक्षिण और मध्य एशिया के रणनीतिक महत्व पर व्यापक सहमति दिखाई दी, हालांकि चीन के बढ़ते प्रभाव और राजनीतिक उथल-पुथल वाले इस क्षेत्र में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर सांसद गहराई से विभाजित नजर आए। कपूर ने स्पष्ट किया कि अमेरिका भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नीति का उद्देश्य केवल चीन को रोकना नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र में संतुलन और संप्रभुता बनाए रखना है। सुनवाई के दौरान व्यापार, कूटनीति और अफगानिस्तान नीति पर तीखे दलीय मतभेद हावी रहे। सांसदों ने इस पर बहस की कि अमेरिका को चीन के प्रभाव का मुकाबला

■ सुनवाई के दौरान व्यापार कूटनीति और अफगानिस्तान नीति पर तीखे दलीय मतभेद हावी रहे

कैसे करना चाहिए और दक्षिण एवं मध्य एशिया में तेजी से बदलते राजनीतिक बदलावों पर क्या प्रतिक्रिया देनी चाहिए। सत्र की शुरुआत करते हुए अध्यक्ष और प्रतिनिधि बिल हुइजेंगा ने कहा कि दक्षिण और मध्य एशिया उपसमिति की कार्यवाही शुरू की जाती है। इस सुनवाई का उद्देश्य दक्षिण मध्य एशिया में अमेरिका की विदेश नीति की जांच करना है। उन्होंने इस क्षेत्र को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक बताया और कहा कि वहां अमेरिकी रणनीति अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और हमारी वैश्विक उपस्थिति की कुंजी है। हुइजेंगा ने कहा कि दक्षिण और मध्य एशिया लगभग दो अरब लोगों, गतिशील अर्थव्यवस्थाओं और रणनीतिक जलमार्गों का घर है जो भारत-प्रशांत में शक्ति संतुलन को आकार देते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि हमारा जुड़ाव आने वाले दशकों के लिए एशिया में अमेरिका की भूमिका को परिभाषित करेगा। अध्यक्ष ने आगाह किया कि चीन अपनी 'बेल्ट एंड रोड' पहल के माध्यम से अपने सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए 'दमनकारी ऋण' देता है और छोटे देशों को कर्ज के जाल में फंसाता है।' उन्होंने यह भी कहा कि चीन ने अपनी सैन्य आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करते हुए भारत, नेपाल और भूटान के साथ अपनी सीमाओं को मजबूत किया है।

ट्रम्प ने दूसरा युद्धपोत पश्चिम एशिया भेजा

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका की बड़ी तैयारी, नए फैसले ने दोनों देशों के बीच कड़वाहट बढ़ाई

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक नए फैसले ने दोनों देशों के बीच इस कड़वाहट को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

दरअसल ट्रम्प ने दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत 'यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड' को कैरेबियन सागर से हटाकर मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) भेजने का आदेश दिया है। यह मिडिल ईस्ट में तैनात होने वाला अमेरिका का दूसरा बड़ा विमानवाहक पोत होगा। इस इलाके में 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' विमानवाहक पोत पहले से ही अपनी मौजूदगी बनाए हुए है। इस खबर को सबसे पहले द

■ इस इलाके में 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' विमानवाहक पोत पहले से ही अपनी मौजूदगी बनाए हुए है

न्यूयार्क टाइम्स ने रिपोर्ट किया था। ट्रम्प के इस फैसले के बाद अब मध्य पूर्व के इलाके में अमेरिका के दो बड़े विमानवाहक पोत और उनके साथ चलने वाले वारशिप इस इलाके में पहुंच जाएंगे। ट्रम्प प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाना चाहता है। सैन्य गति. विधियों की जानकारी देने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह बातें साझा की हैं। यूएसएस अब्राहम लिंकन और तीन मिसाइल वाले विध्वंसक जहाज (डिस्ट्रायर) दो हफ्ते पहले ही मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। यूएसएस फोर्ड के लिए यह एक अचानक बदलाव है। पिछले साल अक्टूबर में ट्रम्प ने इसे भूमध्य सागर से कैरेबियन भेजा था। उस समय वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए वहां बड़ी सैन्य मौजूदगी तैयार की गई थी। यह कदम ट्रम्प की उस सुरक्षा रणनीति से अलग नजर आता है, जिसमें उन्होंने दुनिया के दूसरे हिस्सों के बजाय पश्चिमी गोलार्ध पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही थी। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रम्प ने एक्सियोस को बताया था कि वह मध्य पूर्व में एक और युद्धपोत भेजने के बारे में सोच रहे हैं। फिलहाल व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में 14.208 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। स्वर्ण भंडार में 14. 208 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के कारण 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 14.361 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 723.774 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया। स्वर्ण भंडार में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह सोने की कीमतों में बदलाव है।